@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शनिवार, 10 अक्टूबर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 337 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सीजेपी प्रदर्शन से पहले दिल्ली की पाबंदियों पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

• सीजेआई बोले- सबके पास कार नहीं, लोगों को बिना परिवहन के नहीं छोड़ सकते

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- ऐसा फैसला लें, जनता को न हो परेशानी

एजेंसी

नई दिल्ली। 10 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश द्वार पूरी तरह बंद करने के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है। अदालत ने कहा कि इस तरह के कदम से हजारों यात्रियों को परेशानी हो सकती है। इनमें छात्र, नौकरीपेशा लोग और गुरुग्राम, ग्रेटर नोएडा समेत दिल्ली के आसपास के इलाकों से रोजाना सफर करने वाले लोग शामिल हैं। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि हर व्यक्ति के पास अपनी कार नहीं होती। ऐसे में सभी परिवहन सेवाओं को ठप करके लोगों को बिना किसी यात्रा सुविधा के नहीं छोड़ा जा सकता।

मेट्रो और रेल सेवाओं पर प्रतिबंध की होगी समीक्षा

सुप्रीम कोर्ट में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वह मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश द्वार बंद करने के मुद्दे पर सरकार से चर्चा करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हालात के अनुसार प्रतिबंधों को

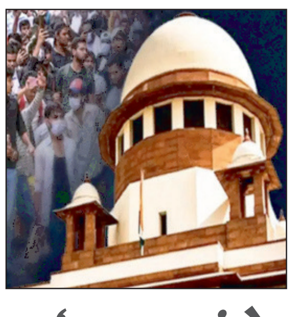

नियंत्रित किया जा सकता है और समय-समय पर उनकी समीक्षा भी की जा सकती है। तुषार मेहता ने अदालत को आश्वासन दिया कि रेलवे सेवाओं और मेट्रो स्टेशनों को लेकर ऐसे कदम उठाए जाएंगे, जो स्थिति के अनुरूप और जरूरत के हिसाब से हों। सीजेआई ने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रदर्शन स्थल पर बच्चों और चिकित्सा सहायता की जरूरत वाले लोगों की सुरक्षा का ध्यान रखा जाना चाहिए। आपातकालीन स्थिति में लोगों को तुरंत सहायता मिल सके, इसके लिए पर्याप्त व्यवस्था होना जरूरी है।अदालत की टिप्पणी से स्पष्ट है कि सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ आम लोगों की आवाजाही और शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लोकतांत्रिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है।

प्रदर्शन के लिए वैकल्पिक जगह तलाशने का सुझाव

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि प्रदर्शनकारियों को अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल करने का अवसर मिलना चाहिए। इसके लिए अधिकारियों को किसी बड़े खुले स्थान की पहचान करनी चाहिए, जहां प्रदर्शन की अनुमति देने के साथ जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा सकें।

'हमारा आंदोलन होकर रहेगा': प्रदर्शन की इजाजत न मिलने पर बोले

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध-प्रदर्शन से एक दिन पहले, शुक्रवार को इसके संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अगर सरकार युवाओं से डरती है, तो उसे पूरे देश को ही बंद कर देना चाहिए। यह बयान 10 अक्तूबर को राष्ट्रीय राजधानी आने-जाने वाली ट्रेनों के रद्द होने के बाद आया है। इसके साथ ही कहा कि हमारा आंदोलन होकर रहेगा। सीजेपी ने चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची के 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (एसआईआर) में भारी गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए, मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन करने का आह्वान किया है।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा, 'हमारा आंदोलन होकर रहेगा। जंतर-मंतर विरोध प्रदर्शन के लिए तय जगह है। अनुच्छेद 19 विरोध करने का मौलिक अधिकार देता है तो, फिर इजाजत लेने की क्या जरूरत है? क्या उन्होंने 13 करोड़ वोट हटाने से पहले इजाजत ली थी? आप चाहते हैं कि हम चुनाव में धांधली करने वालों के खिलाफ आवाज न उठाएं? ऐसा नहीं हो सकता।

भारतवंशी नवी पिल्लई को शांति का नोबेल

• युद्ध अपराधों में न्याय दिलाने के लिए चुनी गईं नवनीतम

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका की जानी-मानी न्यायविद् नवनीतम 'नवी' पिल्लई को वर्ष 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है। यह घोषणा नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में की गई। उन्हें शांति और

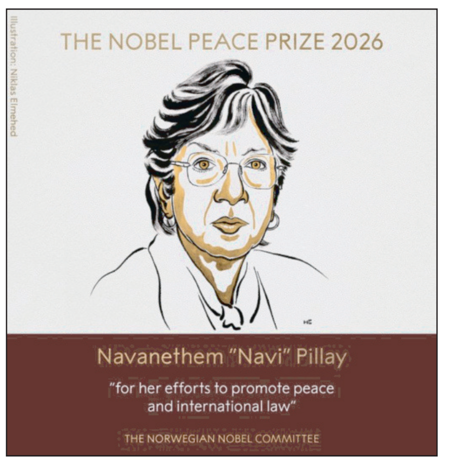

अंतरराष्ट्रीय कानून को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए यह सम्मान दिया गया है। नवी पिल्लई ने अपने लंबे करियर में अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे और प्रभाव को व्यापक बनाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। रवांडा के अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण में जज रहते हुए उनके प्रभाव से ही यह अभूतपूर्व कानूनी सिद्धांत स्थापित हुआ कि दुष्कर्म और यौन हिंसा को मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार का हिस्सा माना जा सकता है। इसी मामले में उनकी दूरदर्शिता से एक और कानूनी सफलता मिली, जब पहली बार केवल नफरती प्रोपेगैंडा फैलाकर नरसंहार भड़काने के आधार पर किसी आरोपी पर मुकदमा चलाया गया। उन्होंने अपनी निष्पक्षता, विशेषज्ञता और दृढ़ता से यह साबित किया कि कानूनी तंत्र युद्ध और हिंसा के कृत्यों को रोकने में कारगर हो सकते हैं। वे हमारे समय की सबसे सम्मानित अंतरराष्ट्रीय कानूनविदों में से एक हैं।

- **क्यों मिला पुरस्कार?:** अंतरराष्ट्रीय कानून और शांति को बढ़ावा देने के उनके असाधारण प्रयासों के लिए उन्हें वर्ष 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार प्रदान किया गया है।
- **प्रारंभिक जीवन और भारतीय मूल:** उनका जन्म 23 सितंबर 1941 को दक्षिण अफ्रीका के डरबन में एक गरीब परिवार में हुआ था। वह भारतीय तमिल मूल की हैं, जिनके दादा-दादी 1890 के दशक में भारत से दक्षिण अफ्रीका गए थे।
- **प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पद:** वह 2008 से 2014 तक संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त रह चुकी हैं। इसके अलावा, उन्होंने रवांडा के लिए अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायाधिकरण (आईसीटीआर) की अध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) की न्यायाधीश के रूप में भी सेवा दी है।

एच-1बी वीजा पर घमासान

• जेडी वेंस ने भारतीयों को बताया 'बंधुआ मजदूर'

• भारत बोला- अपना इतिहास न भूले अमेरिका

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस द्वारा H-vB वीजा पर काम करने वाले विदेशी पेशेवरों को 'बंधुआ मजदूर' कहे जाने पर भारत ने कड़ा ऐतराज जताया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने वेंस की टिप्पणी को अनुचित और बेहद अपमानजनक बताते हुए कहा कि इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल औपनिवेशिक दौर की दर्दनाक यादें ताजा करता है। भारत ने साफ किया कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था और तकनीकी विकास में भारतीय कुशल पेशेवरों का योगदान अतुलनीय है और उनका अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि अमेरिका में कार्यरत भारतीय पेशेवर अत्यधिक शिक्षित और कुशल हैं, जो शोध, नए आविष्कारों और टेक सेक्टर में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मंत्रालय ने याद दिलाया कि

अमेरिका का अपना इतिहास प्रवासियों की मेहनत से बना है। ऐसे में प्रवासियों के खिलाफ अपमानजनक और औपनिवेशिक शब्दावली का प्रयोग करना दुर्भाग्यपूर्ण है। भारत ने स्पष्ट किया कि कुशल प्रतिभाओं की आवाजाही दोनों देशों के साझा हितों से जुड़ी है, जिससे अमेरिकी कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ती है और नए रोजगार पैदा होते हैं।

जेडी वेंस ने आखिर क्या दिया था बयान?

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आरोप लगाया था कि विदेशी आउटसोर्सिंग कंपनियां अमेरिकी कर्मचारियों की जगह कम वेतन पर विदेशी कामगारों को रख रही हैं। वेंस का दावा था कि H-vB वीजा पर काम करने वाले कर्मचारियों को समान पद के अमेरिकी नागरिकों की तुलना में 20,000 से 48,000 डॉलर तक कम वेतन दिया जाता है। वेंस ने इसी संदर्भ में वीजा धारकों को 'बंधुआ मजदूर' कहते हुए कंपनियों पर कम वेतन देकर मुनाफा कमाने का आरोप लगाया था।

मुख्यमंत्री ने मंत्रिपरिषद की बैठक के उपरान्त मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित किया

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 9 अक्टूबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सरकार के प्रमुख के रूप में जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर उत्तर प्रदेश मंत्रिपरिषद ने उनके दूरदर्शी नेतृत्व, राष्ट्र के प्रति समर्पण तथा उत्तर प्रदेश के विकास में निरन्तर योगदान के लिए अभिनन्दन प्रस्ताव पारित किया है। उत्तर प्रदेश मंत्रिपरिषद ने नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर का नाम 'नरेन्द्र मोदी इण्टरनेशनल एयरपोर्ट, नोएडा-जेवर' रखने का प्रस्ताव पारित किया है। यह एयरपोर्ट प्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण विमानन परियोजनाओं में से एक है और भविष्य में देश के प्रमुख एविएशन हब के रूप में विकसित होने की क्षमता रखता है। मुख्यमंत्री जी आज यहां लोक भवन में मंत्रिपरिषद की बैठक के उपरान्त मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मंत्रिपरिषद विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश/2047 के संकल्प को साकार करने के लिए पूर्ण निष्ठा, ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ निरन्तर कार्य करने का संकल्प दोहराती है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण की यात्रा निरन्तर आगे बढ़ती रहेगी और उत्तर प्रदेश इसमें अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 07 अक्टूबर का दिन देश के इतिहास में गौरवशाली अध्याय के रूप में दर्ज हुआ है। सरकार के प्रमुख के रूप में प्रधानमंत्री जी की अनवरत समर्पित सेवा यात्रा के 25 वर्ष पूर्ण होना देश

के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। यह अवसर उनके दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी है। प्रधानमंत्री जी ने 'सेवा ही समर्पण' और 'राष्ट्र प्रथम' को अपना मूल मंत्र मानते हुए सार्वजनिक जीवन में कर्तव्यनिष्ठा, सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण को सर्वोच्च ध्येय बनाया है। उनकी 25 वर्षों की यात्रा जनसेवा से जनकल्याण और जनभागीदारी से जनविश्वास की अनूठी मिसाल है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लिए यह विशेष गौरव का विषय है कि प्रधानमंत्री जी प्रदेश की पावन धरा से जनप्रतिनिधि और सांसद के रूप में देश का नेतृत्व कर रहे हैं। वर्ष 2014 में काशी से जनता का आशीर्वाद लेते हुए प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि उन्हें मां गंगा ने बुलाया है। काशी और मां गंगा से आरम्भ हुआ यह आत्मीय सम्बन्ध समय के साथ और गहरा हुआ है तथा प्रदेश के सर्वांगीण कायाकल्प का आधार बना है। केन्द्र और राज्य के साझा संकल्प तथा टीम इण्डिया की भावना के अनुरूप डबल इंजन सरकार के प्रभावी समन्वय से प्रदेश अभूतपूर्व प्रगति के पथ पर अग्रसर है। प्रधानमंत्री जी के लम्बे प्रशासनिक अनुभव, दूरदर्शिता और मार्गदर्शन से प्रेरणा लेकर उत्तर प्रदेश ने शासन की नई कार्य संस्कृति अपनाई है। वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश प्रशासनिक अस्थिरता, असुरक्षा की भावना और बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहा था। आज पारदर्शी एवं तकनीक आधारित सुशासन, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और निवेश के अनुकूल वातावरण प्रदेश की नई पहचान बन चुके हैं। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में प्रदेश विरासत और विकास के समन्वय के साथ चतुर्मुखी प्रगति के नए आयाम स्थापित कर रहा प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शी सोच के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी के नए मॉडल के रूप में उभरा है। प्रदेश में लगभग 60 हजार करोड़ रुपये की लागत से 2,483 किलोमीटर लम्बे 42 राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण हुआ है। दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेस-वे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे और कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं से आवागमन को गति मिली है।

शेष पृष्ठ 3 पर

• मस्क के आरोपों पर बोले ज्योतिरादित्य सिंधिया

भारत किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार की अनुमति नहीं देता

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि भारत किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार की अनुमति नहीं देता है। उनका यह बयान सैटेलाइट संचार सेवाओं को लेकर जारी विवाद और एलन मस्क के आरोपों के बीच आया है। सिंधिया ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2026 के दौरान कहा, 'एक विशेष कंपनी को लेकर काफी चर्चा हो रही है, लेकिन तीन कंपनियों को सैटकॉम लाइसेंस मिले हैं।' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सैटेलाइट संचार सेवा प्रदाता राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं और निर्धारित मानकों को पूरा करने के बाद ही अपना परिचालन शुरू कर सकते

हैं। विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मस्क का बचाव किए जाने के बाद कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सिंधिया ने कहा कि उनकी पार्टी को यह भी नहीं पता कि वह 'बाएं जा रही है या दाएं।' सिंधिया ने कनेक्टिविटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में

• हालांकि, परिचालन शुरू करने के लिए अंतिम मंजूरी गृह मंत्रालय द्वारा सुरक्षा संबंधी आकलन पूरा किए जाने पर निर्भर है।

भारत की प्रगति के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि भारत में 1.1 अरब ब्रॉडबैंड कनेक्शन हैं और देश के 99.9 प्रतिशत जिलों में 5जी कवरेज उपलब्ध है। इससे पहले, संचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा था कि भारत में सैटेलाइट संचार सेवाओं की शुरुआत फिलहाल गृह मंत्रालय से सुरक्षा मंजूरी मिलने का इंतजार कर रही है। उन्होंने संकेत दिया कि सभी सैटेलाइट संचार कंपनियां नियामकीय प्रक्रिया के लगभग समान चरण में हैं। इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2026 से साइडलाइन में बातचीत में पेम्मासानी ने कहा कि दूरसंचार विभाग (डीओटी) सैटेलाइट संचार सेवा प्रदाताओं को पहले ही लाइसेंस और स्पेक्ट्रम से संबंधित अस्थायी मंजूरियां जारी कर चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व कौशल प्रतियोगिता शंघाई 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले देश के युवाओं से की मुलाकात, किया उत्साहवर्धन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 22 से 27 सितंबर 2026 तक चीन के शंघाई में आयोजित 'विश्व कौशल प्रतियोगिता 2026' में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले देश के युवाओं से नई दिल्ली स्थित 7, लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की, जहां प्रधानमंत्री ने उनका अभिनंदन और उत्साहवर्धन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में लिखा, 'इन शानदार युवाओं ने वर्ल्डस्किल्स कंपटीशन 2026 में बेहतरीन प्रदर्शन किया। आज 7, लोक कल्याण मार्ग में उनसे मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया।' वहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर भी प्रधानमंत्री ने पोस्ट शेयर किया और लिखा, 'वर्ल्डस्किल्स प्रतियोगिता 2026 में चमक बिखेरने वाले युवा साथियों का 7, लोक कल्याण मार्ग पर अभिनंदन! 'गौरतलब है कि 48वीं वर्ल्डस्किल्स कंपटीशन का आयोजन 22 से 27 सितंबर 2026 तक चीन के शंघाई स्थित राष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र (नेशनल एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर-एनईसीसी) में हुआ।

आंध्र प्रदेश सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका, बीसी के 34 प्रतिशत आरक्षण पर याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से आंध्र प्रदेश सरकार को एक बड़ा झटका लगा है। सर्वोच्च अदालत ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली उसकी याचिका खारिज कर दी, जिसमें स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों के लिए 34 प्रतिशत आरक्षण को रद्द कर दिया गया था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और शील नागू की पीठ ने राज्य सरकार द्वारा बीसी आरक्षण बढ़ाने के औचित्य हेतु प्रस्तुत आंकड़ों, विशेष रूप से एकीकृत परिवार सर्वेक्षण के निष्कर्षों के कानूनी आधार पर सवाल उठाए। आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि हाई कोर्ट के पास आंकड़ों को अविश्वसनीय बताकर खारिज करने का कोई कारण नहीं था। हालांकि, न्यायमूर्ति दत्ता की अध्यक्षता वाली पीठ ने राज्य सरकार से यह साबित करने को कहा कि हाई कोर्ट ने यह मानने में कहां गलती की है कि सर्वेक्षण के आंकड़े आरक्षण निर्धारण का आधार नहीं बन सकते।

कच्छ में ट्रक और पिकअप की आमने-सामने टक्कर, 7 मजदूरों की मौत

क्रेन से निकाले गए शव

एजेंसी

कच्छ। गुजरात के कच्छ जिले में खावड़ा के पास स्थित रिन्यूएबल एनर्जी पार्क में शुक्रवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। ट्रक और पिकअप वाहन की आमने-सामने टक्कर में कम से कम सात मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 3 से 4 बजे के बीच हुआ। खावड़ा पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर एमबी चावड़ा ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, 'ट्रक और बोलेरो कैंपर विपरीत दिशाओं से आ रहे थे। दोनों वाहनों की टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।' हादसे के समय

सभी मजदूर बोलेरो कैंपर में सवार थे। टक्कर के बाद सात मजदूर वाहन के मलबे में फंस गए। उन्हें क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक सभी की मौत हो चुकी थी। वहीं, 20 से ज्यादा घायल मजदूरों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक, दुर्घटना के पीछे संभावित लापरवाही के पहलुओं की भी जांच की जा रही है। कच्छ कलेक्टर अनिल राणावसिया ने कहा कि कल रात कच्छ जिले के खावड़ा गांव के पास एक भीषण दुर्घटना हुई। एक कंपनी के लगभग 30-32 मजदूरों को ले जा रही पिकअप वैन एक ट्रक से टकरा गई। इस दुर्घटना में पिकअप वैन पलट गई, जिससे कई लोग घायल हो गए। अब तक मिली जानकारी के अनुसार, लगभग सात लोगों की मौत हो गई है। घायलों को भुज स्थित जिला अस्पताल ले जाया गया है, जहां विशेषज्ञ डॉक्टर आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की सहायता से उनका इलाज कर रहे हैं। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए आरटीओ और पुलिस कर्मियों की टीमें घटना की गहन जांच के लिए भेजी गई हैं।

योगी सरकार ने महिलाओं को दिया मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर का तोहफा

लखनऊ,, एजेंसी।
उत्तरप्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने दीपावली से पहले प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को राहत दे दी है। मुख्यमंत्री योगी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान होली और दीपावली पर एक-एक मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर भरवाने की योजना जारी रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस योजना पर राज्य सरकार 2,142.78 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

कैबिनेट बैठक के बाद खाद्य एवं रसद मंत्री मनोज पांडेय ने बताया कि योजना के तहत पहला मुफ्त सिलेंडर अक्टूबर से दिसंबर 2026 के बीच दीपावली के मौके पर और दूसरा जनवरी से मार्च 2027 के बीच होली पर मिलेगा। इसका लाभ उन्हीं उज्ज्वला लाभार्थियों को मिलेगा, इनके बैंक खाते आधार से जुड़े होगा और आधार प्रमाणीकरण पूरा होगा। योगी सरकार का कहना है कि इस योजना से गरीब परिवारों को रसोई गैस उपलब्ध करने और स्वच्छ ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।
बैठक में जेवर हवाई अड्डे का नाम 'नरेंद्र मोदी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा नोएडा-जेवर' रखने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री योगी ने इसकी जानकारी दी।
मुख्यमंत्री योगी ने सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख कर कहा कि प्रदेश में 65 लाख से अधिक गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराए हैं। करीब 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया रहा है। जल जीवन मिशन के तहत 2.46 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन मिले हैं, जबकि उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 1.86 करोड़ मुफ्त गैस कनेक्शन दिए हैं।
सीएम योगी ने बताया कि प्रदेश में 6 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए हैं। इनके माध्यम से 9.90 करोड़ से ज्यादा लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा मिली है। योगी सरकार के अनुसार, गंभीर बीमारियों से पीड़ित 1.09 करोड़ लोगों के उपचार पर 18,798 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने रोजगार और महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में उपलब्धियां गिनाकर कहा कि प्रदेश में 9.50 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी गई हैं और निजी क्षेत्र में 65 लाख नियुक्तियां हुई हैं। उन्होंने बताया कि 10 लाख स्वयं सहायता समूहों से एक करोड़ से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं। सरकार का दावा है कि इन योजनाओं से गरीब परिवारों, महिलाओं और युवाओं को लाभ पहुंचा है।

नाना की मौत पर सस्पेंस, पुलिस ने दर्ज किया अननेचुरल डेथ का मामला

पणजी (एजेंसी)। अभिनेता नाना पाटेकर के निधन के बाद पुलिस ने अननेचुरल डेथ का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उन्हें अस्पताल लाए जाने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी, जिसके चलते कानूनी प्रक्रिया के तहत यह कदम उठाया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 194 के तहत मामला दर्ज किया है। डॉक्टरों के अनुसार, जब किसी व्यक्ति को अस्पताल में मृत अवस्था में लाया जाता है, तो इसे मेडिको-लीगल केस माना जाता है और पुलिस को सूचित करना अनिवार्य होता है।

डॉक्टरों ने शुरुआती तौर पर नाना पाटेकर की मौत की वजह कार्डियक अरेस्ट बताई है। बताया जा रहा है कि उन्हें पहले से दिल से जुड़ी बीमारियां थीं और वे नियमित दवाइयां ले रहे थे। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और परिवार के सदस्यों सहित मामले से जुड़े अन्य लोगों के बयान भी दर्ज किए जाएंगे। जांच में अगर मौत प्राकृतिक कारणों से पाई जाती है, तो मामला बंद कर दिया जाएगा। वहीं, अगर किसी तरह के गलत होने का कोई भी संकेत मिलता है, तो पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। बता दें कि नाना पाटेकर का 8 अक्टूबर को 75 साल की उम्र में निधन हो गया था। उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ पुणे के डोंजे गांव में स्थित उनके फार्महाउस नानाची वाड़ी के आसपास किया गया, जहां उनकी पत्नी नीलकांति पाटेकर और बेटे मल्हार पाटेकर ने उन्हें मुखाग्नि दी।

कच्छ में भीषण सड़क हादसा : सोलर पार्क में ट्रेलर से टकराई बोलेरो, 7 मजदूरों की दर्दनाक मौत

कच्छ (एजेंसी)। गुजरात के कच्छ जिले में देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में सात मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए है। यह दुर्घटना खावड़ा सोलर पार्क जाने वाले मार्ग पर एक बोलेरो और ट्रेलर के बीच जोरदार टक्कर के कारण हुई। मृतकों में सभी मजदूर हैं, जो बोलेरो में सवार होकर काम पर जा रहे थे या लौट रहे थे। इस भयावह घटना ने पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल पैदा कर दिया है।
जानकारी के अनुसार, खावड़ा पुलिस चेकपोस्ट से सोलर पार्क की ओर आने वाले रास्ते पर यह हादसा इतना दर्दनाक था कि बोलेरो में सवार 7 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। अनुमान के मुताबिक, बोलेरो में पंद्रह से अधिक कामगार सवार थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं, मृतकों के शवों को खावड़ा लाने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भुज रेफर किया गया। बताया जा रहा है कि खावड़ा सोलर पार्क क्षेत्र में इस प्रकार का यह पहला बड़ा और दर्दनाक हादसा है। देर रात हुई भीषण दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है, ताकि हादसे के कारणों का पता लगाया जा सके।

केरल बीजेपी अध्यक्ष की चेतावनी, विधानसभा सत्र में वैधता का मुद्दा उठाएगी पार्टी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की केरलम इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने शुक्रवार को कहा कि एसआईआर को लेकर कांग्रेस नेताओं द्वारा चुनावों की वैधता पर सवाल उठाए जाने के बीच उनकी पार्टी विधानसभा के आगामी सत्र में सदन की वैधता का मुद्दा उठाएगी। कांग्रेस समेत कई दल मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। चंद्रशेखर ने एक्स पर कहा कि बीजेपी 12 अक्टूबर से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र में यह मुद्दा उठाएगी। चंद्रशेखर ने कहा कि इस विधानसभा की वैधता क्या है? क्या यह विधानसभा वैध है या अवैध?'' केरलम में एसआईआर के बाद इस साल अप्रैल में हुए विधानसभा चुनाव में 140 सदस्यीय सदन में बीजेपी के तीन विधायक जीते थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा में सबसे पहले इस बात पर चर्चा होनी चाहिए कि क्या हम सभी अवैध रूप से चुने हुए हैं। यह मुद्दा मुझसे वी. मुरलीधरन, गोपकुमार और अन्य 137 विधायकों से जुड़ा है। चंद्रशेखर ने सीएम वीडी सतीशन से सदन में इस मुद्दे पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। बीजेपी नेता ने कहा कि अगर यह अवैध है तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

इंफाल में चौकी पर हमला, आरएएफ का एक हेड कांस्टेबल घायल

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की एक चौकी पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा ग्रेनेड फेंके जाने से आरएएफ का एक हेड कांस्टेबल घायल हो गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। यह घटना गुरुवार रात की बताई जा रही है। यूपी के रहने वाले हेड कांस्टेबल धनंजय राय इंफाल पूर्वी जिले में पोरोमपत थाना क्षेत्र के न्यू लांबुलाने स्थित आरएएफ चौकी के प्रवेश द्वार पर हुए विस्फोट में घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां उपचार बाद में उन्हें छुट्टी दे दी गई। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और इलाके में तलाशी अभियान चलाया, लेकिन अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं हुई है। मामले की जांच जारी है। किसी भी उग्रवादी संगठन ने अब तक इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

एंबुलेंस में जोरदार धमाका, 40 फीट दूर जा गिरी छत ; मरीज की मौत, दो घायल

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के मयूरभंज जिले में उदला उपमंडलीय अस्पताल के पास एक एंबुलेंस में आग लगने के बाद जोरदार धमाका हो गया। हादसे में एंबुलेंस से भुवनेश्वर ले जाए जा रहे मरीज की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। धमाका इतना तेज था कि एंबुलेंस की छत उछलकर करीब 40 फीट दूर जा गिरी। घटना के बाद अस्पताल परिसर और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई।
मृतक की पहचान कुंडाबाई इलाके के निवासी सुयश कुमार बारिक के रूप में हुई है। वह ब्लड इन्फेक्शन जैसी गंभीर समस्या से पीड़ित थे। बेहतर इलाज के लिए उन्हें भुवनेश्वर के एक अस्पताल में ले जाया जा रहा था। इसके लिए परिजनों ने एक निजी ऑपरेटर की एंबुलेंस किराये पर ली थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, रास्ते में उदला उपमंडलीय अस्पताल के पास मरीज को ऑक्सीजन देने के लिए एंबुलेंस चालक ने सिलेंडर का वाल्व खोला। इसी दौरान एंबुलेंस में अचानक आग लग गई और कुछ ही क्षणों में जोरदार धमाका हो गया। धमाके के कारण एंबुलेंस की छत उछलकर लगभग 40 फीट दूर जा गिरी। इसके बाद आग ने पूरी एंबुलेंस को अपनी चपेट में ले लिया। एंबुलेंस में आग लगते ही मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई।

कैप्टन स्मित मछार को इजरायल देगा वीरता पुरस्कार

-फ्लाईदुबई फ्लाइट को हाईजैक होने और क्रैश करने से बचाया था

नई दिल्ली , एजेंसी।
30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट को हाईजैक होने से बचाने वाले कैप्टन स्मित मछार को इजरायल सम्मानित करेगा। इजरायली राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग ने गुरुवार को इस घटना से जुड़े नायकों को सम्मानित किया। उन्होंने येरुशलम में छह इजरायली नागरिकों- ताली मानेस, ज्विका मानेस, यानिव हायुन, डॉ. शोता मुसायेव, आसाफ राजुआन और ओर पारदिलोव को राष्ट्रपति नागरिक वीरता पदक प्रदान किया। इन लोगों ने हमलावर को रोकने में अहम भूमिका निभाई थी। हर्जोग ने उसी मौके पर भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मछार को भी यही पुरस्कार देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मछार की साहस, बहादुरी और पेशेवर रवैये ने इस बड़ी आपदा को टाल दिया। मछार के स्वस्थ होने के बाद उन्हें यह सम्मान दिया जाएगा। हर्जोग ने मछार के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की।
कैप्टन स्मित मछार फिलहाल अबू धाबी के एक अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। वे रिकवरी कर रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी उनकी हालत में सुधार की पुष्टि की है। इस घटना के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत कई नेताओं ने मछार को हीरो बताया। भारत और इजरायल के बीच मजबूत संबंधों का यह एक और उदाहरण बन गया है। यह सम्मान सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं बल्कि उन सभी का है जिन्होंने मिलकर विमान को बचाया। मछार की बहादुरी दुनिया भर में चर्चा का विषय बनी हुई है। उनके स्वस्थ होने और सम्मान समारोह का इंतजार सभी कर रहे हैं।

शक के आधार पर किसी को बांग्लादेशी बताकर नहीं निकाल सकती सरकार

बंगाल की शुभेंदु की सरकार पर भड़के जज

कोलकाता, एजेंसी।
कलकत्ता हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में गुरुवार को खुली अदालत में सुनवाई के दौरान कहा कि राज्य सरकार किसी को केवल शक के आधार पर बांग्लादेशी बताकर देश से नहीं निकाल सकती है। जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की कोर्ट ने सरकार के इस आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी है। जस्टिस भट्टाचार्य ने स्पष्ट किया कि अधिकारियों को लोगों को अपनी नागरिकता साबित करने का पर्याप्त मौका देना चाहिए। यह टिप्पणी मुर्शिदाबाद के एक व्यक्ति की हिरासत और उसे देश से बाहर भेजने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए की गई। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट को बताया कि उनके मुवक्किल को कुछ पड़ोसियों के बयानों से पैदा हुए शक के आधार पर 8 अगस्त से हिरासत में रखा गया था। याचिकाकर्ता की पत्नी ने फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस

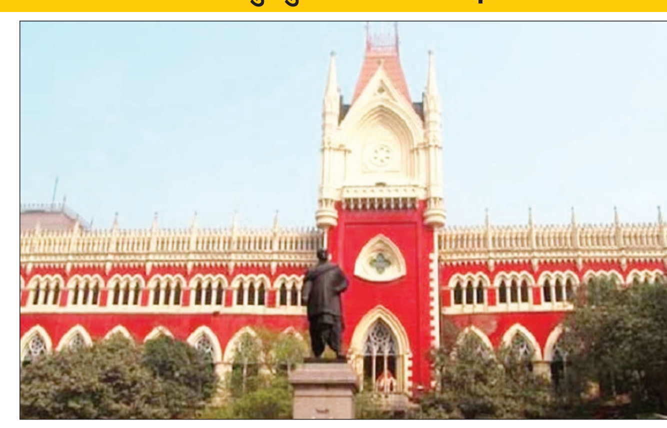

(एफआरआरओ) द्वारा उनके पति को देश से बाहर भेजने और हिरासत में लेने के आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी। इस मामले में पत्नी को हिरासत में नहीं लिया गया है।
याचिकाकर्ता के वकील रबीउल इस्लाम ने सुनवाई के दौरान कहा, मेरे मुवक्किल को दो महीने से ज्यादा समय से हिरासत में रखा गया है। उन्हें कुछ पड़ोसियों के बयानों से पैदा हुए शक के आधार पर हिरासत में लिया गया। इस पर जस्टिस भट्टाचार्य ने सरकार के वकील से सवाल किया कि उस व्यक्ति को दो महीने तक हिरासत में क्यों रखा गया? उन्होंने यह भी पूछा कि अधिकारियों ने उसकी नागरिकता तय करने के लिए स्पष्ट और योग्य प्रक्रिया का पालन क्यों नहीं किया? सुनवाई के दौरान जस्टिस भट्टाचार्य ने इस बात पर जोर दिया कि सिर्फ दावों के आधार पर किसी व्यक्ति की नागरिकता कैसे तय की जा सकती है? उन्होंने कहा कि उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना किसी व्यक्ति को हिरासत में नहीं रखा जा सकता है। जज ने एक और अहम सवाल उठाया, 1970 के दशक से कितने लोगों ने सीमा पार की है? क्या उन सभी को वापस भेजना संभव है? इन टिप्पणियों के साथ, उन्होंने इस मामले को हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पास वापस भेज दिया ताकि इसे सही बेंच को सौंपा जा सके, जो इस संवेदनशील मुद्दे पर आगे सुनवाई कर सके। यह फैसला उन लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण राहत लेकर आया है जिन्हें केवल संदेह के आधार पर अपनी नागरिकता साबित करने और देश से निकाले जाने का सामना करना पड़ रहा है।

केंद्र सरकार की नीतियों से कुछ चुनिंदा उद्योगपति समूहों को फायदा : मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर आर्थिक नीतियों के जरिए एकाधिकार और दो कंपनियों के दबदबे को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों से कुछ चुनिंदा उद्योगपति समूहों को फायदा मिल रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पोस्ट कर भाजपा पर आर्थिक उदारीकरण की भावना को कमजोर करने और अपने हितों के लिए आर्थिक आतंकवाद फैलाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता खड़गे ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले इस क्षेत्र में 13 कंपनियां थीं, जबकि अब तीन बड़ी निजी कंपनियों का दबदबा रह गया है। उन्होंने घरेलू विमानन क्षेत्र का जिक्र कर कहा कि पहले सात बड़ी कंपनियां थीं, लेकिन अब प्रमुख बाजार में दो कंपनियों का प्रभाव है। उनके मुताबिक, डिजिटल भुगतान, सीमेंट और भोजन पहुंचाने वाले मोबाइल मंचों सहित कई क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा कम होने की स्थिति दिखाई देती है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि इन नीतियों से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को नुकसान हुआ है तथा युवाओं के सामने बेरोजगारी की समस्या बढ़ी है।

दिल्ली में डेरा डाले हरीश रावत को वक्त नहीं दे रहा हाईकमान

नई दिल्ली, एजेंसी।
उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता हरीश रावत को दिल्ली में पार्टी हाईकमान से मिलने के लिए पूरा दिन इंतजार करना पड़ा। बुधवार को ही दिल्ली पहुंच चुके रावत को गुरुवार को कोई मुलाकात का वक्त नहीं मिल पाया। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में चुनाव आयोग से जुड़े एक महत्वपूर्ण मसले पर शीर्ष नेताओं की व्यस्तता के कारण उनकी मुलाकात नहीं हो सकी। अब उम्मीद जताई जा रही है कि शुक्रवार को उनकी मुलाकात प्रदेश प्रभारी सैलजा से हो सकती है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब हरीश रावत अपनी 'जनसंवाद और धन्यवाद यात्राओं' को लेकर पार्टी हाईकमान के निशाने पर हैं। रावत ने अपनी इस स्थिति पर सोशल मीडिया के माध्यम से गहरा दुख व्यक्त किया था। उन्होंने लिखा था कि वे पिछले 60 वर्षों से कांग्रेस में हैं, लेकिन कभी उनसे कोई जवाब-तलब नहीं किया गया। उनके इस बयान ने कांग्रेस छोड़ने की अटकलों को

और हवा दे दी थी। हालांकि, इन चर्चाओं पर चुप्पी तोड़ते हुए रावत ने स्पष्ट किया कि वे कांग्रेस नहीं छोड़ सकते और गांधी-नेहरू परिवार से अपना नाता नहीं तोड़ सकते। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि वे कांग्रेस के झंडे में ही लिपटकर जाना चाहते हैं, जो उनकी पार्टी के प्रति गहरी निष्ठा को दर्शाता है।गुरुवार को दिन भर इंतजार कर रहे हरीश रावत ने दिल्ली के बसंत कुंज स्थित अपने आवास पर बागेश्वर के प्रसिद्ध टंगडियां की गींठी का स्वाद लेते हुए और अपनी नई किताब का खाका तैयार करते हुए बिताया। शाम को एक मीडिया बातचीत में रावत ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व उनसे जो भी जानना चाहेगा, वे सभी बातें बताएंगे। उन्होंने अपने जीवन को एक खुली किताब बताया, जिसमें छिपाने जैसा कुछ नहीं है। गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री रावत बुधवार देर रात दिल्ली पहुंचे थे और उन्होंने राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल और प्रदेश प्रभारी सैलजा से मुलाकात का समय मांगा था। कांग्रेस हाईकमान ने रावत द्वारा शुरू की गई 'जनसंवाद और धन्यवाद यात्राओं' को प्रदेश संगठन के समानांतर एक शक्ति प्रदर्शन के तौर पर लिया है। राज्य के स्थानीय नेताओं की शिकायतों के बाद प्रदेश प्रभारी सैलजा ने रावत से स्पष्टीकरण मांगा था, जिससे कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति काफी गरमाई हुई है। सैलजा के बाद, राष्ट्रीय महासचिव वेणुगोपाल भी रावत की इन यात्राओं पर कड़ा रुख जाहिर कर चुके हैं। अब रावत को शीर्ष नेताओं के सामने अपनी यात्राओं पर स्पष्टीकरण देना है। रावत के प्रति हाईकमान के बदले हुए रुख से उनके समर्थक भी खासे बेचैन हैं।

भाजपा पर विरोधी मतदाताओं के वोट काटने का आरोप : केजरीवाल

जंतर-मंतर प्रदर्शन में शामिल होने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी।
आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी करने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा को वोट नहीं देने वाले लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा रही हैं, जबकि फर्जी वोट जोड़े जा रहे हैं। केजरीवाल ने लोकतंत्र के लिए गंभीर मामला बताकर 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की। केजरीवाल ने कहा कि देशभर के लोग कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह किसी एक व्यक्ति या राजनीतिक दल का मुद्दा नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र और नागरिकों के मतदान के अधिकार से जुड़ा मामला है। उन्होंने प्रदर्शन में शामिल होने की घोषणा कर कहा कि वह अपने परिवार के साथ जंतर-मंतर पहुंचेंगे और अन्य नागरिकों से भी इसमें भाग लेने का आग्रह करते हैं। यह प्रदर्शन मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर उठे विवाद के बीच आयोजित हो रहा है। विपक्षी दलों का आरोप है कि इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं और इससे भाजपा विरोधी मतदाताओं को नुकसान हो सकता है। हालांकि, चुनाव आयोग और भाजपा इन आरोपों को खारिज करते रहे हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि मतदाता सूची को दुरुस्त करने की प्रक्रिया का उद्देश्य मृत, स्थानांतरित और दोहरे नामों जैसी गड़बड़ियों को दूर करना है। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन के लिए अनुमति देने से इंकार किया है। पुलिस के मुताबिक, आयोजन की सूचना निर्धारित समय से काफी देर से दी गई थी। इसके अलावा, कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई गई है। नई दिल्ली क्षेत्र में प्रतिबंधात्मक आदेश लागू होने के कारण नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। उधर, कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा है कि अनुमति नहीं मिलने के बावजूद उनका संगठन प्रदर्शन की योजना पर कायम है।

एसआईआर विवाद: सत्ता पक्ष का जोर जनता के भरोसे पर, विपक्ष सड़क पर

नई दिल्ली, एजेंसी।
मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एसआईआर के मुद्दे पर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। विपक्ष सड़कों पर उतरकर सरकार को घेर रहा है, वहीं सत्तारूढ़ खेमा विपक्ष से ज्यादा आम जनता के बीच भरोसे को लेकर चिंतित है। यही वजह है कि भाजपा और उसके सहयोगी दल दिल्ली की गहमागहमी से ज्यादा अपने जमीनी कार्यक्रमों और अभियानों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।
सत्ता पक्ष सोशल मीडिया के संभावित नकारात्मक प्रभाव की काट के लिए सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों को साध रहा है। संसद के मॉनसून सत्र से ही विपक्ष किसी न किसी मुद्दे पर सरकार पर हमलावर है। पहले छात्र आंदोलन और जेन-जी की तीखी प्रतिक्रिया को लेकर सरकार ने बड़े कदम उठाते हुए आंदोलनकारियों की मांगें मानकर उसे समाप्त किया था। सरकार का मानना है कि इससे विपक्ष के मंसूबे पूरे नहीं हो सके थे। अब विपक्ष ने एसआईआर पर सरकार को कटघरे में खड़ा कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा हुआ है। दिल्ली में बीते तीन दिनों से विपक्ष, खासकर कांग्रेस का नेतृत्व सड़कों पर है। भाजपा और विपक्ष के बीच तीखे शब्दबाण चलाए जा रहे हैं। भाजपा ने भी अपने प्रवक्ताओं और प्रमुख नेताओं को मैदान में उतार दिया है, जो विपक्षी आरोपों का जवाब देने के साथ पलटवार भी कर रहे हैं। भाजपा के एक महासचिव ने कहा है कि विपक्ष को प्रदर्शन करने का हक है, पर जिस तरह वह संवैधानिक संस्थाओं पर हमले कर रहा है, वह लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उसे जनता का समर्थन नहीं मिलेगा और राजग की एकजुटता पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा। नेता चिराग पासवान ने भी कहा है कि अगर विपक्ष को अब भी कुछ शंकाएं हैं तो आयोग से सीधी बात करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने मंत्रिपरिषद की बैठक के उपरान्त मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित किया

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि रेल, मेट्रो और क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट व्यवस्था के अन्तर्गत 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत से दिल्ली–गाजियाबाद–मेरठ नमो भारत–आर0आर0टी0एस0 परियोजना देश में उच्च गति सार्वजनिक परिवहन की मिसाल बनी है। लखनऊ, कानपुर, आगरा, मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में मेट्रो रेल नेटवर्क का विस्तार हुआ है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लॉजिस्टिक्स और आत्मनिर्भर भारत के प्रमुख केन्द्र के रूप में भी उत्तर प्रदेश की पहचान स्थापित हुई है। दादरी में ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का प्रमुख जंक्शन विकसित हुआ है, जबकि इन कॉरिडोरों का 1,050 किलोमीटर से अधिक हिस्सा प्रदेश से गुजरता है। वाराणसी में राष्ट्रीय जलमार्ग–1 पर देश का पहला मल्टीमॉडल इनलैण्ड पोर्ट टर्मिनल तथा 100 एकड़ में फैला फ्रेट विलेज विकसित हुआ है। लखनऊ को ब्रह्मोस मिसाइल असेम्बली यूनिट, उत्तर प्रदेश डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर और 1,000 एकड़ में विकसित हो रहा पी0एम0 मित्र टेक्सटाइल पार्क औद्योगिक विकास को नई दिशा दे रहे हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास' का मंत्र धरातल पर साकार हुआ है। गरीब, वंचित, पिछड़े, युवा, महिला और किसान सहित समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए व्यापक प्रयास किए गए हैं। महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक भागीदारी को बल मिला है। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया तथा आर्थिक रूप से कमजोर ई0डब्ल्यू0एस0 को 10 प्रतिशत आरक्षण का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े लोगों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के तीन करोड़ से अधिक किसानों के खातों में अब तक 01 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे हस्तान्तरित की जा चुकी है। प्रदेश में 86 लाख लघु एवं सीमान्त किसानों की कर्जमाफी की गई। 05 करोड़ 50 लाख किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 13 लाख 42 हजार 977 करोड़ रुपये का फसल ऋण वितरित किया गया। 79 लाख 51 हजार किसानों को फसल क्षतिपूर्ति का भुगतान किया गया है। गन्ना किसानों को 03 लाख 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड भुगतान सुनिश्चित किया गया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गरीब कल्याण की प्रतिबद्धता के तहत 65 लाख से अधिक गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत आवास उपलब्ध कराए गए हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से 03 करोड़ 67 लाख राशन कार्डधारक परिवारों के लगभग 15 करोड़ नागरिकों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत 02 करोड़ 46 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल के कनेक्शन दिए गए हैं। इससे बुन्देलखण्ड और विन्ध्य क्षेत्र में भी घर–घर तक पेयजल की पहुंच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। जनधन खातों और बैंक मित्र नेटवर्क के विस्तार से वित्तीय समावेशन को भी मजबूती मिली है। स्वस्थ उत्तर प्रदेश के संकल्प के साथ प्रत्येक नागरिक को स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत 06 करोड़ 08 हजार आयुष्मान कार्ड जारी कर 09 करोड़ 90 लाख नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ मिला है। 01 करोड़ 09 लाख 52 हजार गम्भीर रोगियों को 18,798 करोड़ रुपये का नि:शुल्क उपचार प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री आरोग्य मेलों के माध्यम से 14.67 करोड़ नागरिकों को उपचार मिला है। गोरखपुर और रायबरेली में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का संचालन स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत प्रदेश में 03 करोड़ 37 लाख से अधिक शौचालयों और 59,183 सामुदायिक शौचालयों का निर्माण किया गया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 01 करोड़ 86 लाख मुफ्त एल0पी0जी0 कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। इस योजना के अन्तर्गत राज्य सरकार की ओर से होली और दीपावली पर मुफ्त गैस सिलेंडर देने की व्यवस्था की गई है। नमामि गंगे अभियान के माध्यम से मां गंगा की निर्मलता और अविरलता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक कार्य किए गए हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महिला नेतृत्व वाले विकास के संकल्प के तहत लखपति दीदी योजना के माध्यम से 10 लाख स्वयं सहायता समूहों की एक करोड़ से अधिक महिलाओं को जोड़ने में सफलता मिली है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के माध्यम से 15 लाख से अधिक रेहड़ी–पटरी विक्रेताओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के अन्तर्गत 91 हजार से अधिक गांवों के 01 करोड़ 10 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को घरौनी के रूप में सम्पत्ति प्रमाणपत्र दिए गए हैं। 'लोकल से ग्लोबल' और 'एक जनपद, एक उत्पाद' की अवधारणा ने उत्तर प्रदेश के स्थानीय हुनर, पारम्परिक शिल्प और स्वदेशी सामर्थ्य को वैश्विक पहचान दिलाई है। प्रधानमंत्री जी ने अमेरिकी राष्ट्रपति को काशी की गुलाबी मीनाकारी, जापान के प्रधानमंत्री को निजामाबाद की ब्लैक पॉटरी, फ्रांस के राष्ट्रपति को कन्नौज के इत्र और लखनऊ की जरी–जरदोजी जैसे उत्पाद भेंट कर प्रदेश के हस्तशिल्पियों और कारीगरों का सम्मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कृषि क्षेत्र में उत्तर प्रदेश खाद्यान्न, दुग्ध, गन्ना, आम, आंवला और मिलेट उत्पादन में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। युवाओं को सशक्त बनाने के लिए स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना के अन्तर्गत 62 लाख से अधिक युवाओं को स्मार्टफोन और टैबलेट उपलब्ध कराए गए हैं। प्रदेश में सरकारी सेवाओं में सा? नौ लाख से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है, जबकि निजी क्षेत्र में 65 लाख नियुक्तियां की गयी हैं। रोजगार मेलों, आई0टी0आई0 और कौशल विकास मिशन के माध्यम से 31 लाख 11 हजार से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मेरठ में मेजर ध्यानचन्द खेल विश्वविद्यालय, वाराणसी में आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जैसी परियोजनाओं से प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को नया मंच मिल रहा है। प्रधानमंत्री जी का आस्था, अध्यात्म और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के क्षेत्र में योगदान सदियों तक स्मरणीय रहेगा। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में श्रीरामलला की प्राण–प्रतिष्ठा से लगभग 500 वर्षों की प्रतीक्षा समाप्त हुई है। मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा का आरोहण पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर का भव्य विकास, मन्दिर परिसर का विस्तार और गंगा तट से मन्दिर तक दिव्य पथ का निर्माण प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शी सोच का परिणाम है। लगभग 100 वर्ष पूर्व विदेश ले जाई गई मां अन्नपूर्णा की प्रतिमा को वापस लाकर श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर में पुन: स्थापित किया गया। सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रयागराज महाकुम्भ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का आगमन हुआ, जिसे यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में स्थान मिला। काशी तमिल संगमम, अभिधम्म दिवस, बौद्ध सर्किट का विकास, संत गुरु रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धन में विकास परियोजनाएं, संग्रहालय, प्रतिमा, गोरखपुर में चौरी–चौरा शताब्दी समारोह तथा लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में राष्ट्र प्रेरणा स्थल की स्थापना ने प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को और व्यापक बनाया है। सारनाथ के प्राचीन बौद्ध स्थलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर की सूची में सम्मिलित किया गया है। वाराणसी के संगीत तथा लखनऊ के अवधी व्यंजनों को विश्वस्तर पर ख्याति प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के महान सपूत महामना पं0 मदन मोहन मालवीय और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित किया जाना भी प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। वाराणसी को संगीत के क्षेत्र में यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क में स्थान मिलने और लखनऊ को पाक–कला के क्षेत्र में अन्तरराष्ट्रीय पहचान मिलने से प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच मिला है।

जिउतिया का प्रसाद लेकर पहुंचे बेटे को मिली मां की लाश, कई जगह चोट के निशान

सोनभद्र। चोपन थानांतर्गत सलखन ग्राम पंचायत के बैरिया टोला में रविवार सुबह मलोगरी देवी (50) का शव घर के अंदर लहूलुहान अवस्था में मिलने से सनसनी फैल गई। महिला का शव घर के अंदर अर्धनग्न अवस्था में मिला और शरीर पर कई चोट के निशान पाए गए हैं। घटना की जानकारी तब हुई जब मृतका का बड़ा पुत्र सुनील रविवार की सुबह जिउतिया का प्रसाद लेकर अपने मां को देने पहुंचा था। सूचना पर पहुंची थाने की पुलिस और फोरेंसिक टीम और सीओ सिटी रणधीर मिश्रा ने घटनास्थल पहुंचकर मौके का जायजा लिया। मृतका के बेटे ने कुछ नामजद और अज्ञात के खिलाफ तहरीर देकर पुरानी रंजिश में उसकी माता मलोगरी का हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए मामले की जांच कराते हुए कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि श्यामसुंदर का घर व पाही तीन जगह है। सलखन के बैरिया टोला स्थित घर में उनकी पत्नी मलोगरी देवी अकेले रहती थी, परिवार के अन्य सदस्यों का भी यहां आते–जाते थे। परिवार के अन्य सदस्य बेलछ ग्राम पंचायत स्थित अपने पाही पर रहते थे। मृतका का लड़का सुनील कुमार ने तहरीर देते हुए बताया कि शनिवार को जिउतिया का पूजा था। जिउतिया का प्रसाद लेकर वह रात में सलखन के बैरिया टोला स्थित अपनी मां मलोगरी देवी के यहां पहुंचा था। उस समय घर के बाउंड्री का दरवाजा अंदर से बंद था। अगले दिन रविवार की सुबह करीब 7.30 बजे वह अपनी मां के मोबाइल पर फोन किया, लेकिन फोन नहीं उठा। इसके बाद वह घर के बाउंड्री को फांदकर घर के अंदर पहुंचा तो दोनों दरवाजे खुले मिले। अंदर मां मलोगरी का शव जमीन पर पड़ा था। उसके शरीर और सिर पर चोट के निशान तथा खून लगा हुआ था। बेटे सुनील ने घटना की जानकारी घरवालों के साथ ही पुलिस को दी। तहरीर में बताया कि परिवार का पुरानी रंजिश को लेकर कुछ लोगों से विवाद चल रहा है। मामला न्यायालय में विचाराधीन है। उसने कई नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर देकर पुरानी रंजिश और मुकदमेबाजी के चलते हत्या किए जाने की आशंका जताई है। हालांकि महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका अभी स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। चोपन थाना के प्रभारी निरीक्षक गोपाल जी गुप्ता का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों की स्थिति स्पष्ट होगी। साथ ही तहरीर में लगाए गए आरोपों की जांच कर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मतदाता सूची में गड़बड़ी के विरोध में प्रदर्शन, सीईसी के खिलाफ नारेबाजी

गाजियाबाद। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं के विरोध में समाजवादी पार्टी (सपा) के कार्यकर्ताओं ने रविवार को 'वोट बचाओ, देश बचाओ, लोकतंत्र बचाओ' अभियान के तहत जन आक्रोश मार्च निकाला। जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन और महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव के नेतृत्व में मार्च अंबेडकर पार्क, नवयुग मार्केट से शुरू होकर गांधी पार्क, लोहिया नगर पहुंचा। यहां कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए उनका पुतला जलाया। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर निकाले गए मार्च में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन ने कहा कि मतदान का अधिकार लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक शक्ति है। मतदाता सूची से किसी पात्र नागरिक का नाम गलत तरीके से हटाना उसके लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। उन्होंने मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने कहा कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना है। एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों का पारदर्शी तरीके से समाधान होना चाहिए। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि मताधिकार और संविधान की रक्षा के लिए पार्टी का संघर्ष जारी रहेगा। मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक करने की चेतावनी भी दी। गांधी पार्क पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने राष्ट्रगान गाया। जिला महासचिव नितिन त्यागी ने संविधान के अनुच्छेद 326 का वाचन कर लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का संकल्प दिलाया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका। मार्च में पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा, हाजी जाकिर, केके शर्मा, राष्ट्रीय सचिव भुवन भास्कर जोशी, प्रदेश सचिव अभिषेक गर्ग, राजन कश्यप, कर्मवीर जाटव, तमन्ना डबास और विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के पदाधिकारी शामिल रहे।

वाहन की टक्कर से राजमिस्त्री की मौत, तीन घंटे तक सड़क जाम कर प्रदर्शन

गाजीपुर। गाजीपुर में जंगीपुर थाना क्षेत्र के वाराणसी–गोरखपुर फोरलेन पर रविवार सुबह शेखपुर पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार राजमिस्त्री मिट्ठू राम (42) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शव फोरलेन की एक लेन पर रखकर जाम लगा दिया। करीब तीन घंटे बाद अधिकारियों के आश्वासन पर जाम समाप्त हुआ। बिरनो थाना क्षेत्र के भंवरहा गांव निवासी मिट्ठू राम प्रतिदिन की तरह रविवार सुबह बाइक से गाजीपुर राजमिस्त्री का काम करने जा रहे थे। सुबह करीब 8ः20 बजे वह शेखपुर पेट्रोल पंप के पास पहुंचे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि मिट्ठू राम की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के समय उन्होंने हेलमेट नहीं पहना था। सूचना मिलने पर सदर तहसीलदार राजीव कुमार यादव और सीओ सिटी अनिल कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया। उन्होंने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। करीब तीन घंटे बाद सुबह 11ः30 बजे लोगों ने जाम समाप्त किया, जिसके बाद फोरलेन पर यातायात सामान्य हो सका। जंगीपुर थानाध्यक्ष ओमप्रकाश ने बताया कि मृतक के बड़े बेटे कृष्णानंद राम की तहरीर के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष के अनुसार, हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर अज्ञात वाहन की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। वाहन और चालक की पहचान होने के बाद उसके खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पान मसाला की दुकान में शार्ट सर्किट से लगी आग, लाखों का नुकसान

फर्रुखाबाद। पान मसाला व कोल्ड ड्रिंक की बंद दुकान में रात में शार्ट सर्किट से आग लग गई। भीषण आग से दुकान में लगा फ्रीजर, काउंटर समेत लाखों का सामान जलकर राख हो गया। सुबह धुआं उठता देख घटना की जानकारी हुई। फायर ब्रिगेड की टीम ने पहुंच आग बुझाई। कस्बा के मोहल्ला अशोक नगर निवासी राहुल गुप्ता की मिठाई गली पुलिया पर पान मसाला, कोल्ड ड्रिंक आदि की दुकान है। शुक्रवार देर रात उसकी दुकान में शार्ट सर्किट से आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। तेज लपटें उठने के साथ अंदर रखा सामान जलने लगा। शनिवार सुबह करीब छह बजे प ?ोसी ऋषि वर्मा सोकर उठे तो उन्हें जलने की बू लगी। इस पर उन्होंने घर से निकल कर देखा तो राहुल की दुकान से धुआं निकलता मिला। इस पर उसने घटना की जानकारी फोन द्वारा राहुल को दी। कुछ ही देर में राहुल परिजनों के साथ मौके पर पहुंचा। उसने शटर उठाकर देखा तो अंदर सामान जला प ?ा था और आग जल रही थी। इस पर घटना की सूचना यूपी 112 पर दी गई। दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच आग बुझानी शुरू की। करीब 40 मिनट बाद सुलगती आग पर काबू पाया जा सका। राहुल ने बताया कि उसने बृहस्पतिवार देर रात दुकान बंद की थी। शुक्रवार को गणेश विसर्जन यात्रा के कारण दुकान नहीं खोली। वह लाइट काटना भूल गया था। आग लगने से फ्रीजर, काउंटर, मसाला, सिगरेट आदि सामान जल गया। इससे करीब दस लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

नियमित जांच व उचित प्रक्रिया अपनाए बिना सेवा समाप्ति अवैध, पेंशन समेत सभी सेवा लाभ देने का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गलत सूची के आधार पर सीजनल कलेक्शन अमीन मोहम्मद सुहैल की सेवा समाप्ति के आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि बिना नियमित जांच और उचित प्रक्रिया अपनाए सेवा समाप्त करना अवैध है। अदालत ने याची के परिवार को पेंशन और पारिवारिक पेंशन समेत सभी परिणामी सेवा लाभ तीन माह में देने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की एकलपीठ ने मोहम्मद सुहैल की याचिका स्वीकार करते हुए दिया। प्रयागराज निवासी याची मोहम्मद सुहैल को 1994 में सीजनल कलेक्शन अमीन नियुक्त किया गया था। 1999 में उन्हें स्थायी पद पर नियुक्ति दी गई। हालांकि, प्रशासन ने बाद में पाया कि नियुक्ति में वरिष्ठता सूची के बजाय वसूली की सूची का इस्तेमाल किया गया था। इसके आधार पर 20 नवंबर 1999 को उनकी सेवा समाप्त कर दी गई। याची ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने कहा कि नियुक्ति स्थायी पद के विरुद्ध थी, इसलिए सेवा समाप्ति के लिए 1975 की नियमावली लागू नहीं होती थी। कोर्ट ने बर्खास्तगी आदेश रद्द करते हुए तीन माह में सभी सेवा लाभ देने का निर्देश दिया।

NAME CHANGE

It is for general information that I, Bhagat Singh Rawat S/O Sukhdev Singh Rawat R/O E-1/86, Madangir, Dr. Ambedkar Nagar, South Delhi, Delhi-110062 declare that name of mine has been wrongly written as Bhagat Singh in my minor son Vikash Singh rawat aged 13 years in his School Records. The actual name of mine is Bhagat Singh Rawat which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, RAMAN KUMAR AGGARWAL S/O KANSHIRAM AGGARWAL R/O WZ-A/85 HASTSAL ROAD UTTAM NAGAR DWARKA DELHI-110059 have changed my name to RAMAN KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE

I Priti legally wife of Army No. 15202570L, Rank - HAV, Name - Anil Kumar Dixit, Presently Residing at Post - Lalpura, Teh - Lahar, Dist.- Bhind, State M. P., Pin. 477445, have changed my name from PRITI to PREETI DIXIT for all future purposes, Vide affidavit dated 09/10/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I JAVED ALAM S/O ABDUL SATTAR R/O D-43 GALI NO- 1 NOOR E ILAHI COLONY NORTH GONDA SEELAMPUR NORTH EAST DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD JAVED.

NAME CHANGE

I Umesh Sen S/o Vishnu Shanker Sen R/o Elite 1402 Mapsko Royale Ville, Sector 82, Gurgaon-122004 have changed my minor daughter's name from Kenisha to Kenisha Sen for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Jeet Yadav, S/o Hira Lal, R/o B-366, Rithala Road, Badli Village, Delhi – 110042, have changed my name from Jeet Yadav to Jit Ram and shall hereafter be known as Jit Ram.

NAME CHANGE

I, Prigya Jain, W/O Sumit Mittal, R/O M-906, Suncity Heights, Sector-36 A, Rohtak, Haryana- 124001 have changed my name to Pragya Mittal for all future purposes.

NAME CHANGE

I KISHOREE DEVI legally mother of Army No. 15202570L, Rank - HAV, Name - ANIL KUMAR DIXIT, Presently Residing at Post - Lalpura, Teh - Lahar, Dist.- Bhind, State M. P., Pin. 477445, have changed my name from KISHOREE DEVI to KISHORI DEVI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1963 instead of his correct date of birth as 01/01/1963 vide Affidavit dated 09/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I BIKRAMJEET SINGH GULATI S/o Upjeet Singh Gulati R/o House No. 107, Dhudial Appartments, Pitam Pura, North West Delhi, Delhi- 110034, have changed my name to BIKRAMJEET SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE

I, ATEEQ AHMAD S/O MOHD UMAR R/O E-18, NIZAMUDDIN WEST, DELHI-110013 have changed my minor son name from MOHAMMAD UMAR AHMAD to MOHAMMAD UMAR for all future purposes.

NAME CHANGE

I, BAREERA D/O NADEEM HUSAIN resident of H NO-3536, KATRA BABAR BE, LAL KUAN, DELHI-110006 have changed my name to BAREERA NADEEM HUSAIN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SUMIYA D/O SUBHAN R/o 79, GALI NEEM WALI, CHHATTA LAL MIAN, DARYA GANJ, DELHI-110002 have changed my name and shall hereafter be known as SUMAIYA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

PUBLIC NOTICE

I, RAKSH PAL SINGH AADHAR CARD NO. 7970 0520 6394 AGE 80 YRS. R/O B-208, TIGRI EXTN, SOUTH NEW DELHI-110062 declare That my son SATISH KUMAR AND HIS WIFE MRS. SEEMA AND DINESH KUMAR AND HIS WIFE LALITA EXTN, SOUTH NEW DELHI-110062 and I am owner of the said residing at B-208, TIGRI property and I have property documents. That I have served all the Relations with their own son SATISH KUMAR AND HIS WIFE MRS. SEEMA AND DINESH KUMAR AND HIS WIFE LALITA Disowned own from all their movable and immovable properties. That any body who deals with her/his in any manner whatsoever shall doing at their own risk and I shall not be responsibility for his/her acts of omission and commission.

PUBLIC NOTICE

Be it known to general public that my clients Sh. Santokh Singh S/o Sh. Gurnam Singh & Smt. Rajindar Kaur W/o Sh. Santokh Singh both residents of House No. C 1/8, Ward Number 15, Umesh Park, Modinagar, Modi Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201204, have disowned and disinherited their sons namely Daljit Singh (दलजीत सिंह), Amarjit Singh (अमरजीत सिंह) and Raghuvir Singh (रघुवीर सिंह), their wives and their children from all their movable and immovable properties and severe their relations from them because they have become disobedient and they are not under the control of my clients and other family members as well as relatives will not be responsible for any type of financial irregularities, criminal act, liabilities & any acts, deeds done by them in future.

JULI ADVOCATE
Off:- Library-1, SCBA,
Supreme Court of India,
New Delhi-110001
Mob: 9654719763

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, No-16118826N Rank-HAV Name-ANKIT KUMAR residing at VILL-HANNIHA, PO-KULGAON, DIST-KANPUR NAGAR, UTTAR PRADESH-208001, have changed my father's name from RAMPAL VARMA to RAM PAL for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 19/12/1955 instead of his correct date of birth as 01/01/1955 vide Affidavit dated 09/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, M SARITA wife of No. 10359688L, Rank-NK, Name-R KUMAR presently residing at 2/311,I, VPO-PUDUPETTAI, NEAR SANDHAI, DIST-TIRUPATTUR, TAMIL NADU-635651, have changed my name from M SARITA to SARITHA KUMAR for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/06/1980 instead of my correct date of birth as 26/04/1981 Vide Affidavit dated 09/10/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल कृष्ण कुमार पुत्र श्री मुंशीराम निवासी N–71/–500, ओल्ड चंद्रावल, सिविल लाइंस, दिल्ली–110054, इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरी पुत्री रिया (Riya) मेरे कहने–सुनने से बाहर है और उसका चरण/व्यवहार मेरे तथा मेरे परिवार के अनुकूल नहीं है। इस कारण मैं अपनी पुत्री रिया को अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्ति से तत्काल प्रभाव से बेदखल करता हूँ। ज के बाद से मेरा या मेरे परिवार का उनसे (रिया से) किसी भी प्रकार का कोई संबंध/लेन–देन नहीं रहेगा। यदि कोई भी व्यक्ति, बैंक, या संस्थान उनके साथ किसी भी प्रकार का वित्तीय, संपत्ति संबंधी या अन्य लेन–देन करता है, तो उसके लिए वह स्वम जिम्मेदार होंगे। मेरे मुवक्किल किसी भी रूप में जिम्मेदारी नहीं होगी

Gourav Koundal (Advocate)
Lawyer Chambers No. K-93,
Tis Hazari Courts, Delhi

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Ashok Kumar S/o Mr. Bhore Lal is the owner of Freehold Residential Left Side Portion of Third Floor, without roof rights, Built-on Portion of Property No. 201, area measuring 50 Sq. Yds., situated at Gali No. 9, Than Singh Nagar, Anand Parbat, in the area of Village Sadhora Khurd, Delhi. by virtue of Notarized GPA, Notarized ATS & Regd. Will (Vide Doc. No. 3186) dated 02.05.2023., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Ravishankar Panday and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi.

If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, Ahmed Faraz S/O Asif Usmani R/O House No-2177 Street Ramji Dass Pahari Bhojla Turkman Gate Delhi-110006 Have Changed My Name To Ahmed Faraz Usmani Permanentlty

NAME CHANGE

I, GEETA SHARMA D/O OF JAGDISH CHANDRA R/O D-531 SECOND FLOOR BLOCK D WEST VINOD NAGAR, ANAND VIHAR EAST DELHI - 110092 HEREBY DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO GEETA KABDAL FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, AQIB ANSARI S/O MOHD ANWAR, R/O - H.NO. C-1, GALI NO. - 09, NEW GOVINDPURA, KRISHNA NAGAR, P.O KRISHNA NAGAR, EAST DELHI, DELHI - 110051, HEREBY DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD. AQIB FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, ANITA KAUSHAL W/O R D KAUSHAL R/O B-149/TF B-BLOCK JHILMIL COLONY EAST DELHI 110095, CHANGED MY NAME TO PREETI KAUSHAL.

PUBLIC NOTICE

I, on behalf of my clients Sh. Om Parkash S/o Sh. Mool Chand, R/o G-319/8, Sangam Vihar, New Delhi-110080, hereby inform the general public that my clients have disowned and debarred their son Kishan and daughter-in-law Dolly Singh from all their movable and immovable properties, assets, rights, interests and claims, due to their misconduct, misbehaviour and disobedience towards my clients. My clients have severed all relations with them and shall not be liable or responsible for any act, deed, omission, debt, liability or transaction, whatsoever, undertaken by the said son and daughter-in-law.

MUKESH KUMAR Advocate
CH. No.484, Saket Court,
New Delhi-110017.

PUBLIC NOTICE

Mr. Narendra Kumar (Previous owner) and Mr. Deepak Bansal and Mrs. Urmila Bansal current Owner of the Residential flat/dwelling unit bearing No. 302, 3rd Floor, Tower- A-1, "THE EXPRESS PARK VIEW APARTMENT West ", situated at Plot No. GH-10B , Sector-CHI-V, Greater Noida, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P Mr. Narendra Kumar (Previous owner) have lost Original last page of GPA executed by Mr. Gurpal Singh in favour of Mrs. Sarabjit Kaur in sub registrar Barara duly regd. vide book no 4 , vol no 4/44 , page no 39-40 doc no 20 dated 22.09.2015 of said property , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor,
Patparganj Village,
Mayur Vihar, Phase-I,
Delhi-1, M-NO- 7252922875

NAME CHANGE

I SUNIL TYAGI S/O NARESH KUMAR TYAGI R/O B-69, UPPER GROUND FLOOR KIRAN GARDEN UTTAM NAGAR DELHI-110059 have changed my name to SUNIL KUMAR TYAGI Permanently for all future Purposes

NAME CHANGE

I RAJESH KUMAR KAPAHI S/0 PARSHOTAM DASS KAPAHI R/0 F-55 3RD FLOOR NARAINA VIHAR NEW DELHI 110028 CHANGED MY NAME TO RAJESH KAPAHI

NAME CHANGE

I, NITESH RUHILLA S/O MUKESH KUMAR R/O H NO-777-E, GALI NO-3, LOHIYA MARG, BABARPUR SHAHDARA, DELHI-110032 have changed my name to NITESH RUHELLA for all future purposes.

NAME CHANGE

I,RAMESH KAUSHIK S/o Murari Lal R/o C-17, Shyam Vihar Phase-1, Dindarpur, Delhi-110043 have changed my name to RAMESH CHAND permanently.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Indresh W/O Nareshpal, R/O Rasoolpur Bahlolpur, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 245201, have changed my name and shall hereafter be known as INDRESH DEVI.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुव्वकिलान समीउल्ला अंसारी पुत्र फकीर मोहम्मद अंसारी व मासूमा खातून पत्नी समीउल्ला अंसारी निवासी डी–547, चौथी मंजिल, नियर नर्गिस मस्जिद, खडडा कालोनी, जैतपुर एक्सटेंशन–2, नई दिल्ली–110044 ने अपने पुत्र आबूजैद अंसारी व उसकी पत्नी अंजुम आरा (पुत्रवधु) से उनके दुर्व्यवहार, गलत आचरण एवं नियंत्रण से बाहर होने के कारण अपने सभी पारिवारिक संबंध विच्छेद करके उनको अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। उनके किसी भी कृत्य, लेन देन या करार के लिए मेरे मुव्वकिलान जिम्मेदार नही होगे।

रमजान. ए. अंसारी एडवोकेट
Chamber No 94
Patiala House Courts
New Delhi 110001

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री मनोज कुमार व उनकी पत्नी श्रीमती गीता पता प्लाट नंबर 84, हरिजन बस्ती, पालम गांव, दक्षिणी पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली–110045, ने अपने बेटे सागर और उसकी पत्नी शिखा के बुरे व्यवहार के कारण उनसे अपने सभी संबंध तोड़ लिए हैं। मेरे उपरोक्त मुवक्किल ने अपने बेटे और उसकी पत्नी को अपनी सभी चल–अचल संपत्तियों से भी वंचित कर दिया है। उनके साथ लेन–देन करने वाला कोई भी व्यक्ति अपने जोखिम और ज़िम्मेदारी पर ऐसा करेगा और मेरे उपरोक्त मुवक्किल अपने बेटे और उसकी पत्नी द्वारा किए गए किसी भी कार्य, कर्म या लेन–देन के लिए ज़िम्मेदार नहीं होंगे।

केशव भारद्वाज अधिवक्ता
Chamber No. 342 (E)
Lawyers Block,
Saket District Court,
New Delhi 110017

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री साधु राम व उनकी पत्नी श्रीमती कमला देवी पता ऋ–723–ष्ठ, पुरन नगर गली नंबर 1, पालम गांव, दक्षिणी पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली–110045, ने अपने पौत्र सागर और उसकी पत्नी शिखा के बुरे व्यवहार के कारण उनसे अपने सभी संबंध तोड़ लिए हैं। मेरे उपरोक्त मुवक्किल ने अपने पौत्र और उसकी पत्नी को अपनी सभी चल–अचल संपत्तियों से भी वंचित कर दिया है। उनके साथ लेन–देन करने वाला कोई भी व्यक्ति अपने जोखिम और ज़िम्मेदारी पर ऐसा करेगा और मेरे उपरोक्त मुवक्किल अपने पौत्र और उसकी पत्नी द्वारा किए गए किसी भी कार्य, कर्म या लेन–देन के लिए ज़िम्मेदार नहीं होंगे।

केशव भारद्वाज अधिवक्ता
Chamber No. 342 (E)
Lawyers Block,
Saket District Court,
New Delhi 110017

NAME CHANGE

It is for general information that I, DHARAM SINGH S/O TILAK RAM, aged 76 years R/O HOUSE NO. 152, BAMNOLI VILLAGE, SOUTH WEST DELHI, DELHI -110077, declare that name of mine and my father has been wrongly written as OM PRAKASH and TILAK RAJ in my Land Revenue Record.The actual name of mine and my father is DHARAM SINGH and TILAK RAM respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I,DHEERAJ SOLANKI S/O VINOD SOLANKI R/O WZ-57 C,PALAM VILLAGE,SOUTH WEST DELHI,DELHI-110045,HAVE CHANGED MY MINOR DAUGHTER NAME FROM TANYA TO TANYA SOLANKI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, SILAMBARASAN S/O PALANI SWAMAY R/O 852, Sunlight Colony-2, Hari Nagar Ashram, New Delhi-110014, declare that my minor son full name is S SURIYA and not SURIYA only, henceforth my son shall be known as S SURIYA for all purposes.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री लखन पाल (प्रस्तावित ऋणकर्ता), श्रीमती सुष्मिता डे से निर्मित संपत्ति संख्या B–1/25, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, खसरा संख्या 13/7 में से, ग्राम मटियाला, दिल्ली स्टेट, दिल्ली, कॉलोनी सेवक पार्क, ब्लॉकङ्कक्र-1 एक्सटेंशन, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली स्थित संपत्ति (जिसे आगे उक्त संपत्ति कहा गया है) को क्रय करने का आशय रखते हैं, उक्त संपत्ति की स्वामिनी श्रीमती सुष्मिता डे हैं, जिन्होंने उक्त संपत्ति में अपना अधिकार श्री रामेश्वर दयाल द्वारा निष्पादित पंजीकृत सामान्य मुख्तारनामा, विक्रय अनुबंध एवं वसीयतनामा, दिनांक 13.12.2005 के माध्यम से प्राप्त किया था, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भारों, ग्रहणाधिकार, प्रभारों, बंधकों तथा अन्य तृतीय पक्ष के दावों एवं हितों से पूर्णत: मुक्त है। वर्तमान में उक्त संपत्ति का भौतिक कब्जा श्रीमती सुष्मिता डे के पास है, उक्त संपत्ति के प्रस्तावित क्रय हेतु वित्तीय सहायता Aditya Birla Housing Finance Limited, Branch: N–17, 2nd Floor, Vijya Building, Barakhamba Road, Connaught Place, New Delhi द्वारा प्रदान की जानी है। अत: यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक अथवा अन्य किसी पक्ष का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, आपत्ति, बंधक, ग्रहणाधिकार या अन्य कोई दावा हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर अपने दावे के समर्थन में समुचित दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा अथवा आपत्ति नहीं है और उसके पश्चात प्राप्त होने वाले किसी भी दावे अथवा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल–
kumarw®wvashwani@gmail.com

कौमी पत्रिका

संपादक–गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए–4/ए–144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011–41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अनुसूचित जाति परिवारों को स्वरोजगार ऋण के लिए 31 दिसंबर तक आवेदन आमंत्रित

एजेंसी

झज्जर। अनुसूचित जाति के परिवारों को स्वरोजगार एवं आय बढ़ाने के अवसर उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं के तहत पात्र लाभार्थी बैंक टाई-अप, एनएसकेएफडीसी तथा एनएसएफडी के माध्यम से ऋण के लिए 31 दिसंबर 2026 तक निगम की वेबसाइट https://hscfdc.org.in/ पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह जानकारी देते हुए अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के जिला प्रबंधक कुलदीप सैनी ने बताया कि निगम द्वारा एक लाख से दो लाख रुपये तक के ऋण के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इनमें 50 हजार रुपये की अनुदान राशि बतौर सहायता प्रदान की जाएगी। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष के बीच, परिवार की वार्षिक आय 3 लाख रुपये तक तथा प्रार्थी अनुसूचित जाति से संबंधित होना चाहिए। पात्र आवेदक आवेदन के साथ आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, हरियाणा निवासी प्रमाण पत्र, परिवार पहचान पत्र, पैन कार्ड, बैंक पासबुक की कॉपी तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो सहित आवश्यक दस्तावेज जमा करवा सकते हैं।

समाधान शिविर में उपायुक्त महेंद्र पाल ने सुनी जनसमस्याएं

नई दिल्ली। लघु सचिवालय स्थित जिला सभागार में आयोजित समाधान शिविर में उपायुक्त महेंद्र पाल ने आमजन की समस्याएं सुनीं। विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी शिकायतें एवं समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए उनका प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उपायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों को लंबित न रखा जाए और प्रत्येक मामले में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए नागरिकों को राहत प्रदान की जाए। शिविर में कुल 12 शिकायतें प्राप्त हुईं। समाधान शिविर में जवाहर नगर निवासी एक प्रार्थी द्वारा गली में क्षतिग्रस्त सीवरेज पाईप की मरम्मत करवाने की मांग रखी गई, जिस पर उपायुक्त महेंद्र पाल ने पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों को सीवरेज पाईप समस्या को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। गांव ठसका निवासी एक प्रार्थी द्वारा नौकरी से निकालने, बकाया वेतन का भुगतान न करने व रिलीविंग लेटर न देने संबंधी शिकायत पर उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को उक्त मामले पर जल्द से जल्द उचित कार्यवाही अमल में लाने के निर्देश दिए।

धान खरीद सीजन को लेकर गुरुग्राम में जिलाधीश ने जारी किए दिशा-निर्देश

गुरुग्राम। खरीफ विपणन सीजन 2026-27 के दौरान धान की खरीद प्रक्रिया को सुचारू, व्यवस्थित एवं किसानों के लिए सुविधाजनक बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधीश उत्तम सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किए हैं। यह आदेश 1 अक्टूबर 2026 से 29 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। आदेश के अनुसार गुरुग्राम जिले में शाम 6 बजे से सुबह 9 बजे तक कंबाइन हार्वेस्टर से धान की कटाई पर रोक रहेगी। धान की कटाई सामान्यतः सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे के बीच ही की जाएगी। प्रशासन ने यह निर्णय विशेष रूप से शाम, रात और सुबह के समय ओस व अधिक नमी की स्थिति में कटाई से धान में नमी की मात्रा बढ़ने की संभावना को देखते हुए लिया है। अधिक नमी वाला धान खरीद, सुखाने, भंडारण एवं हैंडलिंग में कठिनाई पैदा कर सकता है। आदेश में कहा गया है कि खरीद केंद्र पर लाया जाने वाला धान निर्धारित नमी मानकों के अनुरूप होना चाहिए।

श्री शीतला माता मंदिर में 11 अक्टूबर से लगेगा शारदीय नवरात्र मेला, 20 अक्टूबर तक होंगे विशेष आयोजन

गुरुग्राम। गुरुग्राम स्थित प्राचीन एवं प्रसिद्ध श्री शीतला माता मंदिर में शारदीय नवरात्र के अवसर पर 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक मेला आयोजित किया जाएगा। मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए मंदिर श्राइन बोर्ड और संबंधित विभागों द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी कड़ी में श्री शीतला माता मंदिर श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुमित कुमार की अध्यक्षता में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। सुमित कुमार ने कहा कि शारदीय नवरात्र के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी की जाएं। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा मेले के दौरान व्यवस्थाओं पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए।

दो साल में बदली रेवाड़ी की स्वास्थ्य तस्वीर : आरती सिंह राव

सुविधाओं और संसाधनों से मजबूत हुआ सरकारी स्वास्थ्य तंत्रः- स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव

20 स्वास्थ्य संस्थानों के भवन निर्माण/सुधार पर 27.35 करोड़ रुपये से अधिक की राशि

एजेंसी

रेवाड़ी। पिछले दो वर्षों में रेवाड़ी जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था में धीरे-धीरे एक बदलाव दिखाई देने लगा है। यह बदलाव केवल इमारतों और मशीनों का नहीं, बल्कि लोगों के भरोसे का बदलाव है। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उद्देश्य साफ है–इलाज के लिए आम आदमी को दूर न जाना पड़े और सरकारी स्वास्थ्य संस्थान उसके भरोसे का केंद्र बनें।स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-गांव तक बेहतर बनाने के लिए जिले के 20 स्वास्थ्य संस्थानों में नए भवनों के निर्माण एवं अन्य कार्यों के लिए कुल ?2735.22 लाख यानी करीब ?27.35 करोड़ की राशि से काम चल रहा है। इनमें जिला नागरिक अस्पताल रेवाड़ी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मीरपुर में विशेष मरम्मत के कार्य पूरे हो चुके हैं। वहीं कई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उप-स्वास्थ्य केंद्रों के नए भवन निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

रेवाड़ी जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था में सबसे महत्वपूर्ण कदमों में पीएचसी धारूहेड़ा को सीएचसी में अपग्रेड करना शामिल है। धारूहेड़ा क्षेत्र में लगातार बढ़ती आबादी और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती जरूरत को देखते हुए यह कदम स्थानीय लोगों के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है। इससे आसपास के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं अपने

क्षेत्र के नजदीक उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। जिले के स्वास्थ्य संस्थानों में आधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने की दिशा में भी महत्वपूर्ण काम हुआ है। स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक बनाने के लिए लैप्रोस्कोपिक सर्जरी सेट, नियोनेटल वेंटिलेटर, दो बबल सी-पैप मशीन, कलर डॉप्लर अल्ट्रासाउंड मशीन, लिक्विड बेस्ड साइटोलॉजी मशीन, 500 एमए एक्स-रे मशीन और हेल्थ एटीएम जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

इन उपकरणों का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि गंभीर मरीजों, नवजात शिशुओं, गर्भवती महिलाओं और विभिन्न बीमारियों की जांच कराने वाले मरीजों को अब बेहतर चिकित्सा सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने की दिशा में जिले की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था आगे बढ़ रही है।जिले की प्रगति रिपोर्ट के अनुसार रेवाड़ी डीसीएच में विशेष मरम्मत का कार्य पूरा हो चुका है। मीरपुर सीएचसी में भी विशेष मरम्मत का काम पूरा किया जा चुका है। वहीं आकेड़ा पीएचसी, मसानी पीएचसी, सँगवाड़ी पीएचसी, बीकानेर एसएचसी, बुढपुर एसएचसी, छिल्लर एसएचसी, खड़गवास एसएचसी, खलीलपुर एसएचसी, खटावली एसएचसी, फिदेड़ी एसएचसी, अलावलपुर एसएचसी, गोकलगढ़ एसएचसी, जैतपुर एसएचसी, जाट सयरवास एसएचसी, सहबाजपुर खालसा एसएचसी, काकोड़िया एसएचसी, कापड़ीवास एसएचसी और तुर्कियावास एसएचसी सहित अनेक स्वास्थ्य संस्थानों में नए भवनों के निर्माण की प्रक्रिया अलग-अलग चरणों में चल रही है।कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य शुरू हो चुका है, जबकि कई संस्थानों में टेंडर, वर्क ऑर्डर अथवा पुराने भवनों को गिराने की प्रक्रिया चल रही है।

गुरुग्राम में 22 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास

नागरिक अस्पताल का निर्माण जल्द होगा शुरूः आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान तथा आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि कि हम राजनीति अपने लिए नहीं, बल्कि जनता के हितों और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए करते हैं। हमारा उद्देश्य जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनना, उनकी जरूरतों को समझना और उनका समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते हमारी जिम्मेदारी है कि हम जनता और सरकार के बीच एक मजबूत सेतु बनें, ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे और लोगों को अपने छोटे-बड़े कार्यों के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। स्वास्थ्य मंत्री शुक्रवार को गुरुग्राम के वार्ड 15 में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास करने उपरांत उपस्थित जन को संबोधित कर रही थी।

कार्यक्रम में पटौदी की विधायक बिमला चौधरी और सोहना के विधायक तेजपाल तंवर भी मौजूद रहे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि गुरुग्राम तेजी से विकसित हो रहा शहर है और भविष्य में इसकी आबादी तथा स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरतें और बढ़ेंगी। ऐसे में हमारी प्राथमिकता है कि शहर के विस्तार और लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं को लगातार मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम नागरिक अस्पताल का ड्राइंग कार्य पूरा हो चुका है। जल्द ही सभी आवश्यक प्रक्रियाओं के तहत धरातल पर कार्य का शुभारम्भ किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि लोगों की मांग के अनुरूप स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक सुविधाओं का विस्तार, चिकित्सा सेवाओं का सुदृढ़ीकरण तथा आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को समय पर सुलभ और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जनता के लिए हमारे दरवाजे हमेशा खुले हैं और जनता का विश्वास, सहयोग तथा उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही हमारी प्राथमिकता है। आरती सिंह राव ने इस अवसर पर नगर निगम गुरुग्राम के वार्ड 15 में 22 करोड़ रुपये की लागत के तीन विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया। इनमें सेक्टर-66 में सड़कों के निर्माण, फुटपाथ एवं साइकिल ट्रैक विकसित करने तथा सीवरेज पाइप लाइन बिछाने, मैदावास गाँव में सम्राट मिहिर भोज चौक से गांव कादरपुर रोड (डीएलएफ 30एम रोड) तक सड़क का आरएमसी एम-40 द्वारा पुनर्वास, सीवरेज लाइन, बरसाती नाला एवं फुटपाथ के निर्माण कार्य तथा साउथ सिटी-2 में मौजूदा सड़कों का बीएम एवं बीसी तकनीक से पुनर्वास कार्य शामिल है।

संविधान पखवाड़े की तैयारियों का विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने लिया जायजा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा की ओर से नवंबर माह में मनाए जाने वाले संविधान पखवाड़े की तैयारियों को लेकर विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने पंचकूला पहुंच इंद्रधनुष ऑडिटोरियम का निरीक्षण किया। इस अवसर पर विधान सभा सचिव डॉ. वीरेंद्र सिंह दहिया, पंचकूला जिला उपायुक्त सतपाल शर्मा, एचएसवीपी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। विस अध्यक्ष ने कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्थाओं, बैठक व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक प्रबंधों की जानकारी ली और अधिकारियों को आयोजन को गरिमापूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

हरियाणा लोक सेवा आयोग 2025 का रिजल्ट घोषित

● सोनीपत के अभिषेक सरोहा ने किया टॉप

एजेंसी

चंडीगढ़/सोनीपत। हरियाणा लोक सेवा आयोग ने बहुप्रतीक्षित हरियाणा सिविल सर्विसेज एग्जीक्यूटिव ब्रांच और अलाइड सर्विसेज परीक्षा-2025 का अंतिम परिणाम जारी कर दिया है। इस परीक्षा में सोनीपत के अभिषेक सरोहा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 675 में से 394.5 अंक प्राप्त कर पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान (टॉपर) हासिल किया है। शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी प्रथम स्थान

(टॉपर): अभिषेक सरोहा (सोनीपत) - 394.5 अंक

द्वितीय स्थान: कुलदीप - 392.90 अंक

तृतीय स्थान: ईशा काला - 388.60 अंक

आयोग द्वारा जारी मेरिट सूची के अनुसार, इस बार टॉप-10 में 6 बेटियों ने अपनी जगह बनाई है। विभिन्न श्रेणियों में अव्वल रहने वाले अभ्यर्थियों में सिमरन (EWS कैटेगरी टॉपर, अंबाला), राहुल सैनी (BC कैटेगरी टॉपर, कुरुक्षेत्र), और जैनब खातून (Backward Class-A टॉपर) शामिल हैं।

चयनित युवाओं की प्रेरणादायक संघर्ष गाथाएं:

अभिषेक सरोहा (जनरल कैटेगरी टॉपर): गोहाना के रहने वाले अभिषेक के पिता स्कूल संचालक और माता टीचर हैं। उन्होंने साल 2020 से यूपीएससी की तैयारी शुरू की थी। वे 5 बार मेन्स और दो बार इंटरव्यू तक पहुंचे, लेकिन फाइनल लिस्ट में चयन नहीं हो पाया था। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और आखिरकार HCS में पहली रैंक हासिल कर अपना सपना पूरा किया।

सिमरन (EWS टॉपर, अंबाला): अंबाला की रहने वाली सिमरन के पिता किसान और माता गृहिणी हैं। नीलोखेड़ी इंजीनियरिंग संस्थान से कंप्यूटर साइंस में बीटेक करने वाली सिमरन साल 2021 से यूपीएससी की तैयारी कर रही थीं। पिछले साल यूपीएससी के इंटरव्यू तक पहुँचने वाली सिमरन ने पहले ही प्रयास में एचसीएस परीक्षा में 17वीं रैंक हासिल की है।

राहुल सैनी (BC कैटेगरी टॉपर, कुरुक्षेत्र): कुरुक्षेत्र के छपरा गाँव के रहने वाले राहुल सैनी ने HCS परीक्षा में 7वीं रैंक प्राप्त की है। राहुल ने वर्ष 2021 में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) में नौकरी ज्वाइन की थी और नौकरी के साथ-साथ रोजाना 5 घंटे पढ़ाई कर यह सफलता हासिल की। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत कुल 102 पदों के लिए लगभग 93 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था।

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम ने लीगल एड क्लीनिक पनिहारी व डिंग का किया औचक निरीक्षण

● मुफ्त कानूनी सहायता की सुविधाओं के बारे में लोगों को किया जागरूक

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला की ज्वाइंट मेंबर सेक्रेटरी मानविका यादव के नेतृत्व में टीम ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिरसा तथा लीगल एड क्लीनिक पनिहारी और डिंग का औचक निरीक्षण किया। टीम में लॉ ऑफिसर अविनाश गुप्ता, श्रुति, विकास और मनोज शामिल रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बागोतिया ने बताया कि निरीक्षण के दौरान लीगल एड क्लीनिक की कार्यप्रणाली की जांच की गई। टीम ने क्लीनिक में उपलब्ध व्यवस्थाओं और कानूनी सहायता से संबंधित कार्यों का जायजा लिया तथा वहां मौजूद लोगों से भी बातचीत की। पात्र लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता की जानकारी दी इस दौरान लॉ ऑफिसर अविनाश गुप्ता ने उपस्थित लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाओं एवं बच्चों, वृद्धजनों तथा ऐसे व्यक्ति जिनकी वार्षिक आय तीन लाख रुपये से कम है, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण

की ओर से नियमानुसार मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। उन्होंने लोगों को नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में भी जानकारी दी और बताया कि जरूरतमंद व्यक्ति कानूनी सहायता प्राप्त करने के लिए इस हेल्पलाइन का लाभ उठा सकते हैं।

धान खरीद प्रक्रिया के दौरान किसानों को नहीं होनी चाहिए किसी प्रकार की परेशानी: डीसी डॉ वैशाली शर्मा

वर्चुअल बैठक में संबंधित एसडीएम से मंडियों की व्यवस्थाओं की ली जानकारी, सभी खरीद केंद्रों पर नियुक्त किए गए नोडल अधिकारी

एजेंसी

जींद। डीसी डॉ. वैशाली शर्मा ने जिला की विभिन्न मंडियों एवं खरीद केंद्रों पर चल रही धान खरीद प्रक्रिया की समीक्षा को लेकर संबंधित एसडीएम के साथ वर्चुअल बैठक की। बैठक में उन्होंने मंडियों में धान की आवक, खरीद प्रक्रिया, किसानों एवं आढ़तियों को उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं तथा फसल उठान से संबंधित व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि धान खरीद प्रक्रिया के दौरान किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए तथा मंडियों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से निश्चित रखी जाएं। इस अवसर पर जींद के एसडीएम सत्यवान सिंह मान,

डीएफएससी राजेश आर्य व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। डीसी ने कहा कि धान खरीद सीजन के दौरान मंडियों में किसानों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी खरीद केंद्रों पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो अपने-अपने केंद्रों पर खरीद प्रक्रिया की नियमित निगरानी करेंगे और प्रतिदिन रिपोर्ट सम्बंधित एसडीएम के मार्फत भेजेंगे। उन्होंने नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे मंडियों में आढ़तियों एवं किसानों के साथ निरंतर संपर्क में रहें और किसी भी प्रकार की समस्या सामने आने पर उसका तत्काल समाधान करवाएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक खरीद केंद्र पर बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता, लोडिंग-अनलोडिंग की व्यवस्था, वाहनों की उपलब्धता तथा फसल उठान सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाओं की नियमित रूप से निगरानी की जाए। मंडी में धान लेकर पहुंचने वाले किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए संबंधित अधिकारी मौके पर रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहें। डीसी ने संबंधित एसडीएम को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र की मंडियों एवं खरीद केंद्रों का नियमित निरीक्षण करें तथा नोडल अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि मंडियों में किसानों के लिए पेयजल, साफ-सफाई, बिजली, शौचालय तथा बैठने जैसी मूलभूत सुविधाएं भी सुचारू रूप से उपलब्ध रहनी चाहिए। डीसी ने अधिकारियों से कहा कि धान की खरीद, भुगतान तथा उठान की प्रक्रिया में आपसी समन्वय बनाए रखते हुए कार्य किया जाए।

फसल खरीद में किसानों को किसी स्तर पर परेशानी न हो, इसके लिए प्रत्येक मंडी में वरिष्ठ अधिकारी नियुक्त किए गए : उपायुक्त महेंद्र पाल

अभी तक धान की कुल खरीद 9365 मीट्रिक टन तथा बाजरा की कुल खरीद 3544 मीट्रिक टन हुई

एजेंसी

हिसार। उपायुक्त महेंद्र पाल ने कहा है कि फसल खरीद में किसानों को किसी स्तर पर परेशानी न हो, इसके लिए प्रत्येक मंडी में खरीद व्यवस्था की निगरानी के लिए एचसीएस व अन्य वरिष्ठ अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। मंडियों में धान और बाजरे की खरीद, उठान और भुगतान की पूरी व्यवस्था सुचारू रखने की हिदायत दी गई है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया कि हिसार की मंडियों में अभी तक धान की कुल खरीद 9365 मीट्रिक टन तथा बाजरा की कुल खरीद 3544 मीट्रिक टन हुई है। किसानों को बाजरे के लिए 2,900 रुपये प्रति क्विंटल के दाम सुनिश्चित किए जाएंगे। इसमें भावान्तर भरपाई योजना के तहत किसानों को 600 प्रति क्विंटल का लाभ दिया जाएगा। उपायुक्त महेंद्र पाल ने बताया कि जिले में किसानों को यूरिया और डीएपी खाद उपलब्ध करवाने के

लिए भी पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं। आंकड़ों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि खरीफ सीजन के लिए 1 लाख 10 हजार मीट्रिक टन यूरिया की डिमांड की गई थी, जिसमें अभी तक 1 लाख 213 मीट्रिक टन यूरिया जिले को उपलब्ध हुई थी, जिसमें से 82386 मीट्रिक टन आवंटित की जा चुकी है और 19627 मीट्रिक टन स्टॉक में उपलब्ध है। इसी प्रकार खरीफ सीजन के लिए 30 हजार मीट्रिक टन डीएपी की डिमांड की गई थी, जिसमें से जिले को 24 हजार 276 मीट्रिक टन डीएपी मिल चुकी है। इसमें से 21 हजार 501 मीट्रिक टन आवंटित की जा चुकी है और 2775 मीट्रिक टन स्टॉक में उपलब्ध है। खरीफ सीजन के लिए 10 हजार मीट्रिक टन एनपीके की डिमांड की गई थी, जिसमें से जिले को 3 हजार 624 मीट्रिक टन डीएपी मिल चुकी है। इसमें से 1 हजार 728 मीट्रिक टन आवंटित की जा चुकी है और 1896 मीट्रिक टन स्टॉक में उपलब्ध है।

उन्होंने बताया कि रबी सीजन के लिए हमने 85 हजार मीट्रिक टन यूरिया और 30 हजार मीट्रिक टन डीएपी की डिमांड की थी। दो दिन पहले एक रेक हमें प्राप्त भी हो गया है। उपायुक्त ने किसानों को खाद का विवेकपूर्ण प्रयोग करने के साथ-साथ डीएपी और यूरिया के अलावा प्राकृतिक खाद करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा से विभिन्न स्थानों के लिए हवाई सेवा आरंभ की जा चुकी है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन को लेकर गुरुग्राम में जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

एजेंसी

गुरुग्राम। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन और निजी स्वास्थ्य संस्थानों को डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के उद्देश्य से आज जिला प्रशिक्षण केंद्र, गुरुग्राम में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन राज्य एबीडीएम टीम द्वारा सिविल सर्जन गुरुग्राम डॉ. वीरेंद्र बसवाना के समन्वय एवं सक्रिय सहभागिता से किया गया। कार्यशाला में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, नर्सिंग होम एसोसिएशन, इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन, डेंटल एसोसिएशन, आयुष विभाग, नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन सहित विभिन्न निजी अस्पतालों, क्लीनिकों, डायग्नोस्टिक सेंटरों एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के निदेशकों, चिकित्सा अधीक्षकों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया।राज्य एबीडीएम टीम की ओर से डॉ. दिशा ने विस्तृत प्रस्तुति देते हुए आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के प्रमुख स्तंभों की जानकारी दी। प्रतिभागियों को आभा (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट), हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री (एचएफआर), हेल्थ प्रोफेशनल्स रजिस्ट्री (एचपीआर) तथा स्वास्थ्य संस्थानों में एबीडीएम-अनुकूल सॉफ्टवेयर एवं एचएमआईएस अनुपालना की आवश्यकता के बारे में बताया गया। उन्होंने बताया कि आभा आईडी नागरिकों के स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड का दीर्घकालिक डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे स्वास्थ्य सेवाओं के अधिक प्रभावी एवं बेहतर समन्वय के साथ उपलब्ध होने में सहायता मिलेगी। कार्यशाला में हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री के बारे में बताया गया कि सरकारी और निजी क्षेत्र के अस्पतालों, क्लीनिकों, डेंटल क्लीनिकों, प्रयोगशालाओं, रेडियोलॉजी एवं डायग्नोस्टिक सेंटरों तथा आयुष स्वास्थ्य संस्थानों को इसमें पंजीकरण कराना महत्वपूर्ण है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 879 अंक, निफ्टी 289 अंक उछला

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। वहीं पिछले दो दिनों से बाजार में गिरावट रही थी। वहीं आज बाजार में बढ़त से निवेशकों के चेहरे खिल गये।

आज सत्र के अंत में आईटी , एफएमसीजीऔर बैंकिंग सेक्टर में आई खरीददारी से भी बाजार में तेजी आई।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 879 अंक बढ़कर 72,472 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी 289 अंक ऊपर आकर 22,520 के स्तर पर पहुंच गया। आज कुल 2,344 शेयरों में तेजी दर्ज की गई, जबकि 1,686 शेयरों में गिरावट रही। वहीं, बाजार में उतार-चढ़ाव को दिखाने वाला इंडिया विक्स 6.0 फीसदी नीचे आकर 14.00 के करीब आ गया।

आज आईटी और एफएमसीजी शेयरों में भारी तेजी रही। सेक्टरवाइज प्रदर्शन की बात करें तो आज लगभग सभी प्रमुख इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा 3.02 फीसदी की तेजी रही। इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी में 2.25 फीसदी , निफ्टी पीएसयू बैंक में 1.62 फीसदी , और निफ्टी सर्विसेज में

1.79 फीसदी का उछाल आया। मिडकैप इंडेक्स 1.46 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.55 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए।

आज सबसे अधिक लाभ में अपोलो हॉस्पिटल्स , आईटीसी, आयशर मोटर्स , टीसीएस, एचसीएल टेक और अडानी पोर्ट्स के शेयर रहे जबकि सबसे अधिक नुकसान वाले शेयरों में सिप्ला , जेएसडब्ल्यू स्टील और रिलायंस । वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 850 अंक उछलकर 72,430 और निफ्टी 270 अंक सुधरकर 22,502 पर पहुंच गया।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार के भारतीय रुपया 13 पैसे की तेजी के साथ ही 96.75 पर बंद हुआ। आज शुरुआती कारोबार में रुपया 23 पैसे मजबूत होकर 96.65 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर में मामूली नरमी और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप से घरेलू मुद्रा को थोड़ा समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि, घरेलू मुद्रा पर व्यापक भू-राजनीतिक दबाव बना हुआ है और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से दबाव और बढ़ सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.74 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद इसमें कुछ सुधार हुआ और यह 96.65 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 23 पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को 13 पैसे टूटकर 96.88 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 102.03 पर रहा।

एचडीएफसी बैंक के नए प्रमुख बागची को 43 करोड़ का पैकेज

मुंबई । एचडीएफसी बैंक के अगले मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) अनूप बागची देश के बैंकिंग सेक्टर में सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले बैंकर बनने जा रहे हैं।

उन्हें पहले साल करीब 43 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक मिलेगा। इसमें 8.97 करोड़ रुपये का निश्चित वेतन, 26.92 करोड़ रुपये का परिवर्तनीय भुगतान और 7.3 करोड़ रुपये का एकमुश्त जॉइनिंग बोनस शामिल है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने उनके वेतन को मंजूरी दी है, और अब बैंक शेयरधारकों की अनुमति मांग रहा है। बागची मौजूदा एमडी शशिधर जगदीशन का कार्यकाल समाप्त होने के बाद 27 अक्टूबर को पदभार संभालेंगे।

पीसी ज्वैलर कर्ज-मुक्त, मजबूत मांग से राजस्व बढ़ा

मुंबई । दिल्ली की प्रमुख कंपनी पीसी ज्वैलर लिमिटेड ने बैंकों के साथ अपनी कर्ज निपटान प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिसके बाद अब कंपनी कर्ज-मुक्त हो गई है। इस खबर से निवेशकों में उत्साह है। कंपनी को अपनी गिरवी रखी संपत्तियां भी वापस मिल गई हैं। इसके अतिरिक्त, मजबूत उपभोक्ता मांग के चलते दूसरी तिमाही में कंपनी के राजस्व में 28 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

इन सकारात्मक घटनाक्रमों के परिणामस्वरूप, हाल के कारोबारी सत्रों में पीसी ज्वैलर के शेयरों में जोरदार तेजी देखी गई है, जो 7.5 प्रतिशत तक ऊपर चढ़े हैं। पिछले सत्र में शेयर 13.91 रुपए पर बंद हुआ, जिसका मार्केट कैप 13,549.85 करोड़ रुपए रहा।

रियाद में अकासा एयर और एयर इंडिया की उड़ानें 10 अक्टूबर तक रद्द

मुंबई । भारतीय एयरलाइन अकासा एयर ने रियाद में बिगड़ते सुरक्षा हालात के मद्देनजर अपनी सभी उड़ानें 10 अक्टूबर तक रद्द कर दी हैं।

इसी क्रम में, एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी रियाद आने-जाने वाली अपनी उड़ानों को इसी अवधि तक के लिए स्थगित कर दिया है। यह निर्णय हाल ही में सऊदी अरब के दो हवाई अड्डों पर हुए हमलों के बाद लिया गया है। अकासा एयर ने एक्स पर बताया कि वे हालात पर नज़र रख रहे हैं। प्रभावित यात्रियों को पूर्ण रिफंड या बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के यात्रा पुनर्निर्धारित करने का विकल्प दिया गया है।

ट्रैवल पार्टनर से बुकिंग करने वालों को उनसे सीधे संपर्क करने की सलाह है। दोनों एयरलाइनों ने यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है।

आरबीआई की नकदी खींचने की कोशिश नाकाम, बैंकों ने लौटाया पैसा!

2 लाख करोड़ की नीलामी में सिर्फ 79,655 करोड़ रुपये जमा

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को बैंकिंग प्रणाली से अतिरिक्त नकदी निकालने के अपने प्रयासों को झटका लगा। 2 लाख करोड़ रुपये की 29 दिवसीय वेरिएबल रेट रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी में बैंकों ने उम्मीद से काफी कम, मात्र 79,655 करोड़ रुपये जमा किए। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि बैंक फिलहाल छोटी अवधि की इन नीलामियों में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखा रहे, क्योंकि जमा किया गया पैसा कम समय बाद ही वापस आ जाता है। इसके बजाय, बैंक अब आरबीआई द्वारा सरकारी बॉन्ड (जी-सेक) बेचने के फैसले का इंतजार कर रहे हैं, जिससे अतिरिक्त नकदी लंबे समय के लिए सिस्टम से बाहर हो सके। बुधवार को बैंकिंग सिस्टम में 4.23 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी थी। इस बीच 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड बढ़कर 7.29 फीसदी पहुंच गई, जो दिसंबर 2023 के बाद का उच्चतम स्तर है। बाजार दिसंबर में रेपो रेट में 0.50 फीसदी बढ़ोतरी की आशंका भी जता रहा है। अतिरिक्त तरलता और वैश्विक तनाव भी बॉन्ड बाजार पर दबाव डाल रहे हैं। आरबीआई शुक्रवार को 1.5 लाख करोड़ रुपये की एक और नीलामी करेगा, लेकिन बाजार की मुख्य नजर सरकारी बॉन्ड बेचने के ऐलान पर है, जिसका लंबी अवधि की ब्याज दरों पर महत्वपूर्ण असर पड़ेगा।

एचडी फायर प्रोटेक्ट का आईपीओ 13 अक्टूबर को खुलेगा

- निवेशक 15 अक्टूबर तक इसमें बोली लगा सकेंगे

नई दिल्ली । आग से सुरक्षा उपकरण बनाने वाली अग्रणी कंपनी एचडी फायर प्रोटेक्ट प्राइमरी मार्केट में एक बार फिर उत्साह लाने वाली है। कंपनी अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लेकर आ रही है, जिसका लक्ष्य करीब 712 करोड़ रुपये जुटाना है। यह पब्लिक इश्यू 13 अक्टूबर को खुलेगा और निवेशक 15 अक्टूबर तक इसमें बोली लगा सकेंगे। आईपीओ के लिए प्रति शेयर 258 से 271 रुपये का प्राइस बैंड तय है, जहां एक लॉट में 55 शेयर (लगभग 14,905 रुपए का निवेश) मिलेंगे। यह पूरा ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है, यानी कंपनी को सीधा कोई फंड नहीं मिलेगा, बल्कि मौजूदा शेयरधारक हिस्सेदारी बेचेंगे। आईपीओ के बाद प्रमोटरों की हिस्सेदारी 100 फीसदी से घटकर 85 फीसदी रह जाएगी, जिससे कंपनी का मूल्यांकन लगभग 4,749 करोड़ रुपए होगा। एचडी फायर प्रोटेक्ट आग बुझाने वाले उपकरण बनाती है और भारत सहित 90 से अधिक देशों में कारोबार करती है। वित्त वर्ष 2023 में कंपनी की परिचालन आय 489 करोड़ रुपए और लाभ 117 करोड़ रुपए रहा। विश्लेषक इस आईपीओ को लेकर सकारात्मक हैं। वे कंपनी के मजबूत मुनाफे, कर्जमुक्त स्थिति और अंतरराष्ट्रीय विस्तार की संभावनाओं को इसकी ताकत मानते हैं। हालांकि, ग्राहकों व सप्लायरों पर निर्भरता, साथ ही कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जैसे जोखिम भी मौजूद हैं। लंबी अवधि के लिए, कंपनी के मजबूत बुनियादी सिद्धांतों को देखते हुए विश्लेषक इस आईपीओ पर बुलिश हैं।

ट्रंप शेयर बाजार में सक्रिय, स्पेसएक्स जैसे बड़ी कंपनियों में किया लाखों डॉलर का निवेश

मेटा में 50 लाख डॉलर से लेकर 2.5 करोड़ डॉलर के कई नए शेयर खरीदे

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शेयर बाजार में सक्रिय नजर आ रहे हैं, जिसका खुलासा हाल ही में जारी एक वित्तीय रिपोर्ट से हुआ है। ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने मेटा प्लेटफॉर्म्स, मैकडॉनल्ड्स और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कई बड़ी कंपनियों में 10 लाख डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। इतना ही नहीं, उन्होंने एलन मस्क की रॉकेट और सैटेलाइट कंपनी स्पेसएक्स के भी कम से कम 10 लाख डॉलर के डेट खरीदे हैं। यह जानकारी अमेरिकी ऑफिस ऑफ गवर्नमेंट एथिक्स द्वारा जारी फाइलिंग में सामने आई है, जिसमें अगस्त में ट्रंप द्वारा किए गए 517 सौदों का विवरण दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक फाइलिंग में बताया गया है कि ट्रंप के निवेश खातों में हर तीन महीने में बड़े वित्तीय लेनदेन हुए, जिसके दौरान कई प्रमुख कंपनियों के शेयर खरीदे गए हैं। अगस्त माह में ट्रंप ने मेटा में 50 लाख डॉलर से लेकर 2.5 करोड़ डॉलर तक के कई नए शेयर खरीदे। इसके बाद 10 अगस्त को माइक्रोसॉफ्ट, मैकडॉनल्ड्स और कॉमकास्ट जैसी प्रमुख कंपनियों में 10 लाख डॉलर से 50 लाख डॉलर के बीच हिस्सेदारी खरीदी। 21 अगस्त को ट्रंप ने एटी एंड टी, कोनोकोफिलिप्स, एबट लेबोरेटरीज, नेटफ्लिक्स और शेवरॉन में से प्रत्येक कंपनी में 1 लाख डॉलर से 5 लाख डॉलर तक का दांव लगाया।

रिपोर्ट के मुताबिक 18 अगस्त को एलन मस्क की कंपनी द्वारा जारी सीनियर अनसिक्योर्ड बॉन्ड्स में 10 लाख डॉलर से 50 लाख डॉलर का निवेश किया गया। ये कॉर्पोरेट डेट 5.35फीसदी की यील्ड के साथ आते हैं और जुलाई 2031 में मैच्योर होंगे। दिलचस्प बात यह है कि इस निवेश के महज दो दिन बाद, 20 अगस्त को ट्रंप ने नेशनल स्पेस ट्रांसपोर्टेशन पॉलिसी पर हस्ताक्षर किए थे, जिसका उद्देश्य अमेरिका के वाणिज्यिक अंतरिक्ष क्षेत्र को बढ़ावा देना और 2030 तक सालाना 1,000 से ज्यादा रॉकेट लॉन्च करने का लक्ष्य रखा है।

रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कुछ कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बेची भी है। 21 अगस्त को उन्होंने सेमीकंडक्टर कंपनी एडवांस्ड

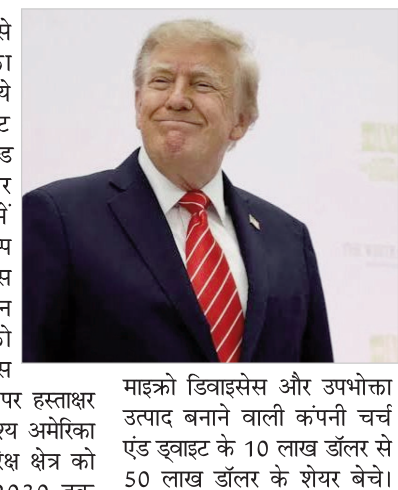

माइक्रो डिवाइसेस और उपभोक्ता उत्पाद बनाने वाली कंपनी चर्च एंड ड्वाइट के 10 लाख डॉलर से 50 लाख डॉलर के शेयर बेचे। इसके अलावा, उन्होंने बोइंग, होम डिपो, टी-मोबाइल, डेटाडॉग, डेल टेक्नोलॉजीज, पालो अल्टो नेटवर्क्स और एनवीडिया जैसी कंपनियों में भी अपनी बड़ी हिस्सेदारी बेची।

सिनेपोलिस और कोका-कोला पर 85,000 का जुर्माना

पटना । बिहार की राजधानी पटना में उपभोक्ता आयोग ने सिनेपोलिस सिनेमा और कोका-कोला कंपनी पर 85,000 रुपए का जुर्माना लगाया है।

यह जुर्माना सिनेमा हॉल में एक दर्शक को अपनी पानी की बोतल ले जाने से रोकने और परिसर के अंदर अत्यधिक कीमत पर पैकेज्ड पानी खरीदने के लिए मजबूर करने के अनुचित व्यापार व्यवहार के कारण लगाया गया है।

यह फैसला शिकायतकर्ता रजत तिवारी द्वारा कंज्यूमर कोर्ट में दायर केस के लगभग एक दशक बाद आया है। मामला 23 सितंबर 2016 का है, जब एक यहां के एक स्थानीय निवासी सिनेपोलिस सिनेमा हॉल में फिल्म देखने गए थे। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें अपनी पानी की बोतल अंदर ले जाने से रोक दिया, जिसके बाद उन्हें परिसर में किनले की बोतल 50 रुपए में खरीदनी पड़ी, जबकि बाहर इसका खुदरा मूल्य 20 रुपए था। इस घटना के बाद तिवारी ने अनुचित व्यापार व्यवहार और मानसिक परेशानी के लिए मुआवजे की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। सुनवाई के दौरान, सिनेपोलिस ने मूल्य निर्धारण में अपनी भूमिका से इनकार किया, वहीं कोका-कोला ने अपनी कीमतों को नियमों के अनुरूप बताया।

हालांकि, आयोग की पीठ ने दोनों कंपनियों की दलीलों को खारिज करते हुए दर्शक को बाहर से पानी लाने से रोकने और एक ही उत्पाद के लिए अलग-अलग कीमत वसूलने के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया। आयोग ने निर्देश दिया है कि 45 दिनों के भीतर निर्धारित राशि जमा न करने पर ब्याज लगाया जाएगा। यह आदेश उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण और सार्वजनिक स्थलों पर अनुचित मूल्य निर्धारण प्रथाओं पर रोक लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

फील्डमार्शल ने उतारे भारत के पहले टीआरईएम वी एकल-सिलेंडर डीज़ल इंजन

मुंबई । प्रमुख इंजीनियरिंग कंपनी फील्डमार्शल पीएम डीज़ल्स प्राइवेट लिमिटेड ने 15 और 18 अश्वशक्ति (हॉर्स पावर) श्रेणी में नए एकल-सिलेंडर डीज़ल इंजन पेश किए हैं। कंपनी का कहना है कि ये भारत के पहले एआरएआई-अनुमोदित और टीआरईएम वी-मानकों का पालन करने वाले (कंप्लायंट) इंजन हैं, जो देश के कृषि क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण प्रगति है। ये नए इंजन विशेष रूप से छोटे ट्रैक्टरों और कृषि मशीनों के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इनमें उन्नत तकनीक, बेहतर ईंधन दक्षता और टिकाऊपन पर विशेष ध्यान दिया गया है। इनका सुसंहत (कॉम्पैक्ट) डिज़ाइन खेती से जुड़े विभिन्न कार्यों में इनके उपयोग को आसान बनाता है। इन इंजनों में भारत में विकसित एग्जॉस्ट गैस रीसर्कुलेशन (ईजीआर) प्रणाली शामिल की गई है, जो उत्सर्जन को कम करने और सुचारु संचालन सुनिश्चित करने में मदद करती है। यह प्रणाली नए टीआरईएम वी उत्सर्जन मानकों का पालन सुनिश्चित करती है। कंपनी अब उन्नत इंजन, ट्रैक्टर व कृषि मशीनीकरण समाधान विकसित करने पर केंद्रित है, साथ ही कृषि, स्वच्छ ऊर्जा, जल समाधान और बुनियादी ढांचे में विस्तार की भी योजना है।

महंगाई की मार, अब खाना भी नहीं सस्ता! सब्जियों-तेल-गैस ने बढ़ाई मुश्किलें.

- सितंबर में थाली 10 फीसदी तक महंगी, प्याज ने बिगाड़ा स्वाद

नई दिल्ली । आम लोगों की रसोई का बजट एक बार फिर महंगाई की मार झेल रहा है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की ताजा रोटी राइस रेट रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर माह में घर पर तैयार होने वाली शाकाहारी थाली की कीमत में सालाना आधार पर 10 फीसदी का इजाफा दर्ज किया गया है। वहीं, मांसाहारी थाली भी 6 फीसदी महंगी हुई है। सब्जियों, खासकर प्याज, के साथ-साथ खाद्य तेल, चावल और एलपीजी की बढ़ती कीमतों ने घरेलू खर्चों में भारी वृद्धि कर दी है। रिपोर्ट बताती है कि पिछले साल सितंबर में एक शाकाहारी थाली तैयार करने में 28.1 रुपये लगते थे, जो इस साल बढ़कर 30.8 रुपये हो गए। इसी तरह, मांसाहारी थाली की कीमत 56 रुपये से बढ़कर 59.5 रुपये तक पहुंच गई है। अगस्त की तुलना में सितंबर में शाकाहारी थाली 4 फीसदी और मांसाहारी थाली 3 फीसदी और महंगी हुई है, जिससे आम परिवारों पर सीधा वित्तीय बोझ पड़ा है। रसोई के बजट पर सबसे गहरा असर प्याज की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि का पड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में प्याज के दाम सालाना आधार पर 89 फीसदी बढ़कर 53 रुपये प्रति किलोग्राम हो गए, जबकि पिछले साल यह 28 रुपये प्रति किलोग्राम थे। एक महीने के भीतर ही प्याज की कीमतों में 34 फीसदी की बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई। रबी फसल के उत्पादन में कमी, कम बारिश और खरीफ फसल की बुआई में देरी के कारण बाजार में प्याज की आवक प्रभावित हुई है, जिससे इसकी कीमतों पर लगातार दबाव बना हुआ है। प्याज के अलावा, खाद्य तेल की कीमतें भी सालाना आधार पर 12 फीसदी और घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 10 फीसदी बढ़े हैं, जबकि चावल की कीमतों में 8 फीसदी की तेजी आई है। इन सभी कारकों ने मिलकर रसोई का कुल खर्च बढ़ा दिया है।

प्याज, चावल, एलपीजी और तेल के बढ़े दाम, घर के खाने पर बढ़ी महंगाई

शाकाहारी थाली 10 तो मांसाहारी 8 प्रतिशत तक महंगी

नई दिल्ली। सितंबर के महीने में आम परिवारों की रसोई का बजट एक बार फिर डगमगा गया है। घर में बनने वाले रोजाना के खाने पर महंगाई का असर साफ दिखने लगा है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की ताजा 'रोटी राइस रेट' रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में घर में तैयार होने वाली शाकाहारी थाली की लागत सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़ गई है। वहीं मांसाहारी थाली भी 6 फीसदी महंगी हुई है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले साल सितंबर में जिस वेज थाली को तैयार करने में 28.1 रुपये का खर्च आता था, अब उसकी कीमत बढ़कर 30.8 रुपये हो गई है। इसी तरह नॉन-वेज थाली की लागत भी 56 रुपये से बढ़कर 59.5 रुपये पर पहुंच गई है। अगर महीने दर महीने के हिसाब से देखें, तो अगस्त के मुकाबले सितंबर में वेज थाली 4 फीसदी व नॉन-वेज थाली 3 फीसदी महंगी हुई है। प्याज की कीमतों में 89 प्रतिशत का भारी उछाल रसोई के इस बढ़ते खर्च के पीछे सबसे बड़ी वजह प्याज की कीमतों में आई जोरदार तेजी है। रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर में प्याज के दाम सालाना आधार पर 89 फीसदी तक उछल गए। पिछले साल इसी महीने में जो प्याज 28 रुपये प्रति किलो मिल रहा था, इस साल उसकी कीमत 53 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई। रबी सीजन में प्याज के उत्पादन में 5 से 6 फीसदी की गिरावट आई थी, जिसके चलते बाजार में पुराना स्टॉक काफी कम रह गया। इसके साथ ही इस साल जून में सामान्य से 40 फीसदी कम बारिश हुई। बारिश की कमी से खरीफ फसल की बुआई में देरी हुई और मंडियों में नई फसल की आवक पिछड़ गई। केवल एक महीने के भीतर ही प्याज की कीमतों में 34 फीसदी की भारी तेजी दर्ज की गई है। तेल, चावल, एलपीजी सिलेंडर भी हुए महंगे थाली का खर्च सिर्फ प्याज की वजह से ही नहीं बढ़ा, बल्कि रसोई की दूसरी जरूरी चीजों ने भी जेब पर भार डाला है।

जीएसटी व्यवस्था में बड़ा बदलाव, कारोबारियों को मिलेगी राहत

90 फीसदी रिफंड बिना अधिकारी हस्तक्षेप के, इनपुट टैक्स क्रेडिट का दायरा बढ़ा

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद ने कारोबारियों के लिए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था को कहीं अधिक सरल और अनुकूल बनाने की दिशा में कई ऐतिहासिक सिफारिशों को मंजूरी दे दी है। इन बड़े बदलावों से व्यवसायों के लिए नकदी प्रवाह में सुधार होगा, करदाताओं और अधिकारियों के बीच अनावश्यक संपर्क कम होगा, और जीएसटी प्रशासन प्रणाली-संचालित बनेगा। प्रमुख सुधारों में तेज रिफंड प्रक्रिया और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के दायरे का विस्तार शामिल है। सबसे महत्वपूर्ण सुधार रिफंड प्रक्रिया में किए गए हैं। अब पात्र दावों की 90 फीसदी राशि अधिकारी के हस्तक्षेप के बिना जारी हो जाएगी, जिससे प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप कम होगा। रिफंड दावे की स्वीकृति की पुष्टि का समय 15 दिन से घटाकर 10 दिन कर दिया गया है, और यदि 10 दिनों के भीतर कोई समस्या नहीं बताई जाती है, तो दावे को स्वतः स्वीकृत मान लिया जाएगा। स्वीकृति के तीन कार्यदिवस के भीतर रिफंड आदेश जारी हो जाएगा, जिससे कारोबारियों की नकदी उपलब्धता में काफी सुधार होगा।

इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के दायरे को भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया गया है। इनपुट सेवाओं पर जमा आईटीसी का रिफंड 1 नवंबर, 2026 से और निर्यातकों के लिए प्लांट एवं मशीनरी पर आईटीसी का रिफंड 1 अप्रैल, 2027 से उपलब्ध होगा।

इससे संबंधित एक अधिकारी ने इसे कारोबार के लिए बड़ा प्रोत्साहन बताया। कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य और जीवन बीमा, फैक्ट्रियों के बाहर लगाए गए दूरसंचार टावर और पाइपलाइन जैसे कुछ कारोबारी खर्चों पर भी आईटीसी उपलब्ध कराने की सिफारिश की गई है। इसके अतिरिक्त, ईमानदार खरीदारों के आईटीसी से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है, जो तीन महीने में अपनी रिपोर्ट देगी।

टीसीएस का दूसरी तिमाही में मुनाफा 15 फीसदी बढ़ा, आय 11 फीसदी उछली

- कंपनी ने 13,884 करोड़ का मुनाफा कमाया; एआई राजस्व तीन अरब डॉलर के पार

मुंबई । टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में मजबूत नतीजे पेश किए हैं। कंपनी का मुनाफा 15 प्रतिशत बढ़कर 13,884 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है, जबकि परिचालन आय में भी 11.22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस तिमाही में टीसीएस की परिचालन आय बढ़कर 73,188 करोड़ रुपए हो गई। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि वृद्धि व्यापक आधार वाली रही, जिसमें सभी अंतरराष्ट्रीय बाजार और उद्योग क्षेत्र शामिल थे। उन्होंने बताया कि कृत्रिम मेधा (एआई) से होने वाला वार्षिक राजस्व बढ़कर तीन अरब डॉलर हो गया है, जो पिछली तिमाही के 2.6 अरब डॉलर से अधिक है। कंपनी ने इस अवधि में कुल 9.6 अरब डॉलर के नए सौदों पर हस्ताक्षर किए, जो पिछली तिमाही से मामूली अधिक हैं।

टीसीएस ने 4,258 कर्मचारियों को जोड़ा, जिससे कुल कर्मचारियों की संख्या 5,98,056 पर पहुंच गई।

ऊर्जा, संसाधन एवं उपयोगिता कारोबार में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि भारत में क्षेत्रीय स्तर पर 6 प्रतिशत की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई।

निदेशक मंडल ने प्रति शेयर 12 रुपये लाभांश की सिफारिश की है, जिसके लिए रिकॉर्ड तारीख 14 अक्टूबर है।

एलन मस्क के बयान से उठते गंभीर सवाल- भारत की संप्रभुता और सुरक्षा सर्वोपरि

संतोष कुमार पाठक

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और दुनिया के मशहूर उद्योगपति एलन मस्क के एक बयान (सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किया गया पोस्ट) ने भारत में कई तरह के गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसका जवाब तलाशना और पूरी गंभीरता से देना बहुत जरूरी हो गया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और दुनिया के मशहूर उद्योगपति एलन मस्क के एक बयान (सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किया गया पोस्ट) ने भारत में कई तरह के गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसका जवाब तलाशना और पूरी गंभीरता से देना बहुत जरूरी हो गया है।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि उदारीकरण और भूमंडलीकरण के इस दौर में प्राइवेट कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा होनी ही चाहिए ताकि लोगों को फायदा भी हो और उनके पास चुनने का विकल्प भी हो। इसी तर्क का हवाला देकर भारत के अंदर भी कई लोग एलन मस्क की पीड़ा को सही बताते हुए सरकार को नसीहतें दे रहे हैं। लेकिन भारत की संप्रभुता और वैश्विक कंपनियों को भारत में कारोबार करने की इजाजत देने के बीच में एक बहुत ही हल्की सी रेखा आती है, जिसे पार करते ही कई तरह की समस्याएं खड़ी हो सकती है।

भारत के अंदर, हर भारतीय को यह स्वतंत्रता है कि वो अपनी सरकार से सवाल पूछ सके, अपनी सरकार पर सवाल उठा सके लेकिन क्या हम यही स्वतंत्रता किसी विदेशी कारोबारी को दे सकते हैं? कतई नहीं, भारत का असली बॉस कौन है, यह तय करने और बताने का अधिकार सिर्फ और सिर्फ भारतीयों के पास ही रहना चाहिए।

एलन मस्क ने 8 अक्टूबर को अपने ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ' स्टारलिंक को 165 से ज्यादा देशों में लाइसेंस मिला हुआ है और कंपनी भारत सरकार के हर नियम और जरूरत को पूरा करने में पांच साल से काम कर रही है, फिर भी लाइसेंस क्यों नहीं मिला? क्या अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं?' जिस अंदाज में और जितनी तेजी से राहुल गांधी ने इस पर कमेंट किया,

उसे लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। मस्क के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए राहुल ने लिखा, 'भारत में आपका स्वागत है, एलन। दूसरे शख्स के मिलने तक इंतजार कीजिए।' राहुल गांधी के जवाब से गदगद मस्क ने तुरंत जवाब देते हुए लिखा, 'धन्यवाद राहुल, यह वाकई परेशान करने वाला है।'

यहां यह याद रखना भी बहुत जरूरी है कि मस्क पहले भी आरोप लगा चुके हैं कि भारत में इस सेक्टर से जुड़े बड़े कारोबारी स्टारलिंक की एंट्री भारत के बाजार में रोककर अपना दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। लेकिन इस बार लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जवाब देने के कारण, मामला बहुत गंभीर हो गया है। पिछले कई दिनों से राहुल, देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं और यह बात स्पष्ट तौर पर नजर आ रही है केंद्र में सत्तारूढ़ सरकार और विपक्षी दल खासकर राहुल के साथ संवादहीनता की स्थिति आ गई है, जिसे कतई सही नहीं माना जा सकता है। इतने गंभीर मसले पर राहुल की इतनी तेजी से की गई टिप्पणी को कतई जायज नहीं ठहराया जा सकता है। यहां साफ-साफ नजर आ रहा है कि राहुल ने एक बड़ी गलती कर दी है,जिसका जवाब अब उन्हें लगातार देते रहना पड़ेगा।

भारत सरकार ने गुरुवार, 8 अक्टूबर को ही मस्क के आरोपों को खारिज करते हुए यह साफ कर दिया कि, देश में सैटेलाइट कम्युनिकेशन सर्विसेज के लिए तय नियम सभी के लिए एक जैसे हैं। फिलहाल, तीनों कंपनियों के लिए सुरक्षा समीक्षा की प्रोसेस चल रही है। जैसे ही किसी कंपनी की सुरक्षा जांच पूरी हो जाएगी, वह अगली स्टेप यानी स्पेक्ट्रम आवंटन की मांग करने के लिए आगे बढ़ सकती है। सरकार ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि, यह कहना बिल्कुल गलत है कि नियमों को किसी के साथ भेदभाव करने के लिए लागू किया जा रहा है। मस्क के अलावा एयरटेल के मालिक सुनील भारती मित्तल की कंपनी यूटेलसैट वनवेब और मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो भी लाइसेंस लेने की होड़ में है।

एलन मस्क के आरोप अपनी जगह है लेकिन भारत की कोई भी सरकार देश की सुरक्षा और संप्रभुता से किसी तरह का समझौता नहीं कर सकती है। इस मामले में भारत के महत्वपूर्ण और बड़े राजनीतिक दलों को एक ही पेज पर होना चाहिए। सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह संसद के प्रमुख दलों को इससे जुड़े तथ्यों से अवगत कराएं। सरकार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी मित्र एलन मस्क को भी दो टूक शब्दों में यह बता देना चाहिए कि बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भारत की सरकार पर कोई दबाव नहीं डाला जा सकता है। यह मामला बहुत बड़ा है और इसे दुनिया की तमाम बड़ी कंपनियों के लिए एक उदाहरण की तरह पेश किया जाना चाहिए। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि सब कुछ बिना किसी भेदभाव के होना चाहिए लेकिन ट्रंप प्रशासन जिस तरह से भारत, भारतीय कंपनियों और भारतीयों के खिलाफ लगातार फैसले ले रहा है, उसे भी ध्यान में रखना बहुत जरूरी है।

संपादकीय

फार्मा कंपनियों के तोहफ़े

लंबे समय से यह बात सार्वजनिक विमर्श में रही है कि मरीजों के हितों पर कुठाराघात करके, फार्मा कंपनियां उपहार देकर चंद डॉक्टरों व अस्पतालों को साध रही हैं। फॉर्मा कंपनियां हजारों करोड़ रुपये का बजट डॉक्टरों को खुश करने के लिये रखती हैं ताकि उनके उत्पाद खरीदने के लिये मरीजों को बाध्य किया जा सके। विडंबना यह है कि सरकारें सब-कुछ जानते-बूझते हुए भी खामोश बैठी रहती हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को केंद्र सरकार को अब निर्देश देना पड़ा है कि वह फार्मा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर अविलंब रोक लगाए। बाकायदा, डॉक्टरों को खुश करने के लिये, तोहफे देने वाली फार्मा कंपनियों पर लगाम लगाने के लिये विशेषज्ञ कमेटी बनायी जाए। निश्चय ही इस अपवित्र गठजोड़ को नियामक तंत्र के दायरे में लाने की दिशा में यह एक स्वागत योग्य कदम होगा। निर्विवाद रूप से यह एक हकीकत है कि आर्थिक प्रलोभन या कीमती तोहफे मरीजों को दिए जाने वाले दवाइयों के परामर्श को प्रभावित करते हैं। फार्मा कंपनियों के इशारे पर लिखे गए प्रिस्क्रिप्शन का असर मरीजों और उनकी उपचार लागत पर पड़ता है। इस अनैतिक प्रवृत्ति पर रोक लगाने की दिशा में अदालत की पहल वक्त की जरूरत है। अदालत में वादी द्वारा दायर याचिका में इस बात पर बल दिया गया था कि फार्मा कंपनियां चुनिंदा दवाइयों की बिक्री बढ़ाने के लिये चिकित्सकों को महंगे तोहफे, विदेश यात्राएं आदि अन्य प्रकार के लाभ पहुंचाती हैं। निश्चित रूप से ऐसी अनैतिक परंपराएं जहां एक ओर क्लिनिकल फैसलों पर प्रभाव डाल सकती हैं, वहीं जरूरत से ज्यादा दवा लिखने की गलत प्रवृत्ति को भी बढ़ावा दे सकती हैं। दरअसल, रोगों से जूझ रहा मरीज या तिमारदार आमतौर पर यह निर्णय नहीं ले पाते कि कोई दवा कितनी जरूरी है या नहीं है। यह भी कि किसी दवा का बाजार में अन्य सस्ता विकल्प मौजूद है कि नहीं। लेकिन इस प्रलोभन नीति के चलते फार्मा कंपनियां अपना उल्लू सीधा करने में कामयाब हो जाती हैं।

यहां यह तथ्य उल्लेखनीय है कि देश में इस अनैतिक परिपाटी पर अंकुश लगाने के प्रावधान पहले से ही मौजूद हैं। पहले से ही यूनिफॉर्म कोड फॉर फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसिज-2024 के तहत डॉक्टरों को फार्मा कंपनियों से किसी भी प्रकार के तोहफे लेने, देश-विदेश की महंगी यात्राओं की सुविधाएं पाने या किसी भी तरह से आर्थिक लाभ लेने पर रोक लगाई गई है। बाकायदा इस बाबत शिकायत आने पर उसके निपटारे के लिये भी व्यवस्था की गई है। उल्लेखनीय है कि शिकायतों के निपटारे के लिये एथिक्स कमेटी, खर्चों की जानकारी देने और शीर्ष पैनल सिस्टम भी मौजूद हैं। वह बात अलग है कि नियामक संस्थाएं यदा-कदा ही जागती हैं। इसके बावजूद, केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण सवाल को माना है कि क्या फार्मा कंपनियों को किसी कानूनी नियम-कायदे के दायरे में लाया जाना चाहिए? पुराने अनुभव तो यही बताते हैं कि स्वेच्छा से नियमों का पालन करना एक व्यावहारिक विकल्प नहीं हो पाता है। उपभोक्ताओं व मरीजों में जागरूकता के अभाव में ऐसे मामले होने के बावजूद बहुत कम शिकायतें सामने आती हैं। इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि फार्मा कंपनियों का खेल जारी नहीं है। दरअसल,कम शिकायतें सामने आने की अन्य कई वजहें हैं। मसलन, डॉक्टरों को महंगे उपहार या आर्थिक लाभ के मामलों की कम रिपोर्टिंग का होना, नियमों का ठीक प्रकार से लागू न हो पाना या फिर ताकतवर फॉर्मा लॉबी का सामना करने में हिचकिचाहट की वजह से शिकायतें कम नजर आती हैं। उल्लेखनीय है कि पहले आवश्यक वस्तु अधिनियम या ड्रग एंड कॉस्मेटिक्स कानून के जरिये इसे कानूनी आधार देने की कोशिशों पर अधिकार क्षेत्र और इसकी कानूनी वैधता को लेकर प्रश्न उठे थे। ऐसे में फिर जरूरी हो जाता है कि प्रस्तावित कमेटी को अफसरशाही की लेट-लतीफी से बचाया जाए। कमेटी को वैश्विक बाजार मॉडल, हितों के टकराव, जानकारी उजागर करने की जरूरत, ऐसे मामलों मे सजा, स्वतंत्र जांच और मेडिकल रेगुलेटर की भूमिका की जांच करनी चाहिए। सही मायने में सरकार को एक स्पष्ट कानूनी रोडमैप तैयार करना चाहिए, जिससे किसी नये कानून की जरूरत का पता चल सके।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया।

शेयर बाजार में शनि राहु और केतु की छाया?

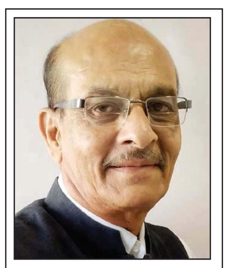

सनत जैन

एक ही झटके में डूबे 11.37 लाख करोड़...

भारतीय शेयर बाजार मे निवेशकों के लिए गुरुवार का दिन बहुत खराब साबित हुआ। एक ही झटके में 11.37 लाख रुपए निवेशकों के डूब गए। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज से लेकर गौतम अडानी की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली। सभी सेक्टर के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। शेयर बाजार 1045 अंक गिरकर मुंबई स्टाक एक्सचेंज 71593 पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टाक एक्सचेंज 371 अंक की गिरावट के साथ 22232 पर बंद हुआ। रही सही कसर डॉलर के मुकाबले रुपया ने लगभग 97 रुपए के स्तर पर पहुंचकर पूरी कर दी। पिछले दो सप्ताह से रिजर्व बैंक डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत को संभालने के लिए काफी प्रयास कर रहा है। इसके बाद भी रुपया गिरने से रुक नहीं रहा है। रही सही कसर कच्चे तेल के दाम बढ़ने से डालर की मांग बढ़ती जा रही है, जिसके कारण डॉलर के मुकाबले रुपया में लगातार गिरावट देखी जा रही है। कच्चे तेल और डॉलर का भारतीय अर्थव्यवस्था में एक बड़ा दबाव देखने को मिल रहा है। जैसे-जैसे डॉलर के रेट रुपए के मुकाबले बढ़ रहे हैं, इसका सबसे बड़ा नुकसान भारत को उठाना पड़ रहा है।

आखिर शेयर बाजार की यह हालत क्यों हुई, इसको लेकर तरह-तरह की बातें सामने आ रही हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने हाल ही में रेपो रेट में बदलाव किया है। रेपो रेट 0.25 आधार अंक बढ़कर 5.50 की गई है। इसको लेकर शेयर मार्केट में घबराहट देखने को मिल रही है। वैश्विक देशों के शेयर बाजारों में भी इन दिनों भारी उथल-पुथल मची हुई है। जिसका असर भारतीय शेयर बाजार में दिख रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है, भारत के शेयर बाजार से विदेशी निवेश लगातार निकलता चला जा रहा है, जिसके कारण डोमेस्टिक निवेशक भी घबराहट में आ गए हैं। भारत की वित्तीय संस्थाओं के ऊपर भी भारी दबाव देखने को मिल रहा है। इससे भारत का शेयर बाजार निकट भविष्य में सुधर पायेगा? इसको लेकर तरह-तरह की चिंता व्यक्त की जाने लगी है। रही सही कसर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दादा ने पूरी कर दी है। ट्रंप ने एक नया फरमान जारी किया है। जिसमें भारत की 8 आईटी कंपनियों को पीईआरएम प्रोग्राम से बाहर किया है। इनमें इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, कॉग्निजेंट, कैपजेमिनी सहित आठ कंपनियों के कर्मचारियों को अमेरिकी ग्रीन कार्ड प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया है। इनमें माइक्रोसॉफ्ट और एडोब भी शामिल है। इसका असर भारतीय कंपनियों में पडना तय है। ट्रंप के इस कदम से भारतीय आईटी कंपनियों को अमेरिका में काम मिलने से दिक्कत होगी, जिसका प्रभाव इन कंपनियों पर पडना तय है। पिछले 2 साल से भारतीय शेयर बाजार की हालत खस्ता है। शेयर बाजार को संभालने के लिए जितने भी प्रयास किए जा रहे हैं, अब सब उल्टे पड रहे हैं। ऐसा लगता है, ग्रह नक्षत्र ने जो दशा बदली है। इसका सबसे बड़ा असर शेयर बाजार में देखने को मिल रहा है। शेयर बाजार और भारतीय राजनीति में इन दिनों कब कौन सा परिवर्तन हो जाए, कहा नहीं जा सकता है। भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर जिस तरह की चिंता अर्थशास्त्री व्यक्त कर रहे हैं, वह विचारणीय है। उनका कहना है, भारत में इतने बड़े आर्थिक संकट के दौर में अच्छे अर्थशास्त्रियों का नहीं होना, सरकार द्वारा स्वयं निर्णय लेना, अर्थशास्त्रियों की सलाह को नहीं मानना, समय पर निर्णय नहीं लिए जाने के कारण भारतीय शेयर बाजार और भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति आने वाले दिनों में और भी खराब हो सकती है। शेयर बाजार में मंदणियों का कब्जा होता चला जा रहा है। तेजड़िये शेयर बाजार से नदारत हैं। इससे भारतीय वित्तीय संस्थानों की भी चिंता बढ़ती जा रही है। उन्हें अपनी बैलेंस शीट और मुनाफे को लेकर चिंता होने लगी है। बाजार के वर्तमान हालात को देखते हुए लोगों को अब हर्षद मेहता और 1992 के शेयर बाजार में हुए घोटाले की भी याद आने लगी है। सरकार के खिलाफ आंदोलन प्रदर्शन चल रहे हैं। ऐसी विषम स्थिति में जब सरकार को अर्थव्यवस्था पर ध्यान देना था, उस समय पर वह अपने आपको बचाने में लगी हुई है। ऐसी स्थिति में भारतीय अर्थ व्यवस्था और शेयर बाजार को लेकर सभी जगह चिंता देखने को मिल रही है।

नाना पाटेकरः अभिनय की आग में तपा असाधारण कलाकार

ललित गर्ग

भारतीय सिनेमा में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिन्हें केवल अभिनेता कहना उनके व्यक्तित्व को सीमित कर देना है। नाना पाटेकर उन्हीं विरल कलाकारों में से एक थे। वे अभिनेता थे, रंगकर्मी थे, निर्देशक थे, लेखक थे, सामाजिक सरोकारों से जुड़े संवेदनशील नागरिक थे और भारतीय सेना के प्रति गहरे सम्मान एवं समर्पण का उदाहरण भी थे। उनकी आवाज में खुरदुरापन था, संवादों में धार थी, आंखों में आक्रोश और चेहरे पर जीवन के संघर्षों की सच्चाई। उन्होंने अभिनय को सजावटी कला नहीं बनाया, बल्कि उसे यथार्थ जीवन के अनुभवों, पीड़ा, संघर्ष, संवेदना और सामाजिक चेतना से जोड़ा। 8 अक्टूबर 2026 को 75 वर्ष की उम्र में उनके निधन के साथ भारतीय सिनेमा ने एक ऐसा कलाकार खो दिया, जिसकी कोई दूसरी प्रतिकृति संभव नहीं है। वे अभिनय जगत के लिये एक अपरिहार्य नाम थे और ज्यादातर फिल्मप्रेमियों के लिये अजीज भी थे।

नाना की फिल्म-प्रतिभा हमें चौंकाती रही है, रोमांचित करती रही है, उकसाती रही है, क्योंकि उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि वे आम लोगों के जीवन की सच्चाई और उनके संघर्षो को प्रामाणिकता एवं जीवंतता के साथ प्रस्तुत करते रहे हैं। भारतीय जिंदगी के रंग बेशुमार हैं, कला-संस्कृति की अविस्मरणीय धाराएं हैं, अनूठा एवं बेजोड़ इतिहास और उसकी कहानियां भी अनंत-अथाह। नाना का फिल्मी-युग भारत की खिड़की से विश्व को देखने एवं विश्व को भारत दिखाने की पहल का एक स्वर्णिम युग है। उन्होंने अपने किरदार से राष्ट्रीयता की भावना को भी सुदृढ़ किया। नाना का सफरनामा पूरी तरह मायूस हो चुके किसी भी इंसान के लिये प्रेरणादायी अध्याय भी है, उत्साह की मिसाल भी है। नाना पाटेकर का वास्तविक नाम विश्वनाथ पाटेकर था। उनका जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के मुरुड-जंजीरा में हुआ। बचपन सामान्य था, लेकिन किशोरावस्था में ही परिवार आर्थिक संकट में घिर गया। पिता का कारोबार डूब गया और महज 13 वर्ष की उम्र में नाना को परिवार की मदद के लिए काम करना पड़ा। वे स्कूल के बाद मुंबई में फिल्म पोस्टर रंगते थे और करीब 35 रुपये महीने कमाते थे। काम पर जाने के लिए उन्हें कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था और बदले में एक वक्त का भोजन भी मिलता था। गरीबी और अभाव ने उन्हें तोड़ा नहीं, बल्कि भीतर से गढ़ा। बाद में उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि भूख और अपमान ने उन्हें जीवन को समझना सिखाया।

कला नाना के जीवन में आरंभ से थी। उन्होंने सर जे.जे. इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड आर्ट में शिक्षा ली और व्यावसायिक कलाकार के रूप में काम किया। लेकिन उनका वास्तविक विद्यालय था रंगमंच। मराठी रंगमंच की प्रख्यात निर्देशिका विजया मेहता के मार्गदर्शन में उन्होंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। हमीदाबाईची कोठी जैसे नाटकों ने उन्हें गंभीर रंगकर्मी के रूप में पहचान दी। रंगमंच ने उन्हें संवाद बोलना ही नहीं, बल्कि संवाद के पीछे छिपी भावना को जीना सिखाया। नाना के करियर की शुरूआत फिल्म 'गमन' से हुई थी लेकिन इंडस्ट्री में उन्हें फिल्म 'परिंदा' से नोटिस किया गया जिसमें उन्होंने खलनायक की भूमिका अदा की थी। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार भी दिया गया। इसके बाद उन्होंने कई अच्छी फिल्मों में काम किया और अपने अभिनय का लोहा मनवाया। क्रांतिवीर, खामोशी, यशवंत, अब तक छप्पन, अपहरण, वेलकम, राजनीति उनकी प्रमुख फिल्मों में से एक हैं। शुरूआती वर्षों की निराशाओं के बावजूद उन्होंने अपनी राह नहीं छोड़ी। अंकुश और सलाम बॉम्बे! जैसी फिल्मों ने उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाई।

इसके बाद नाना पाटेकर ने एक के बाद एक ऐसे किरदार निभाए, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में अभिनय की एक अलग भाषा निर्मित की। 'अंगार' में उनका नकारात्मक किरदार, 'तिरंगा' में देशभक्ति से ओतप्रोत शिवाजी राव वागले, 'क्रांतिवीर' में प्रखर और विद्रोही प्रताप नारायण तिलक, 'अग्निसाक्षी' में जटिल मानसिकता वाला पात्र और 'खामोशीः द म्यूजिकल' में संवेदनशील पिता-हर भूमिका में वे बिल्कुल अलग दिखाई दिए। क्रांतिवीर के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला, जबकि अग्निसाक्षी के लिए फिर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए। इस तरह वे तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पाने वाले विशिष्ट अभिनेताओं में शामिल हुए। नाना की अभिनयशैली का सबसे बड़ा गुण था स्वाभाविकता के भीतर तीव्रता। वे संवाद को केवल बोलते नहीं थे, उसे जीते थे। उनकी आवाज कभी धीमी फुसफुसाहट बन जाती तो कभी विस्फोट की तरह फूटती। उनका चेहरा, आंखों की हरकत, हाथों का इस्तेमाल, अचानक आने वाला ठहराव और फिर तेज गति से निकलते संवाद-इन सबका अपना नाटकीय व्याकरण था। उनकी संवाद-अदायगी इतनी विशिष्ट थी कि साधारण वाक्य भी उनके मुंह से निकलकर यादगार बन जाता था। वे संवादों को अभिनय से बड़ा नहीं होने देते थे, बल्कि अभिनय के माध्यम से संवाद को अर्थ देते थे।

नाना की लोकप्रियता का एक अलग अध्याय 'वेलकम' है। गंभीर और आक्रामक भूमिकाओं के लिए पहचाने जाने वाले नाना ने उदय शेट्टी के रूप में ऐसी कॉमेडी की कि नई पीढ़ी भी उनकी मुरीद हो गई। उनका 'कंट्रोल, उदय, कंट्रोल!' जैसे संवाद और चेहरे के हावभाव आज भी लोकप्रिय संस्कृति का हिस्सा हैं। यह उनकी अभिनय-बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण था कि जो कलाकार परिंदा और क्रांतिवीर में दर्शकों को भीतर तक हिला सकता था, वही वेलकम में उन्हें खुलकर हंसा भी सकता था। 2000 के दशक में 'अब तक छप्पन', अपहरण, शक्तिः द पावर, राजनीति जैसी फिल्मों में उन्होंने उम्र और अनुभव के साथ अपने अभिनय को और गहरा किया। अब तक छप्पन के पुलिस अधिकारी का किरदार हो या राजनीति में राजनीतिक संघर्षों के बीच खड़ा चरित्र-नाना हमेशा चरित्र की भीतरी बेचैनी को सामने लाते थे। मराठी सिनेमा में भी उन्होंने अपनी जड़ों को नहीं छोड़ा। 'नटसम्राट' (2016) में रंगमंच के दिग्गज कलाकार की भूमिका उनके करियर की सबसे मार्मिक प्रस्तुतियों में गिनी जाती है।

नाना केवल अभिनेता बनकर संतुष्ट नहीं थे। 'प्रहारः द फाइनल अटैक' का निर्देशन करके उन्होंने यह साबित किया कि उनके भीतर निर्देशक और लेखक भी मौजूद है। इस फिल्म की तैयारी के दौरान उन्होंने सेना का कठोर प्रशिक्षण लिया। आगे चलकर उनका भारतीय सेना से संबंध वास्तविक जीवन का हिस्सा बन गया। वे टेरिटोरियल आर्मी से जुड़े और लेफ्टिनेंट कर्नल के मानद पद तक पहुंचे। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भी वे सैनिकों के साथ रहे। पर्दे पर देशभक्ति का अभिनय करने वाले इस कलाकार ने वास्तविक जीवन में भी सैनिकों के बीच जाकर देश के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। उनकी राष्ट्रीयता किसी नारे की तरह नहीं थी, उसमें कर्तव्य और संवेदना थी। तिरंगा, प्रहार और क्रांतिवीर जैसी फिल्मों में देश, समाज और नागरिक जिम्मेदारी के प्रश्न दिखाई देते हैं। वे देशभक्ति को केवल सीमा पर लड़ने वाले सैनिक की भावना तक सीमित नहीं मानते थे, बल्कि ईमानदारी से अपना काम करना, कमजोर के साथ खड़ा होना और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना भी राष्ट्रसेवा का हिस्सा मानते थे। उनके व्यक्तित्व की दूसरी बड़ी विशेषता थी सादगी और सामाजिक प्रतिबद्धता। महाराष्ट्र के किसानों की समस्याओं और ग्रामीण संकट से वे गहराई से जुड़े। 2015 में उन्होंने अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ नाम फाउंडेशन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य किसानों और सूखा प्रभावित ग्रामीण परिवारों की सहायता करना था। उन्होंने राहत एवं सामाजिक कार्यों में आर्थिक सहयोग भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर शोक व्यक्त किया

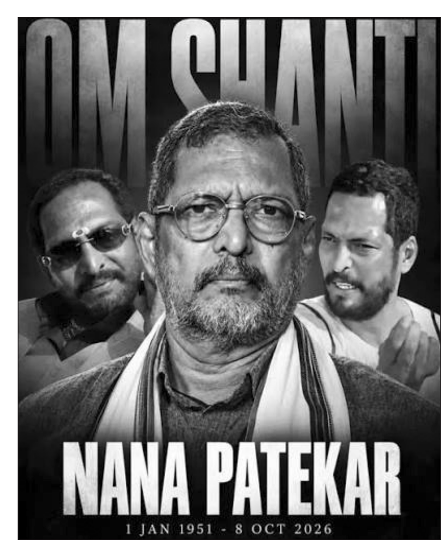

कि वे एक सच्चे 'क्रांतिवीर' थे जिन्होंने सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनकी खामोशी उतनी ही असरदार थी जितनी उनकी दमदार आवाज। उन्होंने हमेशा देश-विरोधी तत्वों पर लगाम लगाने की वकालत की।

नाना पाटेकर की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि उन्होंने स्टार बनने की कोशिश नहीं की, कलाकार बने रहे। वे ग्लैमर की दुनिया में रहते हुए भी अपनी जड़ों से कटे नहीं। गरीबी ने उन्हें संवेदनशील बनाया, रंगमंच ने अनुशासन दिया, फिल्मों ने व्यापक पहचान दी, सेना ने राष्ट्रबोध को मजबूत किया और सामाजिक कार्यों ने उनके भीतर के मनुष्य को जीवित रखा। उनके अभिनय की विरासत केवल पुरस्कारों में नहीं, उन पात्रों में है जिन्हें उन्होंने अमर कर दिया। परिंदा का अन्ना, क्रांतिवीर का प्रताप, तिरंगा का शिवाजी राव, अब तक छप्पन का पुलिस अधिकारी, नटसम्राट का गणपत बेलवलकर और वेलकम का उदय शेट्टी-ये सभी नाना के अलग-अलग चेहरे हैं, लेकिन इनके पीछे एक ही कलाकार है, जो अभिनय को दिखाता नहीं था, संवेदनशीलता के साथ जीता था। नाना पाटेकर का जीवन हमें यह संदेश देता है कि प्रतिभा अवसर की मोहताज नहीं होती। जिस किशोर ने कभी 35 रुपये महीने के लिए फिल्म पोस्टर रंगे थे, वही आगे चलकर तीन राष्ट्रीय पुरस्कारों और पद्मश्री से सम्मानित हुआ। भारत ने एक अभिनेता खोया है, लेकिन उसकी कला, आवाज, संवाद, संघर्ष और संवेदनशील नागरिक की छवि लंबे समय तक जीवित रहेगी। नाना पाटेकर की सबसे बड़ी फिल्म शायद उनका अपना जीवन था-संघर्ष से शुरू हुई, संवेदना से समृद्ध हुई और कर्म की सच्चाई पर समाप्त हुई।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में फिर कांपी धरती: पश्चिमी क्षेत्र में आया 4.1 तीव्रता का भूकंप, कई जिलों में महसूस किए गए झटके

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पश्चिमी हिस्से में बुधवार रात 4.1 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके बजुरा के साथ आसपास के कई जिलों में भी महसूस किए गए। हालांकि, अभी तक कहीं से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर सामने नहीं आई है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के मुताबिक, भूकंप बुधवार रात स्थानीय समयानुसार 9:37 बजे आया। भूकंप का केंद्र सुदूरपश्चिम प्रांत के बजुरा जिले की बुधीगंगा नगरपालिका-10 में जमीन के भीतर था। यह जगह राजधानी काठमांडू से करीब 750 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। भूकंप के झटके बजुरा के अलावा पड़ोसी बाजहांग, कालिकोट और अछाम जिलों में भी महसूस किए गए। अचानक धरती हिलने से इन इलाकों में लोगों को भूकंप का अहसास हुआ, हालांकि फिलहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। नेपाल में सालभर छोटे-बड़े भूकंप आते रहते हैं। हिमालयी क्षेत्र में स्थित होने की वजह से यह देश दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय इलाकों में शामिल है। नेपाल का बड़ा हिस्सा भूकंपीय क्षेत्र 4 और 5 में आता है, जिसके चलते यहां भूकंप का खतरा हमेशा बना रहता है।

क्रिस्टा पाइक की नाकाम कोशिश के बाद अमेरिका में पहली फांसी

टेक्सास , एजेंसी। टेक्सास में 46 वर्षीय जमाल हॉवर्ड को बुधवार शाम घातक इंजेक्शन देकर फांसी दी गई। वह इस साल अमेरिका में फांसी दिए जाने वाला 30वां व्यक्ति और टेनेसी में क्रिस्टा पाइक को घातक इंजेक्शन देने की नाकाम कोशिश के बाद देश में फांसी पाने वाला पहला कैदी है। हंट्सविले की जेल में पेंटोबार्बिटल की घातक खुराक दिए जाने के बाद हॉवर्ड को रात 8:03 बजे मृत घोषित किया गया। उसे 2000 में सिसबी शहर के एक स्टोर में डकैती के दौरान 42 वर्षीय कर्मचारी विकी स्वार्टआउट की गोली मारकर हत्या करने का दोषी ठहराया गया था। घटना की निगरानी कैमरे की फुटेज भी अदालत में सबूत के तौर पर पेश की गई थी। फांसी से पहले 70 किलोमीटर की यात्रा के दौरान हॉवर्ड अधिकारियों से बातचीत करता रहा और प्रक्रिया को लेकर सवाल पूछता रहा। अंतिम बयान में उसने पीड़िता के परिवार से माफी मांगी।

दो करोड़ लोगों से लिया शुल्क, गूगल के खिलाफ ब्रिटेन में मुकदमा शुरू

लंदन, एजेंसी। प्ले स्टोर पर पेड सुविधा, गेमिंग आइटम या इन-ऐप सब्सक्रिप्शन पर ऐप डेवलपर्स से 30% तक की फीस लेने के मामले में गूगल को ब्रिटेन में बड़ा झटका लगा है। लंदन की अदालत में इस मामले पर कंपनी के खिलाफ मुकदमा शुरू हो गया है। मुकदमे का मुख्य आरोप यह है कि गूगल के इस भारी कमीशन के कारण ऐप डेवलपर्स को अपने ऐप्स और सर्विसेज के दाम बढ़ाने पड़े। मामले की अगुवाई कर रहीं उपभोक्ता नीति विशेषज्ञ लिज कोल का कहना है कि ब्रिटेन के लगभग 2 करोड़ उपभोक्ताओं ने अनजाने में इन छिपे हुए शुल्कों के कारण ऐप्स और गेम्स के लिए ज्यादा कीमत चुकाई है। शिकायतकर्ता का दावा है कि गूगल ने मोबाइल बाजार में अपनी मजबूत स्थिति का गलत इस्तेमाल (एकाधिकार का दुरुपयोग) किया है, इसलिए ग्राहकों का पैसा वापस मिलना चाहिए। वहीं अपने बचाव में गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट का कहना है कि एंड्रॉयड प्लेटफॉर्म उपभोक्ताओं को अन्य ऐप स्टोर इस्तेमाल करने की पूरी आजादी देता है।

काला सागर में सुरक्षा पर रूस-यूक्रेन युद्ध का असर

सोफ़िया, एजेंसी। बुल्गारिया की राष्ट्रपति इलियाना योतोवा ने कहा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण काला सागर क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति में 'महत्वपूर्ण गिरावट' आई है। बुल्गारिया के तट के पास ड्रोन हमलों में दो वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाए जाने के बाद सुरक्षा परिषद की आपात बैठक हुई। हमलों में टोगो-ध्वज वाला जहाज अल्फा वतन गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होकर डूब गया, जबकि पलाऊ-ध्वज वाला एबल आग लगने के बाद क्षतिग्रस्त हुआ। एबल के सभी 18 चालक दल के सदस्यों को बचा लिया गया, लेकिन अल्फा वतन के चालक दल की तलाश बुधवार को रोक दी गई और किसी जीवित व्यक्ति या शव का पता नहीं चल सका।

सऊदी एयरपोर्ट पर हूतियों का हमला, 3 की मौत

ड्रोन-मिसाइल हमले में 36 घायल; जवाब में यमन के 80 ठिकानों पर सऊदी की एयरस्ट्राइक

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब के दो एयरपोर्ट्स पर हूती विद्रोहियों ने ड्रोन और मिसाइल से हमले किए। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई है। साथ ही 36 लोग घायल हुए हैं। सऊदी अरब की जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन ने बुधवार को यह जानकारी दी। आभा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को 6 और 7 अक्टूबर को निशाना बनाया गया। हूती विद्रोहियों ने दोनों हमलों की जिम्मेदारी ली है। वहीं, यमन में सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि उसने हूतियों के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की है।

विदेशी नागरिकों ने हमले में जान गवाई : आभा एयरपोर्ट पर हमले में मोरक्को और अल्जीरिया की दो महिला नागरिकों की मौत हुई। साथ ही यहां 28 लोग घायल हुए, जिनमें सऊदी, बांग्लादेशी और फिलीपींस के नागरिक शामिल हैं। वहीं, किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक सूडानी नागरिक की मौत हुई। यहां 8 लोग घायल हुए, जिनमें 5 सऊदी नागरिक, 2 मिस्र के निवासी और एक पाकिस्तानी निवासी शामिल हैं।

जीएसीए ने बताया कि सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। साथ ही अधिकारी सुविधाओं की सुरक्षा की जांच कर रहे हैं और यात्रियों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठा रहे हैं।

हूतियों ने अरामको रिफाइनरी पर हमले का भी दावा किया : इससे पहले हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने सऊदी अरब में कई जगहों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने की जिम्मेदारी ली थी। इसमें रबीघ में स्थित दुनिया की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी अरामको पर हमला भी शामिल है। सरी ने टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा कि संगठन ने बड़ी संख्या में बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए तीन बड़े सैन्य अभियान चलाए। पहले हमले में रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया। सरी ने दावा किया कि हमला सीधे लक्ष्य पर हुआ और इससे हवाई यातायात प्रभावित हुआ। दूसरे हमले में रबीघ स्थित अरामको की तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया गया। सरी ने दावा किया कि हमले के बाद वहां आग लग गई। तीसरे हमले में हूतियों ने आभा एयरपोर्ट, खमिस मुशैत एयरबेस और असीर क्षेत्र के अकिफा कैंप को निशाना बनाने का दावा किया। इसके अलावा नजरा और जिजान में अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों पर भी हमले किए जाने की बात कही गई। सरी ने दावा किया कि ये हमले यमन पर सऊदी अरब के हमलों के जवाब में किए गए। उनके मुताबिक, इससे पहले के 24 घंटों में सऊदी अरब ने यमन पर 60 हवाई और मिसाइल हमले किए थे।

सऊदी ने यमन में मिसाइल लॉन्च करने वाला ठिकाना नष्ट किया : इस बीच, यमन में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने दावा किया कि उसने रियाद पर हमले के लिए इस्तेमाल किए गए एक बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च प्लेटफॉर्म को नष्ट कर दिया है। गठबंधन के प्रवक्ता कर्नल तुर्की अल-मालिकी ने कहा कि यह कार्रवाई यमन की राजधानी सना में की गई। उनके मुताबिक, वहां सऊदी अरब पर एक और हमले की तैयारी चल रही थी और हमला जल्द किया जा सकता था। यमन में हूतियों के खिलाफ सैन्य अभियान जारी यमन सरकार हूती विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य अभियान चला रही है। इसका मकसद यमन और बाब अल-मंदेब स्ट्रेट के पास कब्जाए इलाकों को वापस पाना है। इस सैन्य अभियान में यमन सरकार को सऊदी अरब से समर्थन मिल रहा है। सितंबर में हूतियों ने यमन के लाल सागर तट पर तेजी से बढ़ते हुए मोचा शहर और बाब अल-मंदेब के आसपास के कई अहम इलाकों पर कब्जा कर लिया था। इससे इस रणनीतिक समुद्री रास्ते पर हूतियों की पकड़ मजबूत हो गई थी। लेकिन अब तस्वीर बदल गई है। 5 अक्टूबर को सऊदी समर्थित यमनी सेना ने हूतियों के खिलाफ बड़ा जवाबी अभियान शुरू किया। यमनी सेना ने बाब अल-मंदेब के पास धुबाब इलाके और कई अहम ठिकानों पर दोबारा कब्जे का दावा किया। इसके बाद सेना मोचा की तरफ बढ़ी और यमनी सरकार ने शहर को भी हूतियों से वापस लेने का दावा किया। रॉयटर्स के मुताबिक, सरकारी बलों ने हूतियों को पिछले महीने कब्जे में लिए गए ज्यादातर इलाकों से पीछे धकेल दिया है। अल जजीरा के मुताबिक, हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने दावा किया कि पिछले 24 घंटे में संगठन ने यमन में सरकारी बलों के 11 ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमले किए। सरी के मुताबिक, यमनी सरकार के बलों को बाब अल-मंदेब के पास प्रमुख रास्तों पर निशाना बनाया गया। उन्होंने दावा किया कि इन हमलों में दर्जनों लोग हताहत हुए, जिनमें सैन्य कमांडर भी शामिल थे। कई गाड़ियां भी नष्ट हो गईं।

एफबीआई की सतर्कता से टली बड़ी मुसीबत, मॉल ऑफ अमेरिका पर हमले की साजिश नाकाम

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने बुधवार को दावा किया कि उसने मॉल ऑफ अमेरिका पर हमले की साजिश को नाकाम कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि एफबीआई के एजेंट ही आईएसआईएस के आतंकी बनकर आरोपी किशोर के संपर्क में थे। एजेंट्स ने ही किशोर के कहने पर हमले की योजना बना रहे किशोर को असॉल्ट राइफल मुहैया कराई थी। हालांकि हमले को अंजाम देने से पहले ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

एफबीआई ने क्या बताया: अधिकारियों ने बताया कि 18 वर्षीय युवक करीब दो साल से जांच के दायरे में था और इस दौरान वह एफबीआई के एक गोपनीय मुखबिर के साथ लगातार संपर्क में था। बाद में एजेंटों ने उसे राइफल और गोला-बारूद बेचने का प्रस्ताव दिया। अमेरिकी अटॉर्नी डेनियल रोसेन ने एफबीआई की जांच की सराहना करते हुए कहा, 'यह एक कट्टरपंथी विचारों वाला युवक था, जिस पर नजर रखने की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि एजेंटों ने 'खतरे का पता लगाने और उसे रोकने में सफलता हासिल की, इससे पहले कि आरोपी अपनी उस मंशा को अंजाम दे पाता, जिसके तहत, उसके अपने शब्दों में, वह 30 से 60 लोगों की हत्या करना चाहता था।' शिकायत के अनुसार, 18 वर्षीय शेखदून अब्दुल्लाही मोहम्मद को मंगलवार को मॉल ऑफ अमेरिका से कई मील उत्तर-पश्चिम में रिचफील्ड के एक सार्वजनिक पार्क से गिरफ्तार किया गया। उसने आईएसआईएस के सदस्य के रूप में खुद को पेश कर रहे एफबीआई के एक अंडरकवर एजेंट को एके-47 राइफल और 200 राउंड गोलियां खरीदने के लिए 600 अमेरिकी डॉलर दिए थे।

शिकायत में कहा गया है कि एफबीआई के एक गोपनीय सूत्र के साथ टेक्स्ट संदेशों में मोहम्मद ने गैर-मुस्लिम लोगों की हत्या के लिए हमला करने की अपनी मंशा बार-बार जाहिर की थी।

टेक्सास में ट्रंप की रैली में प्रदर्शनकारियों ने डाला खलल

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार रात टेक्सास के सैन एंटोनियो में रिपब्लिकन सीनेट उम्मीदवार केन पैक्सटन के समर्थन में रैली की। ट्रंप का लक्ष्य ऐसे समय में टेक्सास के मतदाताओं को रिपब्लिकन पार्टी के पक्ष में लामबंद करना है, जब राज्य में डेमोक्रेट्स की चुनौती बढ़ रही है। रैली के दौरान कम से कम एक दर्जन प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप के भाषण को बार-बार बाधित किया और कुछ को पुलिस ने बाहर निकाल दिया।

एक प्रदर्शनकारी के विरोध के बाद ट्रंप कुछ देर के लिए माइक्रोफोन से दूर चले गए। उन्होंने ईरान युद्ध को लेकर अपनी हालिया टिप्पणी पर भी सफाई दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर ईरान किसी अमेरिकी शहर पर हमला करता है तो अमेरिका इसकी अनुमति नहीं देगा। ट्रंप ने कहा, 'हम अपने शहरों की रक्षा करते हैं। हम अपने देश की रक्षा करते हैं। टेक्सास लंबे समय से रिपब्लिकन पार्टी का मजबूत गढ़ रहा है, लेकिन इस बार राष्ट्रपति की कम अप्रूवल रेटिंग, ईरान युद्ध और बढ़ती गैस कीमतों ने रिपब्लिकन नेताओं की चिंता बढ़ा दी है। ट्रंप एक महीने से भी कम समय में तीसरी बार टेक्सास पहुंचे हैं और पार्टी ने राज्य में चुनावों के लिए अब तक 30 करोड़ डॉलर से अधिक खर्च किए हैं। रिपब्लिकन गवर्नर ग्रेग एबॉट ने रैली में हिस्सा नहीं लिया, जिस पर डेमोक्रेट्स ने निशाना साधा। वहीं, सीनेट की दौड़ में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जेम्स तालारिको की मजबूत फंडरेजिंग और पैक्सटन से जुड़े विवादों ने मुकाबले को कड़ा बना दिया है। ट्रंप ने पैक्सटन को 'शायद अमेरिका के सबसे महान अटॉर्नी जनरल' बताया और उनके समर्थन में जोरदार अपील की, जबकि उन्होंने अपना अधिकांश भाषण तालारिको पर हमले करने में खर्च किया।

घाना के मंत्रिमंडल ने ब्रिक्स में शामिल होने के प्रस्ताव को मंजूरी दी

अक्रा (घाना), एजेंसी। घाना के विदेश मंत्री सैम ओकुदजेटो अबलाकवा ने बुधवार को कहा कि मंत्रिमंडल ने ब्रिक्स का सदस्य बनने के निर्णय को मंजूरी दे दी है और अब यह अफ्रीकी देश इस समूह में शामिल होने के लिए औपचारिक रूप से आवेदन करेगा. वहीं, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि नई दिल्ली, घाना की इस आकांक्षा के प्रति ''काफी सहानुभूतिपूर्ण और सहयोगी'' रहा है. जयशंकर अफ्रीका के तीन देशों के दौरे के पहले चरण में मंगलवार को घाना पहुंचे. उनके इस दौरे में कोट डी आइवर और इथियोपिया भी शामिल हैं. घाना द्वारा ब्रिक्स को लेकर यह घोषणा ऐसे समय की गई, जब जयशंकर ने अपनी यात्रा के दौरान वहां के नेतृत्व के साथ बैठक की है. जयशंकर और अबलाकवा ने बुधवार को अपनी बैठक के बाद संयुक्त रूप से मीडिया को संबोधित किया. अबलाकवा ने कहा कि घाना ''भारत, ब्राजील और चीन जैसे पुराने साझेदारों'' के साथ भी संबंध

मजबूत करना चाहता है, जिनके साथ इस पश्चिम अफ्रीकी देश के पहले से ही व्यापक व्यापार और निवेश संबंध हैं. सैम ओकुदजेटो अबलाकवा ने कहा कि ब्रिक्स की सदस्यता से घाना को अपनी अर्थव्यवस्था को बदलने, नौकरियां सृजित करने, औद्योगीकरण करने और 'संसाधन संप्रभुता' के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए ज़्यादा विकल्प मिलेंगे. उन्होंने कहा कि घाना अब सदस्यता के लिए औपचारिक रूप से आवेदन करने और मौजूदा ब्रिक्स सदस्यों का समर्थन हासिल करने की दिशा में कदम उठाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि सदस्यता मिलने के लिए अंततः समूह की मंजूरी की जरूरत होगी. जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों ने कृषि अनुसंधान और प्रशिक्षण तथा जैव-विविधता पर समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं. अफ्रीका हमारे दिलों में बसता है, हम आगामी पीढ़ियों के लिए साझेदारी करेंगेः जयशंकर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत और अफ्रीका को दीर्घकालिक साझेदार बताते हुए कहा कि आपूर्ति श्रृंखला में लचीलापन, रणनीतिक स्वायत्तता और 'ग्लोबल साउथ' में सहयोग जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए दोनों पक्षों को मिलकर काम करना चाहिए. जयशंकर ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''अफ्रीका हमारे दिल में बसता है और ऐसी साझेदारी करेंगे, जो केवल आज के लिए नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए होगी.' उन्होंने यह बात घाना के विदेश सेवा संस्थान में एक कार्यक्रम को संबोधित करने के बाद कही. जयशंकर मंगलवार को घाना पहुंचे. यह उनकी तीन अफ्रीकी देशों की यात्रा का पहला पड़ाव है और इसके बाद कोटे डी आइवर और इथियोपिया जाएंगे. विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यहां घाना के अपने समकक्ष सैम ओकुदजेटो अबलाकवा से मुलाकात की तथा इस दौरान दोनों देशों ने बहुपक्षीय सहयोग और अफ्रीकी संघ तथा ईसीओडब्ल्यूएएस के साथ दिल्ली के बढ़ते जुड़ाव पर चर्चा की. उन्होंने घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा से भी मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों में आई गति पर बातचीत की. जयशंकर ने कहा कि उन्होंने घाना के अपने समकक्ष अबलाकवा के साथ व्यापक बातचीत की।

सीक्रेट मिशन का झांसा: सीआईए के पूर्व अफसर ने हड़पी सोने की सिल्लियां और 1843 करोड़

अलेक्जेंड्रिया, एजेंसी। अमेरिका की सबसे ताकतवर और खुफिया जासूसी एजेंसी 'सीआईए' के भीतर से एक ऐसा सनसनीखेज फर्जीवाड़ा सामने आया है, जिसने सुरक्षा और ऑडिटिंग व्यवस्था की धज्जियां उड़ा दी हैं। एजेंसी के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने अत्यंत गोपनीय सरकारी मिशन का झूठा ताना-बाना बुनकर सरकार के खजाने से सैकड़ों सोने की सिल्लियां और अरबों रुपए के फंड अपने निजी ऐशो-आराम के लिए हड़प लिए। वर्जीनिया की संघीय अदालत में मंगलवार को 49 वर्षीय पूर्व सीआईए अधिकारी डेविड जे. रश ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, रश

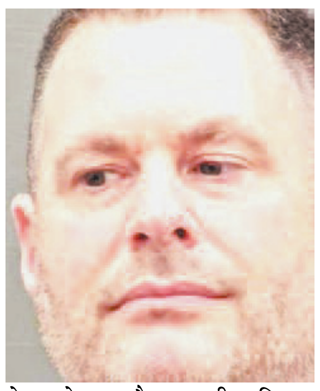

ने अपने पद और सरकारी अधिकार का दुरुपयोग करते हुए 40 मिलियन डॉलर (करीब 380 करोड़ रुपये) से अधिक की सोने की सिल्लियां और फ्लोरिडा में करोड़ों की लग्जरी संपत्तियां अवैध रूप से हासिल की थीं। अमेरिकी न्याय विभाग (डोजे) के अनुसार, रश के इस सुनियोजित फर्जीवाड़े से अमेरिकी संघीय सरकार को कुल मिलाकर लगभग 194 मिलियन डॉलर (करीब 1,843 करोड़ रुपये) का भारी नुकसान हुआ है। रश ने वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप स्वीकार कर लिया है, जिसके तहत उसे अधिकतम 20 साल की जेल की सजा हो सकती है। जिला जज माइकल नचमनॉफ आगामी 28 जनवरी 2027 को रश की सजा का ऐलान करेंगे। जांच में सामने आया कि रश ने सरकारी पैसे और सोने पर हाथ साफ करने के लिए एक काल्पनिक जासूसी ऑपरेशन की पटकथा तैयार की थी। रश ने सहयोगियों और सरकारी ठेकेदारों से झूठ बोला कि वह उच्चाधिकारियों द्वारा अधिकृत एक अत्यंत संवेदनशील राष्ट्रीय सुरक्षा गतिविधि पर काम कर रहा है। इसी बहाने उसने संघीय खजाने से सोने की सिल्लियां जारी करवा लीं। इसके बाद डेविड जे. रश ने 145 मिलियन डॉलर (करीब 1,377.5 करोड़ रुपये) सरकारी रकम को अपनी एक शेल कंपनी में ट्रांसफर करा लिया। इस पैसे से उसने पाम बीच और होब साउंड (साउथ फ्लोरिडा) में 4 आलीशान संपत्तियां खरीदीं, जिन्हें वह बाद में ऊंचे दामों पर बेचकर व्यक्तिगत मुनाफा कमाना चाहता था।

ट्रंप की नोबेल शांति पुरस्कार पर फिर दावेदारी: बोले- आठ युद्ध रुकवाए, सम्मान नहीं मिला तो समिति की होगी बदनामी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर नोबेल शांति पुरस्कार पर अपना दावा ठोक दिया है। उनका कहना है कि उन्होंने दुनिया में आठ युद्ध खत्म कराए हैं और ऐसे काम किए हैं, जो उनसे पहले किसी ने नहीं किए। ट्रंप ने साफ कहा कि अगर इतने बड़े काम करने के बाद भी उन्हें यह सम्मान नहीं मिलता, तो इससे नोबेल पुरस्कार देने वाली समिति की साख को नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने ये बातें बुधवार दोपहर व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं। नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को नॉर्वे की नोबेल समिति करने वाली है।

मैंने आठ युद्ध खत्म कराए : ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में अपने कामों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसे कदम उठाए हैं, जिनकी मिसाल पहले देखने को नहीं मिली। उन्होंने कहा, 'मैंने वो काम किए हैं, जो किसी और ने कभी नहीं किए। मैं अपनी तारीफ नहीं कर रहा, बल्कि सिर्फ तथ्य बता रहा हूं। शायद ही किसी राष्ट्रपति ने कभी कोई युद्ध खत्म कराया हो। मैंने आठ युद्ध खत्म कराए हैं।'

सम्मान नहीं मिला तो नोबेल समिति पर उठेंगे सवाल : अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि नोबेल समिति की छवि ऐसी रही है कि वह शायद उनके जैसे व्यक्ति को यह पुरस्कार नहीं देना चाहती। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पुरस्कार मिले या न मिले, वह पहले ही बहुत कुछ कर चुके हैं। ट्रंप के मुताबिक, जब कोई नेता आठ युद्ध

रुकवाने का दावा करता है, तो उसके योगदान को नजरअंदाज करना समिति के लिए बड़ा नुकसान साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि वह यह बात किसी नाराजगी या तंज के तौर पर नहीं, बल्कि अपने कामों के आधार पर कह रहे हैं।

आठ महीने से जारी युद्ध पर भी ट्रंप की नजर : ट्रंप ने संकेत दिया कि उनकी युद्ध रुकवाने की कोशिशें अभी खत्म नहीं हुई हैं और वह एक और संघर्ष को सुलझाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। माना जा रहा है कि उनका इशारा अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध की ओर था, जो अब आठवें महीने में पहुंच चुका है। ट्रंप ने इस संभावित पहल को लेकर विस्तार से कुछ नहीं बताया, लेकिन उनके बयान से साफ है कि वह अपने शांति प्रयासों को नोबेल पुरस्कार के दावे का अहम आधार बना रहे हैं। ट्रंप ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा को 2009 में मिले नोबेल शांति पुरस्कार का जिक्र करते हुए कहा कि वह खुद इस सम्मान के ज्यादा हकदार हैं। उन्होंने ओबामा पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें आज तक समझ नहीं आया कि यह पुरस्कार किस वजह से मिला था। ट्रंप के मुताबिक, ओबामा को राष्ट्रपति चुने जाने के तुरंत बाद ही यह सम्मान दे दिया गया था।

रूसी लैब में कर्मचारी की मौत पर डब्ल्यूएचओ ने मांगी जानकारी, प्लेग की आशंका, खतरे का अभी पता नहीं

जिनेवा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक डॉ. टैड्रोस ऐडरेनॉम गैबरेयेसस ने रूस के एक प्लेग संबंधी लैब में एक कर्मचारी की मौत पर सरकार से और जानकारी मांगी है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के पास अभी तक घटना की पूरी जानकारी नहीं है, जिससे वह खतरे का आकलन करने में असमर्थ है. एक मीडिया ब्रीफिंग में बुधवार को टेड्रोस ने कहा कि शुरुआती मीडिया रिपोर्ट्स में इरकुत्स्क एंटीप्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट में लैब में अचानक से हुए न्यूमोनिक प्लेग के संदिग्ध मामले का सुझाव दिया गया था. टेड्रोस ने कहा, 'पिछले शुक्रवार 2 अक्टूबर को रशियन फेडरेशन में इरकुत्स्क एंटीप्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट में एक लैब वर्कर में न्यूमोनिक प्लेग के संदिग्ध मामले की पहली मीडिया रिपोर्ट सामने आई।

उन्होंने आगे कहा, 'लैब वर्कर की गंभीर निमोनिया के कारण अस्पताल में भर्ती होने के बाद मौत हो गई. शुरुआती मीडिया रिपोर्ट्स में लैब में अचानक से हुए न्यूमोनिक प्लेग के संदिग्ध मामले का सुझाव दिया गया था.' टेड्रोस ने कहा कि डब्ल्यूएचओ को पता था कि रूसी सरकार ने 2 अक्टूबर को एक मीटिंग की थी, जब उन्हें शक था कि इरकुत्स्क ओब्लास्ट के एक रहने वाले को खतरनाक इंफेक्शन हो गया है. उन्होंने कहा, 'शनिवार को डब्ल्यूएचओ ने इंटरनेशनल हेल्थ रेगुलेशंस के मुताबिक रूसी

फेडरेशन से और जानकारी मांगी। टेड्रोस के मुताबिक रूस ने मंगलवार को जवाब दिया कि इरकुत्स्क ओब्लास्ट में हाल ही में प्लेग का कोई मामला सामने नहीं आया है, जबकि करीब 200 कॉन्टैक्ट्स को क्वारंटाइन में रखा गया है. उन्होंने कहा, 'हालांकि डब्ल्यूएचओ ने मरने वाले व्यक्ति और कॉन्टैक्ट्स पर किए गए लैब टेस्ट्स के बारे में और जानकारी मांगी है. पब्लिक हेल्थ उपायों को क्यों शुरू किया गया, इस बारे में और डिटेल मांगी है, और कॉन्टैक्ट्स की हेल्थ स्टेटस के बारे में डिटेल मांगी है.' डब्ल्यूएचओ ने एक दूसरे कर्मचारी के बारे में मीडिया रिपोर्ट्स की वेरिफिकेशन की भी मांग की है, जिसे बिना पता चले निमोनिया होने की खबर मिली थी. टेड्रोस ने कहा, 'हमने एक दूसरे कर्मचारी के बारे में मीडिया रिपोर्ट्स की वेरिफिकेशन की भी मांग की है, जिसे बिना पता चले निमोनिया हुआ है.' उन्होंने आगे कहा कि डब्ल्यूएचओ ने प्लेग के साथ-साथ लैब बायोसेफ्टी और बायोसिक्योरिटी से जुड़ी टेक्निकल मदद की पेशकश की है. टेड्रोस ने कहा, 'क्योंकि हमारे पास अभी इस घटना की पूरी जानकारी नहीं है, इसलिए हम पूरा रिस्क असेसमेंट नहीं कर पा रहे हैं.' उन्होंने आगे कहा, 'इंटरनेशनल हेल्थ रेगुलेशंस के तहत समय पर पूरी और ट्रांसपेरेंट जानकारी शेयर करना, अलग-अलग रिपोर्ट्स को साफ करने और संभावित पब्लिक हेल्थ रिस्क का सही असेसमेंट करने के लिए जरूरी है.' उसी मीडिया ब्रीफिंग में टेड्रोस ने बच्चों और किशोरों में बढ़ते मोटापे से निपटने के लिए डब्ल्यूएचओ की नई गाइडलाइंस पर भी ज़ोर दिया. उन्होंने कहा कि पिछले 25 सालों में बच्चों और किशोरों में मोटापे का फैलाव चार गुना बढ़ गया है, जो 2 परसेंट से बढ़कर 8 परसेंट हो गया है. टेड्रोस ने कहा, 'दुनिया भर में 170 मिलियन से ज़्यादा बच्चे और किशोर अब मोटापे के साथ जी रहे हैं.' नई गाइडलाइंस में मोटापे से जूझ रहे बच्चों और किशोरों के लिए डाइट, व्यवहार और फिजिकल एक्टिविटी में स्ट्रक्चर्ड बदलावों की ज़ोरदार सलाह दी गई है।

हेल्थ प्लस

चर्बी घटाने के लिये रोजाना पीयें तीन प्याला हरी चाय

निस्संदेह कसरत करना चर्बी घटाने का बेहतर तरीका है लेकिन एक नया शोध कहता है कि वजन कम करने में रोजाना तीन प्याला हरी चाय भी मददगार हो सकती है।

डेली मेल के अनुसार एक अंतरराष्ट्रीय समूह ने यह शोध किया और पाया कि रोजाना तीन प्याला हरी चाय पीने से जंक फूड लेने के बावजूद अतिरिक्त चर्बी घटाने में मदद मिल सकती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक हरी चाय ज्वलनशील रसायन उत्पन्न करती है जो चर्बीयुक्त कोशिकाएं बनने से रोकते हैं। ये रसायन उच्च रक्त चाप को भी नियंत्रित करते हैं।

क्विंसलैंड यूनिवर्सिटी के प्रमुख शोधकर्ता डा. लिंडसे ब्राउन और उनके साथी हरी चाय, स्पीयरमिंट, अंगूर की जड़ों और जैतून की पत्तियों के मिश्रण से बनी चाय स्पीरोल टी के प्रभाव का अध्ययन करने के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचे।

चूहों के एक समूह को चीनी युक्त आहार दिया गया। इससे उनके पेट के आसपास की चर्बी आठ सप्ताह में बढ़कर दोगुनी हो गयी। उनका रक्तचाप भी बढ़ गया। जब से उन्हें स्पीरोल टी देना शुरू की गयी, उनके पेट का आकार और रक्तचाप सामान्य हो गया।

उबासी में हैं बड़े गुण

उबासी पर आए नए शोध न केवल मानव शरीर के आंतरिक क्रियाओं के रहस्यों को जानने में मददगार साबित हो रहे हैं, बल्कि कुछ और रहस्यों से पर्दा भी उठा रहे हैं।

मानव और उसके सच्चे साथी कहे जाने वाले कुत्ते के बीच संबंधों का तानाबाना तलाशते-तलाशते बात उबासी तक पहुंच गई है। लंदन के वर्कबैक कॉलेज द्वारा कराए गए हालिया शोध में कुछ ऐसा ही दावा किया गया है। उबासी पर प्रयोगों में साबित हुआ है कि मानव शरीर की तमाम क्रियाओं के प्रति कुत्ते की संवेदनशीलता का नजदीकी संबंध है।

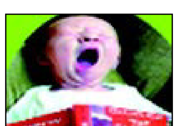

शोध में 29 कुत्तों को लिया गया और पाया गया कि उसके नजदीक मनुष्य को यदि उबासी आती है तो 72 प्रतिशत मामलों में उसके नजदीक बैठे कुत्तों को भी उबासी आती है। इसको इस तरह से भी देखा जा रहा है कि मनुष्य की आंतरिक क्रियाओं के के प्रति कुत्तों की संवेदनशीलता के तार उससे भी ज्यादा जुड़े हो सकते हैं जहां तक मनुष्य ने समझा है।

उबासियों को मानव शरीर की क्रियाओं की शुरूआत के तौर पर भी देखा जाता है, मसलन उबासी के बाद ही यूस्टेचियन ट्यूब खुलती है, फेफड़े फूलते हैं और एक झटके से मनुष्य की सुस्ती दूर हो जाती है। उबासियों का मनुष्य की तंत्रिका तंत्र से कितना गहरा लगाव है इसको इस तरह से भी समझा जा सकता है कि स्ट्रोक के शिकार व्यक्ति को भी उबासी के दौरान उसके लकवाग्रस्त अंगों में हरकत आ जाती है। स्ट्रोक से प्रभावित व्यक्ति पर यह प्रयोग ब्रिटेन की एक प्रयोगशाला में सर फ्रांसिस वाल्श के नेतृत्व में हो रहे हैं। इन्हीं प्रयोगों के रहस्यों से पर्दा उठाकर वैज्ञानिक लकवाग्रस्त अंगों को फिर से ठीक करने की जुगत लगा रहे हैं।

अब तक के शोध के कुछ बिंदु

अमूमन एक उबासी का चक्र 6 सेकेंड में पूरा हो जाता है। यह कभी आधी-अधूरी नहीं होती।

उबासी रीढ़धारी जीवों में आदि काल से मानी जाती है। वैज्ञानिक मानते हैं कि एक-दूसरे की देखादेखी उबासी लेने की प्रक्रिया बाद में शुरू हुई होगी।

मनुष्य की एक प्रक्रिया से दूसरे में जाते समय भी उबासी के लक्षण तंत्रिका तंत्र की खास प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। मसलन नींद से जागने, जागने से सोते जाते समय या फिर ऐसी ही क्रियाओं के समय भी उबासी के लक्षण इस बात का प्रमाण हैं।

त्रिविमीय स्केनरों के आने के बाद यह सिद्ध हो गया है कि गर्भ में दो महींने का बच्चा भी उबासियां लेने लगता है।

बढ़ते बच्चों की फिटनेस

फिट रहने की चाह आजकल सब में बढ़ती जा रही है। इस मॉडर्न दौर में लोग अपने आप को फिट रखने के लिए अधिक से अधिक प्रयास कर रहे हैं और जो होना भी चाहिए।

अगर पैरेन्ट्स यह आदत बच्चों में शुरू से ही डाल दें कि शरीर को फिट रखना अच्छी सेहत के लिए कितना जरूरी है तो वे शुरू से ही फिट रहेंगे।

बच्चों की फिटनेस के लिए कुछ खास बातों पर ध्यान दें-

बच्चों को डेली रूटीन में एक्सरसाइज करनी चाहिए, जो सुबह या शाम के समय में कर सकते हैं। जो बच्चे जिम में जाते हैं वे इस बात का ध्यान रखें कि हैवी वेट एक्सरसाइज उन्हें नहीं करनी चाहिए। लाइट वेट एक्सरसाइज, कार्डियो, एरोबिक्स, स्ट्रैचिंग और योगा ही करनी चाहिए और इसके अलावा पार्क में फुटबाल, वॉलीवाल और जोगिंग भी कर सकते हैं। गर्मियों में स्वीमिंग करना भी अच्छी एक्सरसाइज है।

बच्चों की अच्छी डाइट भी फिटनेस के लिए बहुत जरूरी है। बच्चों को प्रोटीन, विटामिन्स, कार्बोहाइड्रेट्स सही मात्रा में मिलना चाहिए क्योंकि बच्चों के मसल्स डवलप होते समय उनको यह मिलने से उनकी ग्रोथ भी अच्छी होगी। इन सब बातों का ध्यान देने से बच्चे फिट और सही हाइट का लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।

जल आधारित भोजन से कुछ घटता ही है वजन

पानी जीवन का आधार, बिन पानी सब सून। पहले प्यास बुझाने के लिए पानी पिया जाता था, बाद में शोधों से पता चला कि पानी में ढेरों औषधीय गुण विघमान हैं, चुनांचे ज्यादा पानी पीने की सलाह दी जाने लगी। अब विज्ञानी नई खबर लेकर आए हैं और वह यह कि अगर स्लिम-ट्रिम होने के लिए आप गिलास पर गिलास पानी पेट में उतार रहे हैं तो समझ लें समय बरबाद कर रहे हैं। यानी ज्यादा पानी पीने से किसी भी सूरत में वजन कम नहीं होता है।

डायटीशियन लोगों को रोजाना कम से कम आठ गिलास पानी पीने की सलाह देते हैं। पानी का वजन पर पड़ने वाले प्रभाव के आकलन के लिए वैज्ञानिकों ने हाल में कई शोध किए। इनमें से एक रिसर्च में उन्होंने 1000 महिलाओं के बेट और वेस्ट यानी वजन और कमर के आकार का अध्ययन इस आधार पर किया कि वे प्रतिदिन कितना पानी पी रही हैं और उसे किस रूप में ले रही हैं। शोधकर्ता यह जानकर हैरान रह गए कि वजन कम करने के लिए ये महिलाएं ज्यादा पानी पी रही थीं, लेकिन अधिक पानी तथा वेट लूज में किसी तरह का कोई संबंध नही बन पा रहा था। अलबत्ता एक अच्छी सूचना यह हाथ लगी कि इन 1000 महिलाओं में से जो जल आधारित भोजन ले रही थीं, उनके वेस्ट के आकार में मामली-सा बदलाव आया था। विज्ञानियों का कहना है कि इस फाइंडिंग के बाद सही तो यह होगा कि वे सभी लोग जो वजन कम करने के अभियान से जुटे हैं, ज्यादा पानी के बजाए फल, सब्जियां, जूस तथा सूप आदि लें। इससे शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिलेंगे और फाइबर अतिरिक्त चर्बी घटाने में मदद करेगा। इसके अलावा चाय, कॉफी और सॉफ्ट ड्रिंक्स तो हैं ही। पानी को वेट लूजर के रूप में इस्तेमाल करने के बारे में वैज्ञानिकों ने चेताया है कि ज्यादा पानी पी लेने से भूख कम लगती है। इसका सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ता है और व्यक्ति लो ब्लडप्रेशर का शिकार हो जाता है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका कतई यह मतलब नहीं है कि कम पानी पिया जाए। स्थान विशेष की जलवायु के हिसाब से शरीर खुद पानी की मांग करता है और उस मांग की आपूर्ति बेहद जरूरी है। पानी के बहाने शोधकर्ताओं ने एक अहम चेतावनी भी दी है। उनका कहना है कि पॉली या प्लाटिस्क की बोतलों में पैक पानी सेहत के लिए हानिकारक होता है। पानी को बॉटल में प्रोसेस करते समय कुछ कैमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है, जो दिल के दौरों के खतरे को दोगुना कर देते हैं।

आयु बढ़ाता है विटामिन 'डी'

लंबी आयु चाहते हैं तो नियमित तौर पर कुछ समय सूर्य के प्रकाश में गुजारा करें। एक नए अध्ययन के अनुसार सूर्य के प्रकाश से शरीर में विकसित होने वाला विटामिन डी मृत्यु दर को कम करता है। पहले हुए अध्ययनों ने भी इस आर संकेत दिया था कि सूर्य के प्रकाश से संभवत: कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ होते हैं जिनमें कैंसर, धमनियों की बीमारी और दमे से बचाव शामिल हैं। आस्ट्रिया के ग्राज विश्वविघालय ने पाया है कि सूर्य के प्रकाश से प्राप्त होने वाला विटामिन डी मृत्यु दर में कमी लाता है। यही विटामिन कैल्शियम के अवशोषण में शरीर को मदद करता है। 'दी डेली टेलीग्राफ' के अनुसार मुख्य अनुसंधानकर्ता हेराल्ड डोबनिग का कहना है कि यह पहला संयुक्त अध्ययन है जिसमें यह पता चला है कि विटामिन डी मृत्यु दर को प्रभावित करता है और इसका मृत्यु के प्राथमिक कारण से कोई लेना देना नहीं है। दूध और सालमोन मछली में विटामिन डी पाया जाता है। इसकी कमी से बच्चों को रिकेट्स बीमारी और बड़ों को गठिया हो सकता है। अध्ययन में औसतन 62 वर्ष आयुवर्ग के 3200 से अधिक लोगों का अनुसंधानकर्ताओं ने परीक्षण किया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-3-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। दान-पुण्य का कार्य करें। यात्रा शुभ रहेगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति होगी। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2612

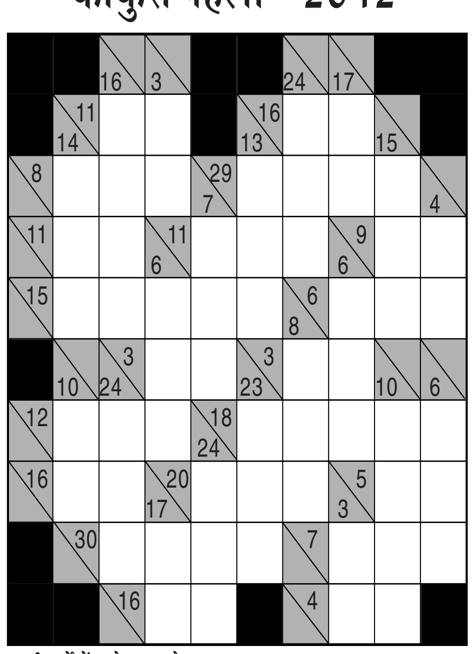

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

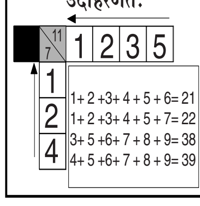

काकुरो - 2611 का हल

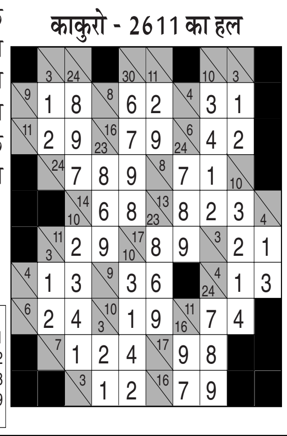

लॉफिंग ज़ोन

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बाते? करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

□ □ □

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2612

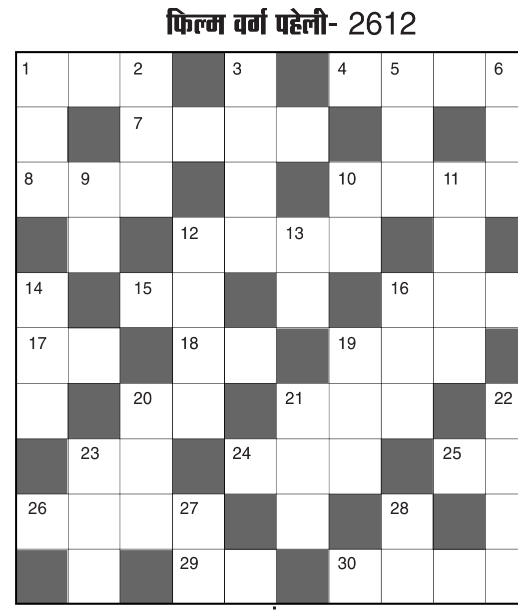

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'ऑखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2611

सूडोकु -2612

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2611 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

शब्द पहेली - 2612

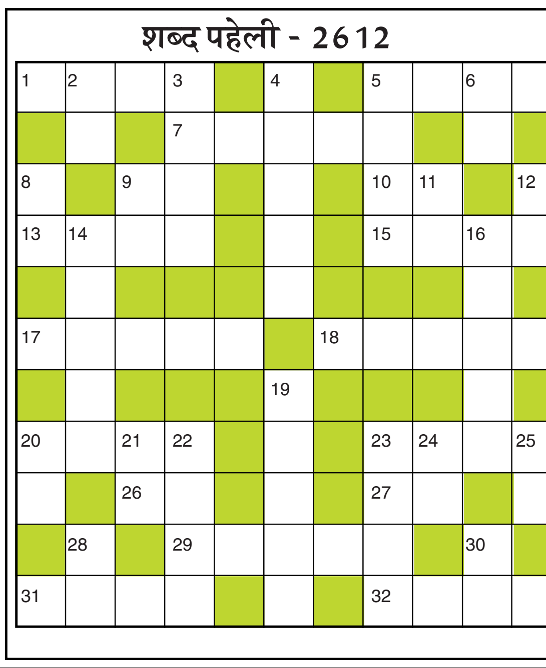

बाएँ से दाएँ

1.सफल,उत्तीर्ण-4
5.ओस,रजनीजल-4
7.फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9.महीना,मास-2
10.साल का बारहवां भाग-2
13.पुचकारना-4
15.विष्णु,चक्रधारी-4
17.निरुत्तर होना-5
18.अपनत्व-5
20.असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23.निकृष्ट,अल्पतर-4
26.अंधकार-2
27.बुरा आदत-2
29.रसायन संबंधी-5
31.ब्राम्हण,सम्राट-4
32.गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2.मां,आई,मदर-2
3.बारिश का गिरना-4
4.निर्माता,रचयिता-5
5.लज्जाना -4
6.मुलायम-2
8.उम्मीद-2
9.हार,जयमाल-2
11.हरे रंग का-2
12.वचन,प्रतिज्ञा-2
14.हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16.जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19.विलेन,नायक का विलोम-5
20.बादल-2
21.बुरी आदत-2
22.यम,मृत्यु का देवता-4
23.पानी के बहने की आवाज-2,2
24.वोट,अभिमत-2
28.इस जगह-2
30.कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 2611 का हल

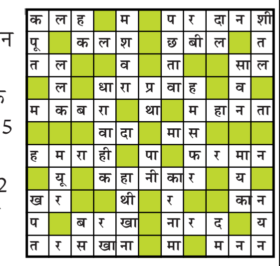

असम राइफल्स ने मिजोरम में 10 तस्करों और नशीले पदार्थों के विक्रेताओं को किया गिरफ्तार, 2.86 करोड़ का सामान जब्त

एजेंसी

आइजोल । असम राइफल्स ने अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर मिजोरम में चार अलग-अलग अभियानों में 10 तस्करों और नशीले पदार्थों के विक्रेताओं को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों के पास से 2.86 करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन, अफीम, सूखी सुपारी और विदेशी मूल की सिगरेट जब्त की गई है। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि असम राइफल्स ने आइजोल जिला कार्यकारी बल के साथ संयुक्त अभियान में मिजोरम के सेलिंग में दो ट्रकों को रोका और पड़ोसी म्यांमार से कथित तौर पर तस्करी किए गए सूखे सुपारी और खसखस (पोस्ता दाना) बरामद किए। रक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि असम राइफल्स ने आइजोल जिला कार्यकारी बल के साथ एक संयुक्त ऑपरेशन में मिजोरम के सेलिंग में दो ट्रकों को रोका और पड़ोसी देश म्यांमार से कथित तौर पर तस्करी करके लाए गए खसखस और सूखी सुपारी बरामद किए।

हमारे देश का चुनाव आयोग न स्वतंत्र है, न निष्पक्ष है और न ही ईमानदार : अवधेश प्रसाद

अयोध्या । समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने दीपावली से पहले हुई यूपी कैबिनेट की बैठक, सांसदों और विधायकों के साथ राम मंदिर जाने पर अखिलेश यादव के बयान, सीएम योगी आदित्यनाथ को दी गई चुनौती समेत कई मामलों पर आईएएनएस से बातचीत की है। बातचीत करते हुए अवधेश प्रसाद ने कहा, 'जनता का विश्वास भाजपा सरकार और सीएम योगी से हट गया है। इनके लुभावने नारे का कोई मतलब नहीं निकला।' भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, 'सबकुछ बेकार है। लोकतंत्र खतरे में है। किसी भी देश में लोकतंत्र कितना मजबूत है, इससे ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि उस देश का चुनाव आयोग कितना स्वतंत्र, निष्पक्ष और ईमानदार है।' अवधेश प्रसाद ने कहा, 'अफसोस है कि हमारे देश का चुनाव आयोग न तो स्वतंत्र है, न निष्पक्ष है और न ही ईमानदार है, बल्कि बेईमान है। बाबासाहेब अंबेडकर ने लोगों को मताधिकार का जो अधिकार दिया है, उसे खत्म करने की कोशिश की जा रही है। इससे बड़ा अपराध दुनिया में कोई नहीं है। आज इनको (मुख्य चुनाव आयुक्त) हटाने के लिए पूरा विपक्ष एक है। हमारे नेता (अखिलेश यादव) ने तो यहां तक कह दिया था कि मिल्कीपुर उपचुनाव में वोटों की चोरी की गई। '

सीएम भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल से पेलिएटिव केयर को मिला विस्तार

जयपुर। राजस्थान सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सेवा ही संकल्प' के विजन को धरातल पर साकार कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया गया है, बल्कि मानवीय एवं संवेदनशील पहल के तहत गंभीर एवं असाध्य रोगों से ग्रसित रोगियों को घर बैठे उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है। गंभीर एवं असाध्य रोगों से पीड़ित मरीजों, बेड-रिडन बुजुर्गों और ऐसे रोगियों, जिनके लिए अस्पताल तक पहुंचना कठिन है, उनके लिए होम-बेस्ड पेलिएटिव केयर राज्य सरकार की जनकल्याणकारी सोच का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आई है। इस पहल से करीब सवा साल के समय में ही तीन लाख से अधिक रोगियों को लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्पष्ट संकल्प है कि गंभीर बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति को केवल उपचार ही नहीं, बल्कि दर्द से राहत, मानसिक सहयोग, सम्मानजनक देखभाल और बेहतर जीवन-गुणवत्ता भी मिले। सरकार की स्वास्थ्य नीति का फोकस केवल बीमारी के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकार का प्रयास है।

जेवर एयरपोर्ट अब 'नरेंद्र मोदी जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट' के नाम से जाना जाएगा, योगी कैबिनेट की मुहर

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर रखने का फैसला किया है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में एयरपोर्ट का नाम 'नरेंद्र मोदी जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद सीएम योगी ने इसकी जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री के 25 वर्ष के जनसेवा कालखंड को देश और प्रदेश के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। कैबिनेट ने इस दौरान कुल 39 प्रस्तावों पर मुहर लगाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने पर प्रदेश कैबिनेट ने उनके योगदान का अभिनंदन करते हुए यह प्रस्ताव पारित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का उत्तर प्रदेश से आत्मीय संबंध है और उनके नेतृत्व में प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान उत्तरी कमान ने तबाह किए थे 9 में से 7 आतंकी ठिकाने

उत्तरी कमान पूर्वी लद्दाख से सियाचिन तक सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही है।

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना की उत्तरी कमान ने अहम भूमिका निभाई थी। उत्तरी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा के अनुसार, अभियान के दौरान निशाना बनाए जाने के लिए चिह्नित नौ ठिकानों में से सात को नष्ट करने की जिम्मेदारी उत्तरी कमान को मिली थी, जिसे सेना ने पूरा किया। उत्तरी कमान पूर्वी लद्दाख से सियाचिन तक सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही है। भारतीय सेना की उत्तरी कमान हर समय किसी न किसी सैन्य अभियान में जुटी रहती है। चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा से लेकर सियाचिन ग्लेशियर और नियंत्रण रेखा तक, इस कमान की जिम्मेदारियां बेहद व्यापक हैं। लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने यह जानकारी रक्षा त्रिवेणी संगम से मिले अनुभवों और उत्तरी कमान की सैन्य तैयारियों पर चर्चा करते हुए दी। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जमीनी हालात, पूर्वी लद्दाख में चीन से लगी सीमा पर तैनाती और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों के बारे में विस्तार से बताया। लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के 88 घंटों के दौरान उत्तरी कमान ने अपनी परिचालन जिम्मेदारी निभाते हुए नौ में से सात चिह्नित ठिकानों को नष्ट किया। इस दौरान हवाई कार्रवाई और मिसाइल हमलों के साथ जमीन पर तैनात सैनिक लगातार सक्रिय रहे। उन्होंने कहा कि इसी अवधि में सीमा पर गोलीबारी और संघर्षविराम उल्लंघन की घटनाएं भी हुईं। गोलीबारी की तीव्रता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इन 88 घंटों के दौरान करीब 12 हजार गोलियां चलीं। उत्तरी कमान को केवल किसी एक मोर्चे पर ध्यान नहीं देना होता। उसे एक साथ कई संवेदनशील क्षेत्रों में सैन्य तैयारियां बनाए रखनी पड़ती हैं। ऑपरेशन सिंदूर के अनुभव ने भी इन जिम्मेदारियों के बीच बेहतर तालमेल, सटीक कार्रवाई और मजबूत सैन्य क्षमताओं की जरूरत को रेखांकित किया। उत्तरी कमान की परिचालन जिम्मेदारियों का दायरा काफी विस्तृत है। लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा के अनुसार, यह कमान पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ लगी करीब 832 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा की निगरानी करती है। इसके अलावा, सियाचिन ग्लेशियर क्षेत्र में लगभग 121.5 किलोमीटर लंबी वास्तविक ग्राउंड पोजिशन लाइन और करीब 772 किलोमीटर लंबी नियंत्रण रेखा की जिम्मेदारी भी इसी के पास है। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर के भीतरी क्षेत्रों में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाए जाते हैं। इनमें श्रीनगर घाटी, जम्मू, राजौरी और आसपास के क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन तीनों प्रमुख परिचालन जिम्मेदारियों का एक साथ निर्वहन करना कमान के अधिकारियों, सैन्य नेतृत्व और जवानों के लिए बड़ी चुनौती है। इसलिए भविष्य की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने पर लगातार काम किया जा रहा है। लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा ने कहा कि उत्तरी कमान के सामने यह स्पष्ट चुनौती है कि भविष्य में संघर्ष उसके जिम्मेदारी वाले सीमावर्ती क्षेत्रों में शुरू हो सकता है।

पंजाब में गौरव यादव बने नियमित डीजीपी

जुलाई 2022 से संभाल रहे थे कार्यवाहक प्रमुख की जिम्मेदारी

एजेंसी

चंडीगढ़ । पंजाब की भगवंत मान सरकार ने शुक्रवार को 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी गौरव यादव को राज्य का नियमित पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया। राज्य सरकार ने इस संबंध में आधिकारिक अधिसूचना जारी कर लंबे समय से चली आ रही कार्यवाहक डीजीपी की व्यवस्था को समाप्त कर दिया है। 57 वर्षीय गौरव यादव जुलाई 2022 से पंजाब पुलिस के कार्यवाहक डीजीपी के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उन्हें संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से अनुशंसित तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के पैनल में से चुना गया है। पैनल में शामिल अन्य दो अधिकारियों में शरद सत्य चौहान और हरप्रीत सिंह सिद्धू के नाम थे। गौरव यादव की नियुक्ति की प्रक्रिया कई महीनों से लंबित थी। यूपीएससी ने जुलाई में राज्य सरकार को अधिकारियों का पैनल भेजा था, जिसके बाद नियमित डीजीपी की नियुक्ति को लेकर अंतिम निर्णय का इंतजार किया जा रहा था। इस मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने भी हस्तक्षेप किया था। अदालत ने 1 अक्टूबर को राज्य सरकार को नियमित डीजीपी की नियुक्ति पर उचित निर्णय लेने का निर्देश दिया था। साथ ही मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा से 13 अक्टूबर तक अनुपालन हलफनामा दाखिल करने को कहा था। गौरव यादव को जुलाई 2022 में तत्कालीन डीजीपी वी.के. भावरा के छुट्टी पर जाने के बाद पंजाब पुलिस प्रमुख का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। उस समय वह विशेष डीजीपी (प्रशासन) के पद पर कार्यरत थे और मुख्यमंत्री भगवंत मान के कार्यालय से भी जुड़े हुए थे। कार्यवाहक डीजीपी के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान गौरव यादव ने राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ नशा तस्करी और गैंगस्टर नेटवर्क जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए पुलिस बल का नेतृत्व किया। संगठित अपराध पर अंकुश लगाना, नशा विरोधी अभियान को मजबूत करना और पुलिस व्यवस्था में सुधार करना राज्य पुलिस की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रहा। नियुक्ति संबंधी आदेश में कहा गया है, 'संघ लोक सेवा आयोग से प्राप्त पैनल पर विचार करने के बाद पंजाब के राज्यपाल श्री गौरव यादव, आईपीएस को पंजाब का पुलिस महानिदेशक (पुलिस बल प्रमुख) नियुक्त करते हैं।' गृह मामलों के विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक शेखर के हस्ताक्षर से जारी आदेश के अनुसार, गौरव यादव का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तारीख से न्यूनतम दो वर्ष का होगा। आदेश में पुलिस सुधारों से संबंधित प्रकाश सिंह एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य मामले में सुप्रीम कोर्ट के 22 सितंबर 2006 और 3 जुलाई 2018 के निर्देशों का भी उल्लेख किया गया है।

'प्रधानमंत्री का अपमान बर्दाश्त नहीं'

'हिट जनता पार्टी' के बैनर तले युवाओं का विपक्ष के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के कनॉट प्लेस के पास जनपथ रोड पर शुक्रवार को विपक्ष के विरोध-प्रदर्शन के खिलाफ और दिल्ली पुलिस व सरकार के समर्थन में 'हिट जनता पार्टी' के बैनर तले युवाओं ने विरोध-प्रदर्शन किया। इस दौरान युवाओं की ओर से विपक्षी पार्टियों पर प्रदर्शन के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया। 'हिट जनता पार्टी' के बैनर तले युवाओं ने सरकार से प्रदर्शन की अनुमति मांगी है। आईएएनएस से बात करते हुए 'हिट जनता पार्टी' के बैनर तले विपक्षी पार्टियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे एक युवा ने कहा, 'हम लोग देश के प्रधानमंत्री का अपमान सहन नहीं कर सकते हैं, इसलिए हम यहां आए हैं। पुलिस की इतनी पुख्ता तैयारी होनी चाहिए कि 'कॉकरोचों' को यहां नहीं आने देना चाहिए।' प्रदर्शनकारी ने कहा, 'यह सरकार अनुमति नहीं देगी। अब 'कॉकरोचों' का अंतिम समय आ गया है।' दूसरे प्रदर्शनकारी ने कहा, 'आज जो हमारे साथ हुआ है, कल देखते हैं कि इतनी संख्या में भीड़ आएगी तो उनके साथ भी यही होना चाहिए। कल 2 लाख की संख्या में लोग आएंगे। हम देखेंगे कि उनके साथ प्रशासन क्या करेगी? ' एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा, 'विपक्षी पार्टियां आज हर किसी का एक-एक कर इस्तीफा मांग रही हैं। अगर कोई देश के लिए अच्छा करेगा तो ये एक दिन उसका भी इस्तीफा मांग लेंगे। इनकी ओर से एक तो इस्तीफे की मांग की जा रही है और दूसरी ओर अमर्यादित टिप्पणियां की जा रही हैं। हम लोग प्रधानमंत्री का अपमान नहीं बर्दाश्त कर सकते हैं। हमारी मांग है कि इनके प्रदर्शन को रोका जाए। ' एक अन्य शख्स ने कहा, 'हम लोग देशहित में यहां आए हैं।

'काला हिरण' फिल्म विवाद : सलमान खान को 4 हफ्ते में देना होगा जवाब

16 दिसंबर को अगली सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने अभिनेता सलमान खान को फिल्म 'काला हिरण' के निर्माता की ओर से दायर याचिका पर जवाब देने के लिए चार हफ्ते का समय दिया है। फिल्म निर्माता ने अदालत से मांग की है कि सलमान खान की ओर से फिल्म पर रोक लगाने के लिए दायर मुकदमे को वापस लेने का निर्देश दिया जाए। निर्माता का तर्क है कि सलमान की ओर से दायर मुकदमे में दिल्ली की अदालत के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र का अभाव है। हाईकोर्ट ने इस याचिका पर सलमान खान से जवाब मांगा है। जवाब दाखिल करने के लिए कोर्ट की ओर से चार हफ्ते का समय दिया गया है। अब मामले की अगली सुनवाई 16 दिसंबर को होगी। दरअसल, पूरा विवाद फिल्म का पोस्टर और टीजर सामने आने के बाद शुरू हुआ। सलमान की तरफ से आरोप लगाया गया कि फिल्म में एक ऐसा किरदार दिखाया गया है, जो काफी हद तक उनसे मिलता-जुलता है। उस किरदार के हाथ में सलमान खान जैसा मशहूर ब्रेसलेट भी नजर आया। सलमान का कहना है कि यह सब उनकी पहचान से जोड़कर दिखाया जा रहा है और उनकी अनुमति के बिना फिल्म में उनकी पर्सनैलिटी का इस्तेमाल किया गया है। फिल्म के टीजर में 1998 के काले हिरण शिकार मामले से जुड़े संदर्भ भी दिखाए गए हैं। यह वही मामला है, जिससे सलमान खान का नाम लंबे समय से जुड़ा रहा है। सलमान की तरफ से कोर्ट में कहा गया कि फिल्म में उनके जीवन से जुड़े विवाद को कहानी का हिस्सा बनाया गया है और इसका इस्तेमाल फिल्म के प्रचार के लिए भी किया जा रहा है।

कांग्रेस ने मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के ओएसडी पर लगे रिश्वतखोरी के आरोपों पर मुख्यमंत्री से स्पष्टीकरण मांगा

एजेंसी

भोपाल । कांग्रेस पार्टी ने मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के विशेष अधिकारी (ओएसडी) पर शराब की दुकानों के ठेकों के आवंटन में रिश्वतखोरी के आरोपों पर भाजपा और मुख्यमंत्री मोहन यादव से स्पष्टीकरण मांगा है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने मीडिया में प्रकाशित आरोपों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कथित तौर पर 930 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले में आरोपी के एक बयान का हवाला दिया, जिसमें ओएसडी का नाम शराब की दुकानों के ठेकों के भुगतान से जुड़ा है। तन्खा ने कहा कि जांच एजेंसियों द्वारा उपमुख्यमंत्री देवड़ा के संबंध में जुटाए गए बयान बेहद गंभीर हैं। भाजपा और मुख्यमंत्री को इस मामले पर स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। मध्य प्रदेश सरकार इन आरोपों के कारण जांच के दायरे में है। मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता मुकेश नायक ने भी नकली शराब के मामलों पर राज्य सरकार की प्रतिक्रिया पर सवाल उठाए और जवाबदेही की मांग करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव से पूछा कि ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई। नायक ने कहा कि मध्य प्रदेश में नकली शराब के मामलों में अब तक ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई और जवाबदेही क्यों नहीं सुनिश्चित की गई? मुख्यमंत्री मोहन यादव, जनता जवाब चाहती है, ऐसे गंभीर मामलों में कार्रवाई के लिए हमें कब तक इंतजार करना पड़ेगा?

उन्होंने कहा कि सरकार को निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करनी चाहिए, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए और लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को जवाबदेह ठहराना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरकार ने प्रभावी कदम नहीं उठाए तो कांग्रेस बड़े पैमाने पर आंदोलन करेगी।

सोशल मीडिया पर प्रसारित एक कथित बयान के अनुसार, आरोप है कि ओएसडी ने भोपाल के टीटी नगर इलाके में 2024-25 के लिए दो शराब की दुकानों के ठेके दिलाने में मदद की, जिसके बदले में उन्हें कुल 1 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया।

स्वस्थ प्रदेश-सक्षम प्रदेश' बना यूपी : सीएम

स्वास्थ्य सेवाओं के इस विस्तार का उद्देश्य मरीजों को स्थानीय स्तर पर जांच और उपचार की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना तथा गंभीर मामलों में समय पर चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करना है।

एजेंसी

लखनऊ । यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'स्वस्थ-सक्षम उत्तर प्रदेश' की कहानी अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' के जरिए शुक्रवार को प्रदेशवासियों से साझा की। सीएम योगी ने उपचार की विवशता से स्वास्थ्य सुरक्षा के विश्वास को स्वस्थ उत्तर प्रदेश की नई पहचान बताया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक्स पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और अंत्योदय के संकल्प के साथ प्रदेश की डबल इंजन भाजपा सरकार ने वर्ष 2017 से पहले की स्वास्थ्य क्षेत्र की लचर व्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए उत्तर प्रदेश को स्वस्थ, सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निर्णायक गति से कार्य किया है। इस परिवर्तन का सबसे बड़ा प्रमाण है कि जिस उत्तर प्रदेश की पहचान कभी वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया से होती थी, वही उत्तर प्रदेश आज वन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेज के संकल्प के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जहां प्रदेश में वर्ष 2017 में मेडिकल कॉलेजों की संख्या मात्र 36 थी, वहीं आज यह बढ़कर 85 हो गई है। साथ ही, एमबीबीएस की सीटें 4,690 से बढ़कर 13,600 से अधिक हो चुकी हैं। इससे एक ओर युवाओं के लिए चिकित्सा शिक्षा के अवसर बढ़े हैं, वहीं दूसरी ओर आमजन के लिए घर के निकट गुणवत्तापूर्ण उपचार की सुविधा का विस्तार हुआ है। उन्होंने लिखा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान से आच्छादित 10 करोड़ से अधिक प्रदेशवासी आज गंभीर बीमारी के उपचार के भारी खर्च की चिंता से मुक्त होकर बेहतर स्वास्थ्य, सम्मान और गरिमा के साथ जीवन यापन कर रहे हैं। उपचार की विवशता से स्वास्थ्य सुरक्षा के विश्वास तक, स्वस्थ उत्तर प्रदेश की नई पहचान बनी है। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए सरकार ने अस्पतालों के बुनियादी ढांचे के साथ जांच और गंभीर मरीजों के उपचार की सुविधाओं को भी विस्तार दिया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता बढ़ाने पर जोर दिया गया है। इसके तहत डिजिटल एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड जैसी जांच सुविधाओं के विस्तार के साथ ऑक्सीजन प्लांट, ब्लड स्टोरेज इकाइयों, क्रिटिकल केयर ब्लॉक और इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब को विकसित करने के प्रयास किए गए हैं।

दवाओं के भ्रामक प्रचार पर शिकंजा

खुदरा और थोक विक्रेताओं के लिए नए नियम प्रस्तावित

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने केवल पर्चे पर मिलने वाली दवाओं के विज्ञापनों के नियमन को सुदृढ़ करने के लिए औषधि नियम, 1945 में संशोधन का प्रस्ताव रखा है। प्रस्तावित संशोधन अनुसूची एच, अनुसूची एच-वन और अनुसूची एक्स के अंतर्गत निर्दिष्ट दवाओं के विज्ञापन के लिए केंद्र सरकार की पूर्व स्वीकृति की मौजूदा आवश्यकता को दवाओं की बिक्री और वितरण के लाइसेंस धारक संस्थाओं तक विस्तारित करने का प्रयास करता है। ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड (डीटीएबी) से परामर्श के बाद, मसौदा संशोधन को राजपत्र अधिसूचना जीएसआर 861(ई), दिनांक 28 सितंबर 2026 के माध्यम से अधिसूचित किया गया है। मौजूदा नियामक ढांचे के तहत, दवा निर्माताओं को केंद्र सरकार की पूर्व स्वीकृति के बिना अनुसूची एच, अनुसूची एच1 और अनुसूची एक्स के अंतर्गत आने वाली दवाओं का विज्ञापन करने से प्रतिबंधित किया गया है। हालांकि, संबंधित प्रावधानों में इन दवाओं की खुदरा और थोक बिक्री एवं वितरण में लगी संस्थाओं को स्पष्ट रूप से शामिल नहीं किया गया है। इस विनियामक अंतर को दूर करने के लिए मंत्रालय ने औषधि नियम, 1945 के नियम 65 के तहत उप-नियम (22) को शामिल करने का प्रस्ताव दिया है, जिसमें खुदरा और थोक औषधि लाइसेंस धारकों सहित दवाओं की बिक्री, भंडारण, प्रदर्शन या बिक्री के लिए पेशकश करने या वितरण करने के लाइसेंस धारकों तक विज्ञापन प्रतिबंध का विस्तार किया गया है। प्रस्तावित प्रावधान के तहत, अनुसूची एच, अनुसूची एच-वन या अनुसूची एक्स में निर्दिष्ट दवाओं का विज्ञापन केंद्र सरकार की पूर्व स्वीकृति के बिना नहीं किया जा सकेगा। प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य दवा आपूर्ति श्रृंखला में नियामक निगरानी को मजबूत करना, नुस्खे वाली दवाओं के अनधिकृत प्रचार को हतोत्साहित करना और अनुचित स्व-दवा से जुड़े जोखिमों को कम करना है। इस उपाय से उन दवाओं से संबंधित सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ करने की उम्मीद है जिनके लिए उचित चिकित्सा पर्यवेक्षण आवश्यक है, जिनमें कुछ एंटीबायोटिक्स, मनोरोगी दवाएं और अन्य नुस्खे वाली दवाएं शामिल हैं। यह प्रस्ताव 16 फरवरी 2026 को आयोजित औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड की 93वीं बैठक की सिफारिशों के बाद आया है, जिसमें दवा बिक्री और वितरण लाइसेंस धारकों द्वारा विज्ञापनों को नियंत्रित करने वाले उचित प्रावधानों की आवश्यकता पर विचार किया गया था।

अरावली संरक्षणः सुप्रीम कोर्ट की समिति डूंगरपुर और बांसवाड़ा में खनन और वन क्षेत्रों का निरीक्षण करेगी

एजेंसी

जयपुर । सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त उच्चाधिकार समिति (एचपीसी) 11 से 13 अक्टूबर तक राजस्थान के वागड़ क्षेत्र का दौरा करेगी। इस समिति को अरावली पर्वत श्रृंखला की परिभाषा, पारिस्थितिक स्थिति और संरक्षण की जांच का कार्य सौंपा गया है। समिति डूंगरपुर जिले के पालदेवल-सरकान क्षेत्र और बांसवाड़ा जिले के केवड़िया-कोठारा क्षेत्र का निरीक्षण करके खनन, वन, भूमि उपयोग और स्थानीय समुदायों, विशेष रूप से आदिवासी आबादी की आजीविका से संबंधित जमीनी हकीकतों का आकलन करेगी। यह दौरा समिति के 8 से 10 अक्टूबर तक गुजरात के अरावली क्षेत्र के दौरे के बाद हो रहा है। राजस्थान दौरे के दौरान, समिति जमीनी निरीक्षण करेगी और स्थानीय निवासियों और अन्य हितधारकों से बातचीत करेगी।

इसके निष्कर्ष एक व्यापक रिपोर्ट में योगदान देंगे, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने इस वर्ष 30 नवंबर तक प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। 25 मई, 2026 के एक आदेश में, सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) के महानिदेशक की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय उच्चाधिकार समिति का गठन किया। समिति को अरावली पर्वतमाला की पूर्व-निर्धारित परिभाषा और उस परिभाषा के आधार पर पहाड़ियों के सीमांकन की प्रक्रिया की स्वतंत्र रूप से जांच करने का कार्य सौंपा गया था। इस प्रक्रिया का उद्देश्य क्षेत्र की पारिस्थितिक विशेषताओं का आकलन करना और इसके संरक्षण से संबंधित चिंताओं का समाधान करना है। समिति की नवीनतम यात्रा उन क्षेत्रों पर केंद्रित होगी जहां अरावली भूदृश्य, वन पारिस्थितिकी तंत्र, वन्यजीव, खनन गतिविधियां और स्थानीय आजीविका के बीच संबंध विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। राजस्थान सरकार ने समिति की यात्रा से पहले वन विभाग और स्थानीय क्षेत्र के अधिकारियों को सक्रिय कर दिया है। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी क्षेत्र समन्वयक के रूप में कार्य करेंगे, जबकि डूंगरपुर और बांसवाड़ा के उप वन संरक्षक (डीसीएफ) और अन्य क्षेत्र कर्मी निरीक्षण के दौरान समिति के साथ रहेंगे। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य स्थल निरीक्षण को सुगम बनाना, प्रासंगिक क्षेत्र की जानकारी प्रदान करना और समिति तथा स्थानीय हितधारकों के बीच प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करना है। समिति ने इससे पहले राजस्थान का पांच दिवसीय दौरा किया था, जिसके दौरान उसने कई स्थानों पर क्षेत्र निरीक्षण किया और हितधारकों से परामर्श किया।

आर्कटिक ओपन

तन्वी को मिली हार

सिंधु क्वार्टर-फाइनल में पहुंचीं

वंटा (फिनलैंड)। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु गुरुवार को जापान की रिको गुंजी को 21-15, 21-15 से मात देकर क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गई हैं। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट ने यह मुकाबला 49 मिनट में अपने नाम किया। अब क्वार्टर-फाइनल में उनका मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त और थाईलैंड की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन रत्चानोक इंतानोन से होगा। इस क्वार्टर-फाइनल मुकाबले से विमेंस बैडमिंटन सर्किट की एक पुरानी प्रतिद्वंद्विता फिर से देखने को मिलेगी, हालांकि दोनों खिलाड़ियों का आमना-सामना साल 2022 के बाद से नहीं हुआ है। 'हेड-टू-हेड' रिकॉर्ड में इंतानोन 9-4 से आगे हैं और उन्होंने पिछले पांच मुकाबले जीते हैं। दोनों की पिछली भिड़ंत साल 2022 में इंडोनेशिया मास्टर्स में हुई थी, जिसमें थाई खिलाड़ी ने सीधे गेम में जीत हासिल की। सिंधु को अपने शानदार 2026 अभियान से आत्मविश्वास मिलेगा, जिसके तहत उन्होंने 'जापान ओपन सुपर 750' का खिताब जीता है। उन्होंने जुलाई में फाइनल में मौजूदा विश्व चैंपियन अकाने यामागुची को हराकर अपने हालिया करियर का सबसे बड़ा खिताब जीता था। इंतानोन को भी इस सीजन में सफलता मिली है; उन्होंने मई में फाइनल में चीन की चेन युफेई को मात देकर मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 का खिताब जीता। थाई खिलाड़ी ने तन्वी शर्मा को 21-18, 21-7 से मात देकर क्वार्टर-फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। तन्वी पहले गेम में ज्यादातर समय शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के बराबर बनी रहीं, उन्होंने 17-17 से बराबरी भी की, लेकिन इंतानोन ने गेम के आखिर में अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए पहला गेम जीत लिया।

लैंडो नॉरिस का विश्वास कायम

मैकलारेन की मेहनत पर जताया भरोसा

मरीना बे (सिंगापुर)। लैंडो नॉरिस को भरोसा है कि सिंगापुर जीपी से पहले मैकलारेन ने अपनी तैयारियों में जरूरी सुधार किए हैं। उनका मानना है कि टीम ने परिस्थितियों का अच्छी तरह विश्लेषण किया है और अब बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। समर ब्रेक से ठीक पहले और उसके तुरंत बाद नॉरिस ने शानदार फॉर्म दिखाई थी; उन्होंने ब्रेक के दौरान हंगेरियन जीपी और डच जीपी जीती थी। वह इटली में चौथे और स्पेनिश जीपी में तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन अजरबैजान जीपी में संघर्ष करना पड़ा, जहां कई कारों की टक्कर के बाद उन्हें रेस छोड़नी पड़ी। इसके बाद बहरीन जीपी में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और छठे स्थान पर रहे। नॉरिस के टाइटल जीतने की उम्मीदें बहुत कम हैं, क्योंकि उनके पास 188 प्वाइंट्स हैं और वह चैंपियनशिप लीडर किमी एंटोनेली से 132 प्वाइंट्स पीछे हैं।

मरीना बे स्ट्रीट सर्किट पर सिंगापुर जीपी से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मौजूदा चैंपियन ने उम्मीद जताई कि टीम ने समस्याओं को हल करने के लिए काम किया है, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह पहले कार को ट्रैक पर ले जाकर देखना चाहते हैं।

नॉरिस ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'कुछ स्पष्ट चीजें थीं, जैसे स्ट्रेट-लाइन स्पीड और कार के साथ मुझे जो दिक्कतें आ रही थीं। यह भी कि हम कार से और बेहतर परफॉर्मेंस कैसे निकाल सकते हैं, ताकि वापस उसी स्थिति में आ सकें, जो कि एक मुश्किल काम है। बाकू में भी हम बहुत तेज नहीं थे, इसलिए यह सिर्फ मलेशिया की बात नहीं थी। मुझे उम्मीद है, बस कार को ट्रैक पर ले जाकर देखना है कि वह कैसी है।

संक्षिप्त समाचार

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को झटका

बाहर हुए चैपमैन और फॉल्क्स

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड को अपने घर में भारत के खिलाफ 22 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। सीरीज से पहले कीवी टीम को दो बड़े झटके लगे हैं। मार्क चैपमैन और जैक फॉल्क्स चोट के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। चैपमैन को जांघ में खिंचाव है, जबकि फॉल्क्स कूल्हे की चोट से

परेशान हैं। इन दोनों का सीरीज से बाहर होना न्यूजीलैंड को मुश्किल में डाल सकता है। इसकी वजह दोनों खिलाड़ियों का इस फॉर्मेट में अनुभव और प्रदर्शन है। मार्क चैपमैन को पिछले महीने यूरोपियन टी20 लीग खेलने के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। उनके भारत के खिलाफ वनडे सीरीज तक ठीक होने की उम्मीद है। वहीं, फॉल्क्स को अभ्यास के दौरान दाहिने कूल्हे में चोट लग गई। फॉल्क्स की वापसी कब तक होगी, इस पर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। चैपमैन और फॉल्क्स की जगह न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम में जोश क्लार्कसन और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को शामिल किया गया है।

शुभंकर ने कपिल देव इनविटेशनल टूर चैंपियनशिप में चार-शॉट की बढ़त बनाई

ग्रेटर नोएडा । शुभंकर शर्मा ने गुरुवार को कपिल देव इनविटेशनल टूर चैंपियनशिप के दूसरे राउंड के बाद सात-अंडर 65 का स्कोर करके चार-शॉट की बढ़त हासिल कर ली। 2 करोड़ रुपये की इनामी राशि वाली यह प्रतियोगिता ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिजॉर्ट में जारी है। चंडीगढ़ के 30 वर्षीय गोल्फर (68-65) ने दिन की शुरुआत पिछले दिन के लीडर शौर्य भट्टाचार्य से दो स्ट्रोक पीछे रहकर की थी। उन्होंने एक ईगल, सात बर्डी और दो बोगी के

साथ 11-अंडर 133 का स्कोर हासिल किया। डीपी वर्ल्ड टूर पर दो बार जीत हासिल कर चुके शुभंकर ने अप्रैल में पीजीटीआई के बोल्डर्स क्लासिक में जीत हासिल की थी, जिससे उनका प्रोफेशनल खिताब जीतने का आठ साल का इंतजार खत्म हुआ था। चंडीगढ़ के ब्रशवरपाल सिंह (72-65) ने शुभंकर के बराबर दिन का सबसे कम स्कोर बनाया। उनके सात-अंडर 65 के स्कोर में आठ बर्डी और एक बोगी शामिल थी, जिससे वे पिछले दिन संयुक्त 11वें स्थान से ऊपर उठकर सात-अंडर 137 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

हरमनप्रीत कौर की सबसे बड़ी विरासत वनडे विश्व कप 2025 का खिताब है: अंजुम चोपड़ा

'मैंने हरमन को एक खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर बढ़ते देखा'

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा का मानना है कि हाल ही में कप्तानी छोड़ने वाली हरमनप्रीत कौर की सबसे बड़ी विरासत घरेलू धरती पर वनडे विश्व कप 2025 जीतना होगा। चोपड़ा ने कहा कि कौर टीम को जिस टीम से मिली थीं, उससे कहीं ज्यादा मजबूत, अनुभवी और आत्मविश्वासी टीम के तौर पर छोड़कर गई हैं। अंजुम चोपड़ा ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'एक लीडर के तौर पर हरमनप्रीत की सबसे बड़ी पहचान हमेशा 2025 में वनडे वर्ल्ड कप जीतना रहेगी। उस टूर्नामेंट में उनकी बैटिंग, लीग मैच, सेमीफाइनल और फाइनल में, और कैसे टीम सभी के योगदान से वहां तक पहुंची। यह सिर्फ हरमन की वजह से नहीं था। हर खिलाड़ी के योगदान से हरमन वह ताज उठा पाई और भारत जीत सका। हरमन का कद इस टीम के साथ बढ़ा है, खासकर पिछले साढ़े तीन सालों में, जब से उन्होंने वनडे की कप्तानी संभाली है। पहले, हम टी20 बहुत कम खेलते थे और शेड्यूल में ज्यादा वनडे गेम होते थे। हाल के वर्षों में यह बदल गया है। अब अधिकांश द्विपक्षीय दौरों में वनडे से ज्यादा टी20 होते हैं।' उन्होंने कहा, 'मैंने हरमन को एक खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर बढ़ते देखा है। उनकी विरासत हमेशा इस बात से मापी जाएगी कि उन्होंने कहां से कमान संभाली और कहां छोड़ी। वनडे फॉर्मेट में इंडियन टीम वर्ल्ड चैंपियन है। जब उन्होंने कमान संभाली थी, तब की तुलना में यह टीम कहीं ज्यादा मजबूत, ज्यादा ऊर्जावान, स्किलफुल और अनुभवी है। अगर इसे आगे बढ़ाया जाए, तो यह इंडियन टीम सही रास्ते पर है।' अंजुम ने कहा, 'बतौर क्रिकेटर लंबी यात्रा के बाद भी मुझे नहीं लगता कि हरमनप्रीत कौर एक इंसान के तौर पर बदली हैं, भले ही महिलाओं के खेल के इर्द-गिर्द उनके आस-पास की चीजें काफी बदल गई हों। मैंने उनमें कभी भी जल्दबाजी वाला पहलू नहीं देखा। उन दिनों से लेकर अब तक मैंने हरमनप्रीत कौर में हमेशा एक शांत स्वभाव देखा है। एक कप्तान के तौर पर, अगर मैदान में कोई मामूली कोशिश करता है-जैसे गेंद को रोकने में नाकाम रहना, उसे जल्दी वापस न फेंकना या एक अतिरिक्त रन देना-तो वह उस व्यक्ति को मैदान पर ही मौका देती हैं, चाहे कैमरे उन्हें पकड़ें या नहीं। लेकिन जिस पल वही व्यक्ति अच्छा स्टॉप करता है, विकेट लेता है या कैच लेता है, वह सबसे पहले दौड़कर उसकी तारीफ करती हैं। मैंने इतने सालों में कप्तान हरमन के दोनों पहलू देखे हैं। एक व्यक्ति के तौर पर हरमनप्रीत नहीं बदली हैं और यही उनकी खूबसूरती है। 'ग्लोबल इवेंट्स में टीम इंडिया के जीत की दावेदार बनने की प्रक्रिया के सवाल पर अंजुम ने कहा, 'यह इसलिए बदला है क्योंकि हमने सकारात्मक तरीके से परिणाम देखना शुरू कर दिया है। मैं यह नहीं कह रही कि पहले के कप्तान परिणाम नहीं देते थे, लेकिन जब हरमन ने टीम संभाली, तो गुयाना में 2018 वर्ल्ड कप में मैं, मुझे न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला मैच याद है, उन्होंने शतक लगाया था।

अंजुम ने कहा-

'मैंने 2025 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले भी लगातार कहा है कि इंडिया के पास बॉलिंग की कमी है। जीत पक्की करने के लिए उन्हें दो विकेट लेने के लिए शेफाली को लाना पड़ा। मैं बहुत खुश हूं कि हमने वह वर्ल्ड कप जीता, लेकिन हमारे पास अभी भी बॉलिंग डेप्थ की कमी थी। आज भी, हम क्रांति गौड़ जैसे एक फास्ट बॉलर के साथ खेलते हैं, और नंदिनी शर्मा अभी-अभी आई हैं।'

हरमनप्रीत के इस्तीफे वाले पोस्ट में त्याग शब्द पर अंजुम ने कहा, 'सबसे बड़ा त्याग जो आप करते हैं, वह है खेलने की अपनी शैली को किनारे रखना। कभी-कभी आप नंबर तीन पर बैटिंग करना चाहते हैं, लेकिन टीम को आपसे नंबर चार या ओपनिंग करने की जरूरत होती है, इसलिए आप वह मुश्किल रोल निभाते हैं। आपको टीम के फायदे को अपने फायदे से पहले रखना होगा। हो सकता है आप बॉलिंग करना चाहें या न करना चाहें, या टीम को आपकी जरूरत बाउंड्री लाइन पर हो सकती है - ये छोटी-छोटी बातें हैं।

फ्रेंडली मुकाबले में रूस के हाथों

0-4 से भारतीय महिला फुटबॉल टीम की हार

कोलकाता। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को फ्रेंडली मैच में रूस के हाथों 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला गुरुवार को कोलकाता के किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेला गया। दुनिया में 69वें नंबर पर मौजूद भारत ने 27वें नंबर की रूसी टीम को मैच के पहले हाफ में काफी देर तक रोके रखा, लेकिन ब्रेक के बाद रूस के लगातार दबाव का असर दिखा। याना शेइना ने 40वें मिनट में पहला गोल किया, जिसके बाद सब्स्टिट्यूट खिलाड़ी किरा पेटुखोवा ने 60वें और 65वें मिनट में दो गोल दागे। याना स्विस्तुनोवा ने 81वें मिनट में गोल करके स्कोर पूरा किया। भारत के हेड कोच क्रिस्पिन छेत्री ने इस मैच का इस्तेमाल कई युवा खिलाड़ियों को मौका देने के लिए किया; बेबीसाना देवी थिंगबैजम, मालती मुंडा, सिंडी कोल्नी, शुभांगी सिंह, धुर्गा पेरुमल और सिबानी देवी नोंगमेइकापम ने अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया। गोलकीपर मोनालिसा देवी मोइरांगथेम ने अपना तीसरा इंटरनेशनल मैच भी खेला।

यह कोलकाता में भारत का पहला महिला इंटरनेशनल मैच था और वर्ल्ड रैंकिंग में बड़े अंतर के बावजूद मेजबान टीम ने अनुशासित शुरुआत की। रूस का बॉल पर कब्जा और मैदान पर दबदबा ज्यादा था, लेकिन भारत ने मजबूती से बचाव किया और रूसी खिलाड़ियों के पासिंग के रास्ते बंद करने के लिए कड़ी मेहनत की। मोनालिसा ने भी रूसी खिलाड़ियों को गोल करने से रोकने के लिए कई अहम बचाव किए।

मैच के आधे घंटे के आसपास भारत बढ़त बनाने के करीब था, जब बॉक्स के अंदर गेंद मालविका पी. के पास आई, लेकिन रूसी गोलकीपर नतालिया सिलिना ने तेजी से अपनी लाइन से बाहर आकर उस मौके को खत्म कर दिया। हाफ के आखिर में लिंडा कॉम सटों को भी मौका मिला, लेकिन भारत मिले मौकों को गोल में नहीं बदल सका।

रणजी ट्रॉफी

जयदेव उनादकट की कप्तानी वाली

सौराष्ट्र टीम में जडेजा शामिल

राजकोट । अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को छत्तीसगढ़ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी

2026/27 के पहले मैच के लिए सौराष्ट्र की 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। टीम की कमान अनुभवी तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट के हाथ में है। जडेजा वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की 2-1 से वनडे सीरीज जीत में खेलकर आ रहे हैं, हालांकि उन्होंने दो मैचों में सिर्फ दो विकेट लिए और उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला। रणजी ट्रॉफी में खेलने से जडेजा को न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के दो मैचों के टेस्ट दौरे से पहले रेड-बॉल लय बनाने में मदद मिलेगी। रणजी का 92वां संस्करण 11 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जिसमें गत चैंपियन सौराष्ट्र को आंध्र, असम, छत्तीसगढ़, हैदराबाद, कर्नाटक, पंजाब और त्रिपुरा के साथ एलीट ग्रुप बी में रखा गया है।

उनादकट की लीडरशिप में सौराष्ट्र अपने कैंपेन की शुरुआत राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में छत्तीसगढ़ के खिलाफ करेगा। सौराष्ट्र, जिसने उनादकट की लीडरशिप में 2019/20 और 2022/23 में दो बार प्रीमियर घरेलू खिताब जीता था, ने पिछले सीजन की टीम के 14 खिलाड़ियों को रिटेन किया है।

लेफ्ट-आर्म पेसर उनादकट ससेक्स के लिए शानदार रहे हैं। उन्होंने सात मैचों में 22.21 की औसत से 28 विकेट लिए हैं।

सौराष्ट्र टीम

जयदेव उनादकट (कप्तान), रवींद्र जडेजा, हार्विक देसाई (विकेटकीपर), अर्पित वासवदा, चिराग जानी, प्रेरक मांकड़, जय गोहिल, चेतन सकारिया, अंकुर पंवार, समर गज्जर, पार्थ भुट, विश्वराजसिंह जडेजा, हेतविक कोटक, नील पांड्या, अर्थ यादव, तरंग गोहेल।

रूस से हार के बाद बोले महिला फुटबॉल टीम के कोच क्रिस्पिन छेत्री

युवा टीम होने के बावजूद हमने कैरेक्टर दिखाया

कोलकाता । भारत महिला फुटबॉल टीम के हेड कोच क्रिस्पिन छेत्री ने किशोर भारती क्रीड़ांगन में दो इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों में से पहले मैच में रूस से 0-4 से हारने के बाद भी अपनी युवा टीम का समर्थन किया है। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में छेत्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि इस मैच की पॉजिटिव बात यह है कि एक युवा टीम होने के बावजूद, हमने कैरेक्टर दिखाया। हम दबाव बनाने से नहीं डरते, हम भागने से नहीं डरते। हम वही करने की कोशिश करते हैं जो हमारे कंट्रोल में होता है।' हेड कोच ने टीम के 25-दिन के कैंप के दौरान खिलाड़ियों द्वारा दिखाए गए कमिटमेंट पर भी जोर दिया और रूस की फिजिकल मौजूदगी और सेट-पीस से निपटने की उनकी कोशिशों की ओर इशारा किया।

उन्होंने कहा, 'सबसे जरूरी बात यह है कि हमने कैरेक्टर दिखाया, हमने हार नहीं मानी। मेरे लिए यह सबसे अच्छी बात है।'

छेत्री ने माना कि जून से कॉम्पिटिटिव फुटबॉल की कमी रूसी टीम के खिलाफ चुनौतीपूर्ण साबित हुई। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह अनुभव युवा खिलाड़ियों के लिए कीमती होगा क्योंकि वे इंटरनेशनल लेवल पर आगे बढ़ रहे हैं।

11 अक्टूबर को होने वाले दूसरे फ्रेंडली मैच को देखते हुए, छेत्री ने बताया कि टीम लंबे समय तक अपनी इंटेंसिटी बनाए रखने की अपनी काबिलियत को बेहतर बनाने पर काम करेगी। साथ ही, पहले मैच के आखिरी स्टेज में खेलने वाले युवाओं को ज्यादा मौके भी देगी।

श्रेया और आयुष्मान करेंगे मुपापा में स्क्रीन शेयर

छोटे परदे की अभिनेत्री श्रेया चौधरी अब बड़े पर्दे पर एक नई शुरुआत करने जा रही हैं। जल्द ही श्रेया और आयुष्मान फिल्म मुपापा में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे, जो 19 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बंदिश बैंडिट्स के दोनों सीजन में तमन्ना शर्मा के किरदार से दर्शकों का ध्यान खींचने वाली श्रेया चौधरी के मुपापा में किरदार और कहानी को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी ज्यादातर डिटेल्स को अभी सीक्रेट रखा है। ऐसे में श्रेया और आयुष्मान की जोड़ी को किस तरह की कहानी में दिखाया जाएगा, इसे लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बनी हुई है। अभिनेत्री को वाईआरएफ टैलेंट ने एक्सक्लूसिव मैनेजमेंट के लिए साइन किया है। इसे उनके प्रोफेशनल सफर में एक नई शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। श्रेया ने अब तक वेब सीरीज और फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी पहचान बनाई है और अब वह थिएट्रिकल फिल्मों की ओर आगे बढ़ रही हैं। मुपापा का निर्देशन समीर सक्सेना कर रहे हैं। फिल्म को यशराज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधानी और पोशम पा पिक्चर्स मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। मुपापा यशराज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स की पहली थिएट्रिकल साझेदारी है।

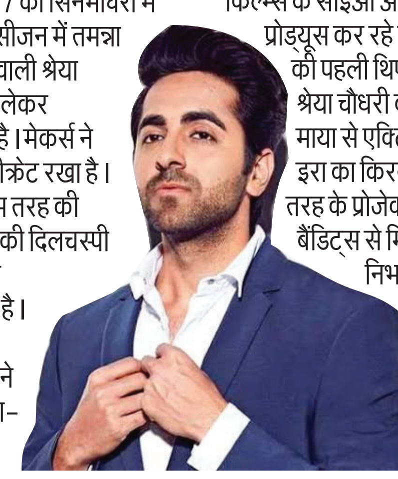

श्रेया चौधरी की बात करें, तो उन्होंने साल 2017 में फिल्म डियर माया से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। फिल्म में उन्होंने इरा का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स में काम किया, लेकिन उन्हें पहचान बंदिश बैंडिट्स से मिली। इस सीरीज में उन्होंने तमन्ना शर्मा का रोल निभाया था। तमन्ना एक पॉप स्टार है, जो क्लासिकल और मॉडर्न म्यूजिक की दुनिया के बीच अपनी पहचान बनाने की कोशिश करती है। श्रेया के इस किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इसके अलावा श्रेया शॉर्ट फिल्म द अदर वे में भी नजर आ चुकी हैं।

अभिनय को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया से बेहद खुश है संदीपा धर

हाल ही में रिलीज़ हुई ओटीटी सीरीज़ 'चुंबक' में अपने अभिनय को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया से अभिनेत्री संदीपा धर बेहद खुश हैं। 'चुंबक' में संदीपा धर के साथ सुमीत व्यास, सुमीत राघवन, नीना गुप्ता और मानसी पारेख भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह सीरीज़ नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। सीरीज़ के निर्देशक आतिश कपाड़िया के साथ अपनी पहली मुलाकात और उनके द्वारा दिए गए अनोखे नैरेशन के अनुभव को याद करते हुए संदीपा ने इसे बेहद खास बताया। मुंबई के बीकेसी में सीरीज़ के प्रमोशन के दौरान, संदीपा धर ने अपने सह-कलाकारों सुमीत व्यास, सुमीत राघवन, नीना गुप्ता और मानसी पारेख के साथ इस अनुभव को साझा किया। संदीपा ने बताया कि आतिश कपाड़िया ने कहानी सुनाते समय सभी किरदारों को स्वयं निभाकर दिखाया था। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह बहुत हैरान करने वाला था। जब उन्होंने मुझे कहानी सुनाई, तो उन्होंने सभी किरदार निभाए। एक किरदार से दूसरे किरदार में जाते समय उनकी आवाज़, बोलने का अंदाज़ और हावभाव पूरी तरह बदल जाते थे। अभिनेत्री ने आगे बताया कि आतिश ने इतनी बारीकी से प्रस्तुति दी कि उन्होंने बैकग्राउंड म्यूज़िक तक तैयार कर रखा था। संदीपा ने उस पल को याद करते हुए कहा, मैं बस उन्हें देख रही थी और सोच रही थी कि हे भगवान, ये इंसान कौन हैं? इससे पहले, संदीपा ने आतिश कपाड़िया के साथ काम नहीं किया था, लेकिन उनके नैरेशन ने ही उनके मन में आतिश के साथ काम करने और उनसे सीखने की गहरी इच्छा पैदा कर दी थी।

अभिनेत्री ने ज़ोर देकर कहा कि स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद उनकी उत्सुकता और भी बढ़ गई। उन्होंने कहा, जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी तो मैं बस हँसती रह गई। यह बहुत मजेदार थी। मुझे लगता है कि इसमें आतिश कपाड़िया की बुद्धिमत्ता, हास्य और उनकी पूरी रचनात्मक शैली की स्पष्ट झलक मिलती है। संदीपा ने यह भी व्यक्त किया कि उन्हें सीरीज़ में कोई भी भूमिका मिलती, वह उसे करने के लिए तैयार रहतीं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हर अभिनेता का सपना होता है कि वह इस तरह के सेटअप में काम करे। अगर मुझे किरन का किरदार नहीं भी मिलता और कोई दूसरा रोल दिया जाता, तब भी मैं उसे करती। यह अनुभव शानदार था।

सलमान ने किया मुश्किल दौर को याद

अभिनेता सलमान खान ने अपने करियर के उस दौर को याद किया है, जब उनकी फिल्मों, निजी जिंदगी और कानूनी मामलों को लेकर लगातार नकारात्मक खबरें सामने आती थीं। 'बिग बॉस 20' के हालिया एपिसोड में सलमान ने कंटेस्टेंट्स से बातचीत के दौरान अपनी जिंदगी के उस समय का उदाहरण दिया और बताया कि किस तरह टेलीविजन शो 'दस का दम' ने उनकी सार्वजनिक छवि को एक अलग दिशा देने में मदद की।

सलमान खान ने कहा कि उस समय उनके खिलाफ काफी नकारात्मकता थी। उनके कोर्ट केस, रिश्तों और फिल्मों से जुड़ी चर्चाएं लगातार मीडिया में होती थीं।

अभिनेता के मुताबिक, उनकी फिल्मों और अभिनय से ज्यादा ध्यान उनकी निजी जिंदगी और विवादों पर केंद्रित हो गया था। उन्होंने बताया कि इसी दौर में उन्हें 'दस का दम' शो का प्रस्ताव मिला था। लगातार नकारात्मक मीडिया कवरेज के कारण सलमान टेलीविजन पर आने को लेकर हिचकिचा रहे थे। अभिनेता ने बताया कि उन्हें लगता था कि शो करने से पहले उन्हें अपने आसपास के माहौल पर विचार करना चाहिए।

पालतू डॉग ऑरा को लेकर रश्मिका ने शेयर की मजेदार पोस्ट

अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन में हाल ही में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने चादर के नीचे गहरी नींद में सो रहे अपने पालतू कुत्ते की एक तस्वीर साझा की। अभिनेत्री ने यह मजेदार पोस्ट तब साझा किया जब वह खुद काम में व्यस्त थीं, जबकि ऑरा आराम से अपना रविवार बिता रहा था। इस तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने अपनी ईर्ष्या व्यक्त करते हुए ऑरा को बेहद भाग्यशाली बताया। रश्मिका ने तस्वीर पर लिखा, ध्रऑरा का हाल कुछ ऐसा है- मम्मी बिल्कुल सोई नहीं हैं और उन्हें काम पर भी जाना हैज लेकिन इससे किसी को क्या फर्क पड़ता है? पूरा बिस्तर तो मुझे ही मिल रहा है और मैं बहुत खुश हूंज किस्मत वाला।ध्र अभिनेत्री का शेड्यूल इन दिनों काफी व्यस्त है, उनकी कुछ बड़ी फिल्में आने वाली हैं। वह अगली बार एक्शन-ड्रामा फिल्म 'मैसा' में दिखाई देंगी। इस फिल्म का टीजर हाल ही में जारी किया गया था, जो एक दमदार मनोरंजन का वादा करता है। टीजर में पानी के अंदर के शानदार दृश्य दिखाए गए हैं, जिनमें रश्मिका का पानी की तलहटी में हंसिया पकड़े बैठे रहने का दृश्य बेहद प्रभावशाली है।

रश्मिका ने इस फिल्म में एक गोंड आदिवासी महिला का किरदार निभाया है, जो एक चुनौतीपूर्ण भूमिका है जिसके लिए गहन शारीरिक तैयारी और मुश्किल एक्शन दृश्यों की आवश्यकता थी। अनफॉर्मूला फिल्म्स द्वारा निर्मित 'मैसा' का निर्देशन नवोदित निर्देशक रवींद्र पुल्ले ने किया है। यह फिल्म बड़े पैमाने पर बनाई जा रही है, जिसमें व्यापक एक्शन और तकनीकी रूप से महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण पर ज़ोर दिया गया है। निर्माताओं ने एक बार फिर पुष्टि की है कि 'मैसा' 27 नवंबर, 2026 को तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। इससे पहले, रश्मिका को एक कठिन डांस सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान कूल्हे में गंभीर चोट लग गई थी। अभिनेत्री ने लगातार एक्शन और डांस की शूटिंग की, जिसके चलते उनके कूल्हे की एक नस पूरी तरह से अलग हो गई थी। डॉक्टर चोट की गंभीरता देखकर हैरान थे और उन्होंने अभिनेत्री को 6 सप्ताह तक पूरी तरह आराम करने की सलाह दी थी।

परिणीति चोपड़ा बनी पत्रकार

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और अभिनेता अमोल पालेकर की आगामी इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर फिल्म 'रिपोर्टिंग लाइव' का ट्रेलर जारी हो गया है। फिल्म में परिणीति एक पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं, जो अवैध रेत खनन से जुड़े मामले की पड़ताल करते हुए छिपे हुए सच तक पहुंचने की कोशिश करती हैं। फिल्म में देवेन भोजानी उनके कैमरामैन की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं। लगभग दो मिनट दो सेकंड लंबे ट्रेलर में कहानी की शुरुआत एक गंभीर घटना की जांच से होती है। रिपोर्टर और कैमरामैन अवैध रेत खनन से जुड़े मामले की तह तक जाने की कोशिश करते हैं। जांच आगे बढ़ने के साथ उन्हें ऐसे प्रभावशाली लोगों का सामना करना पड़ता है, जो इस कारोबार से जुड़े सच को सामने नहीं आने देना चाहते। ट्रेलर में कहानी के दौरान कई तनावपूर्ण घटनाएं दिखाई गई हैं। इसमें पीछा करने, टकराव और हिंसा से जुड़े दृश्य भी शामिल हैं। जैसे-जैसे पत्रकार सच्चाई के करीब पहुंचते हैं, उनके लिए खतरा बढ़ता जाता है। फिल्म का केंद्र पत्रकारिता, जांच और दबे हुए सच को सामने लाने की कोशिश के इर्द-गिर्द रखा गया है। परिणीति चोपड़ा ने अपने किरदार को लेकर कहा है कि यह उनके लिए एक अलग तरह की भूमिका है।

पैपराजी पर भड़की नीतू कपूर

बॉलीवुड की अनुभवी अभिनेत्री नीतू कपूर ने हाल ही में अभिनेत्रियों की पीठ की तस्वीरें लेने के पैपराजी के जुनून पर तंज कसते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की है। उनका यह बयान उस समय आया जब वे शहर में थीं और उन्हें घेरने वाले फोटोग्राफरों ने उनसे पीठ की तस्वीरें लेने का आग्रह किया। हाल ही में जब नीतू कपूर एक जगह से बाहर निकलकर अपनी कार की ओर बढ़ रही थीं, तो वहां मौजूद पैपराजी ने उनसे उनकी पीठ की तस्वीर लेने के लिए कहा। इस पर अभिनेत्री ने पलटकर कहा, आपको यह बहुत अच्छा लगता है ना, बैक? पैपराजी ने इस बात से इनकार किया, जिसके बाद नीतू अपनी कार में बैठकर चली गईं। नीतू कपूर इंडस्ट्री की पहली ऐसी व्यक्ति नहीं हैं जिन्होंने अभिनेत्रियों की इस तरह से तस्वीरें लेने के पैपराजी के गलत जुनून के बारे में बात की है। इससे पहले, अभिनेत्री नेहा धूपिया ने भी अभिनेत्रियों के ऐसे बैक शॉट्स लेने के लिए पैपराजी की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने इसे अपमानजनक तरीका बताया था और इसे बंद करने की मांग की थी। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने भी नेहा धूपिया की बात का पुरजोर समर्थन किया था।

अमिताभ ने देर रात तक जागने और मन में आने वाले विचारों पर की चर्चा

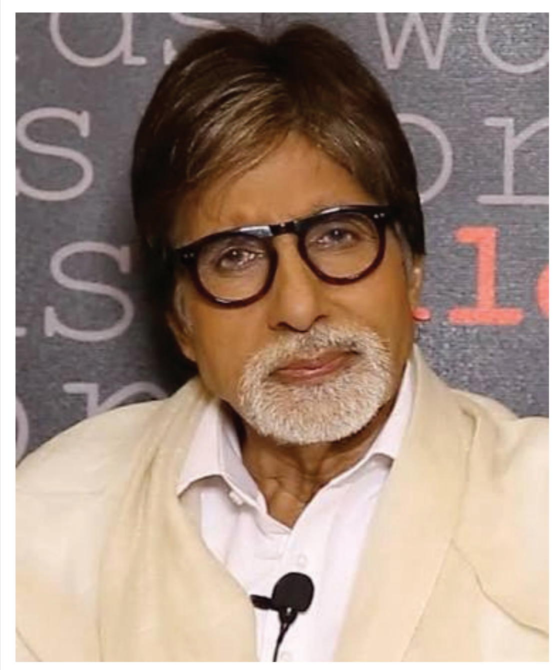

हाल ही में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने देर रात तक जागने और मन में आने वाले विचारों के बारे में खुलकर बात की है। अपने ब्लॉग पर अमिताभ बच्चन ने लिखा, कहा जाता है कि रात की नींद इंसानी शरीर की मरम्मत का सबसे अच्छा तरीका है और मुझे इसका पालन करने के लिए समय निकालने में मुश्किल होती है। उन्होंने काम के लिए जल्दी उठने के मकसद से जल्दी सोने के अपने प्रयास पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने इस एहसास को जोश और लंबे समय से तय लक्ष्यों को पाने की ताकत से भरा हुआ बताया। उन्होंने कहा, आज रात एक कोशिश हैज जल्दी सोने और काम के लिए जल्दी उठने कीज यह एक अलग एहसास हैज कई विचारों और आइडिया का दौरज सब जोश और उन लक्ष्यों को हासिल करने की भावना से भरे हुए हैं, जिन्हें कभी लक्ष्य माना जाता थाज यह सब मंज़िल तक समय पर पहुँचने की जबरदस्त ताकत देता हैज और मुझे अब बिस्तर की ओर भागना चाहिए। सिनेमा के दिग्गज कलाकार इस समय लोकप्रिय क्विज़ शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में बतौर होस्ट नज़र आ रहे हैं, जो ओरिजिनल ब्रिटिश शो 'हू वॉन्ट्स टू बी अ मिलियनेयर?' का आधिकारिक हिंदी रूपांतरण है।

इस शो का फॉर्मेट अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्करणों जैसा ही है, जिसमें कंटेस्टेंट से मल्टीपल-चॉइस सवाल पूछे जाते हैं और उन्हें चार संभावित विकल्पों में से सही जवाब चुनना होता है। साथ ही, उन्हें कुछ लाइफलाइन भी दी जाती हैं, जिनका इस्तेमाल वे तब कर सकते हैं जब उन्हें जवाब को लेकर दुविधा हो। बिग बी, जिन्हें आखिरी बार टीजे ज्ञानवेल द्वारा निर्देशित फिल्म 'वेट्टैयन' में देखा गया था, वर्तमान में फिल्ममेकर नाग अश्विन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल में व्यस्त हैं। इस विशालकाय परियोजना में उनके साथ कमल हासन और प्रभास जैसे सितारे भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

कॉमेडी शो का पति के साथ लुत्फ उठाया प्रीति जिंटा ने, वीडियो किया शेयर

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा अपने पति जीन गुडइनफ के साथ एक कॉमेडी शो देखने पहुंचीं। प्रीति ने इंस्टाग्राम पर शो की कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वह पति जीन गुडइनफ और स्वयं मैक्स अमिनी के साथ नज़र आ रही हैं। यह शो मशहूर ईरानी-अमेरिकी स्टैंड-अप कॉमेडियन मैक्स अमिनी का था, जिसकी कुछ मजेदार झलकियां अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा कीं। उन्होंने मैक्स अमिनी के परफॉर्मेंस का एक वीडियो भी साझा किया। अपनी पोस्ट में, प्रीति जिंटा ने लिखा, सोमवार रात बहुत मज़ा आया। मैक्स अमिनी का मेरा पहला लाइव कॉमेडी शो था और उन्होंने बहुत ही मजेदार परफॉर्मेंस दी। आप बहुत टैलेंटेड हैं मेरे दोस्त और मैं आपके लिए हमेशा और ज़्यादा प्यार और तरक्की की दुआ करती हूं। अभिनेत्री ने मैक्स अमिनी का आभार व्यक्त करते हुए लिखा, शो में मुझे बुलाने और मेरा नाम लेने के लिए, और सबसे बढ़कर, पूरी रात हमें हंसाने और इतनी बड़ी मुस्कान के साथ घर भेजने के लिए आपका बहुत-बहुत शुक्रिया। ढेर सारा प्यार। हाल ही में, अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने आठ साल के लंबे अंतराल के बाद पीरियड ड्रामा 'बंटवारा 1947' से बड़े पर्दे पर वापसी की थी। सनी देओल अभिनीत यह एक्शन ड्रामा 14 अगस्त को रिलीज़ हुई थी और इसे दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। फिल्म में सनी देओल की भारी आवाज़, उनके दमदार डायलॉग्स और शबाना आज़मी के अभिनय को दर्शकों ने सराहा, वहीं कुछ का मानना था कि फिल्म की कहानी में कुछ कमियां थीं।

इसके बाद, प्रीति जिंटा फिल्म 'वाइब' में दिखाई दीं, जिसमें उनके साथ कुणाल खेमू, स्पर्श श्रीवास्तव और पदार्पण करने वाली वंशिका धीर मुख्य भूमिकाओं में थे। कुणाल खेमू के निर्देशन में बनी यह फिल्म दो जिगरी दोस्तों, हार्दिक (कुणाल खेमू) और बग्स (स्पर्श श्रीवास्तव) के इर्द-गिर्द घूमती है। हार्दिक हाल ही में एक पुनर्वास केंद्र से बाहर आया है और ड्रग्स के दलदल से निकलने की कोशिश कर रहा है। उसका दोस्त बग्स एक बड़ी कंपनी में काम करता है और उसकी मदद करता है।

गुलाबी डॉल्फिन

डॉल्फिन को इंसान की दोस्त माना जाता है। इसे बच्चों के साथ खेलना बेहद पसंद है। पृथ्वी पर इंसान के बाद डॉल्फिन ही सबसे ज़्यादा बुद्धिमान प्राणी मानी जाती है। दुनियाभर में इसकी 40 प्रजातियां पाई जाती हैं। इसका आकार चार फुट से 30 फुट और वज़न 40 किलोग्राम से 10 टन तक हो सकता है। डॉल्फिन एक ही समय पर तैर भी सकती हैं और सो भी सकती हैं। डॉल्फिन को पानी में जंप करना बहुत पसंद है। दक्षिण एशिया में डॉल्फिन की एक ऐसी प्रजाति पाई जाती है, जो जन्म के समय कुदरती तौर पर अंधी होती है।

इन डॉल्फिन का सोनर सिस्टम बहुत संवेदनशील होता है और ये अपने शरीर के एक ओर ही तैरती हैं। अमेज़न नदी में रहने वाली डॉल्फिन का रंग गुलाबी है। इसका गुलाबी रंग नदी के पानी और इसके भोजन के कारण है। ये रोज़ाना काफ़ी ज़्यादा भोजन खाती हैं। इन्हें अकेले खाना पसंद नहीं है। जब भी इन्हें मछलियों का झुंड दिखाई देता है, ये ऊंची आवाज़ में अपनी साथी डॉल्फिंस को बुला लेती हैं।

गुलाबी डॉल्फिन लगभग ग्रे डॉल्फिन की ही तरह होती है, पर इन ˙कुछ भिन्नता भी है। इसकी लंबाई 2.5 से 3 मीटर और वज़न 90 किलोग्राम तक होता है। इसकी पीठ और माथे पर कूबड़ होता है और इसकी पूंछ और गर्दन भी ग्रे डॉल्फिन के मुक़ाबले थोड़ी-सी लंबी होती है। छोटी आंखों वाली गुलाबी डॉल्फिन अपना सिर 180 डिग्री पर घुमा सकती है। इनका शरीर लैसीबल होता है, इसलिए ये 20 मील प्रति घंटे की दर से पानी में तैर सकती हैं। यह 15 मिनट तक पानी के नीचे रह सकती है, फिर इसे सांस लेने के लिए इन्हें पानी के ऊपर आना पड़ता है।

गेटवे ऑफ जापान

जापान में पांच ऐसे एयरपोर्ट हैं, जो पूरी तरह समुद्र में बने हुए हैं। ये हैं- नागासाकी एयरपोर्ट, कंसाई इंटरनैशनल एयरपोर्ट, चुबु सेंट्रेयर इंटरनैशनल एयरपोर्ट, कोबे एयरपोर्ट और कितायूशू एयरपोर्ट। चुबु सेंट्रेयर इंटरनैशनल एयरपोर्ट जापान का तीसरा ऐसा एयरपोर्ट है, जो पूरी तरह से आर्टिफिशियल आईलैंड पर बना हुआ है। यह नागोया शहर से 35 किलोमीटर दक्षिण में आइस बे ऑफ चिता पेनिन्सुला में स्थित है।

17 फरवरी 2005 से यहां से हवाई सेवाएं शुरू की गईं। 24 घंटे सेवाएं देने वाला यह एयरपोर्ट देश के बीच स्थित होने के कारण जापान का गेटवे भी कहलाता है। इसे प्यार से 'टोयोटा एयरपोर्ट' भी कहते हैं। अगस्त 2000 में इसका निर्माण कार्य शुरू किया गया।

अनुमान लगाया गया था कि इसके निर्माण की लागत 768 बिलियन जापानी येन आएगी, लेकिन सफल प्रबंधन के चलते इसमें लगभग 100 बिलियन जापानी येन कम खर्च हुए। इसका निर्माण पर्यावरण की सुरक्षा का ध्यान रखकर किया गया। इस एयरपोर्ट के लिए आर्टिफिशियल आईलैंड अंग्रेज़ी के अक्षर 'डी' के आकार में बनाया गया, ताकि खाड़ी के भीतर समुद्र की लहरें आज़ादी से बह सकें।

टेकऑफ एंड लैंडिंग- 580 हैक्टेयर में फैले सेंट्रेयर एयरपोर्ट में चार मंज़िलें हैं। रनवे 3,500 मीटर लंबा है, जबकि रनवे स्ट्रिप 300 मीटर चौड़ी है। यात्री विमान अपनी सुविधानुसार दिन या रात में किसी भी समय उड़ान भर सकते हैं या उतर सकते हैं, जबकि मालवाहक जहाज़ रात में टेकऑफ और लैंड करते हैं।

ढेर सारी सुविधाएं- एयरपोर्ट की इमारत इस तरह से बनाई गई है कि उस पर व्हीलचेयर आसानी से जा-आ सके। दूसरे तल पर लिनिक और तीसरी मंज़िल पर कॉन्फ्रैंस-हॉल है। यहां पोस्ट- ऑफिस, बैंक, करेंसी एक्सचेंज और कोबैन के अलावा बच्चों के मनोरंजन के लिए भी बहुत-सी सुविधाएं हैं।

जहां होती है 6 महीने रात

ध्रुवीय बिंदुओं पर छः महीने की सर्दियां होती हैं और कभी भी सूर्यास्त नहीं होता। जब सूर्योदय होता है, तो छः महीनों की लंबी गर्मियां आरंभ होती हैं...

उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव पूरी तरह एक-दूसरे से भिन्न हैं। उत्तरी ध्रुव पर आर्कटिक महासागर है, जो उत्तरी अमरीका, यूरोप और एशिया से घिरा है, जबकि दक्षिण ध्रुव का क्षेत्र अन्य सभी महाद्वीपों से अलग-थलग है, सिवाय दक्षिण अमरीका के, लेकिन इनके बीच भी कई 100 किलोमीटर लंबा सागर पड़ता है। दो उत्तरी ध्रुव और दो दक्षिणी ध्रुव होते हैं।

उत्तरी और दक्षिणी भूमध्यरेखीय ध्रुव या भौगोलिक ध्रुव स्थिर बिंदु हैं और धूरी बनाते हैं, जिस पर पृथ्वी घूमती है। आप इन्हें ग्लोब पर देख सकते हैं। यही वे ध्रुव हैं, जिन्हें हम उत्तरी या दक्षिणी ध्रुव कहते हैं। उत्तरी व दक्षिणी चुबकीय ध्रुव वहां होते हैं, जहां पर कम्पास संकेत करता है। ये ध्रुव हमेशा घूमते रहते हैं।

इस तरह ये हर साल औसतन 6-25 मील तक शिफ्ट हो जाते हैं। केवल कम्पास को देखकर यह बताया जा सकता है कि हम इन ध्रुवों के निकट हैं, पर ध्रुवों के बिल्कुल निकट कम्पास भरोसेमंद नहीं है। कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी का चुबकीय क्षेत्र उलट रहा है और किसी दिन कम्पास दक्षिण की बजाय उत्तरी की ओर संकेत कर सकती है।

उत्तरी ध्रुव

उत्तरी ध्रुव पृथ्वी का सबसे सुदूर उत्तरी बिंदु है। यह वह बिंदु है, जहां पृथ्वी की धूरी घूमती है। यह आर्कटिक महासागर में पड़ता है। यहां अत्याधिक ठंड पड़ती है, क्योंकि लगभग छः महीने यहां सूरज नहीं चमकता है। ध्रुव के आसपास का महासागर बहुत ठंडा है और सदैव बर्फ़ की मोटी चादर से ढंका रहता है। इस भौगोलिक उत्तरी ध्रुव के निकट ही चुबकीय उत्तरी ध्रुव है। कम्पास की सूई इसी चुबकीय उत्तरी ध्रुव की ओर संकेत करती है। उत्तरी तारा या ध्रुव तारा उत्तरी ध्रुव के आकाश पर सदैव निकलता है। सदियों से नाविक इसी तारे को देखकर यह अनुमान लगाते रहे हैं कि वे उत्तरी में कितनी दूर हैं। उत्तरी ध्रुव, दक्षिणी ध्रुव की तुलना में कम ठंडा है, क्योंकि यह महासागर के मध्य में समुद्र स्तर पर स्थित है। सर्दियों में (जनवरी) यहां का तापमान -43 डिग्री सैल्सियस से -26 डिग्री सैल्सिय के बीच रहता है। गर्मियों में (जून, जुलाई, और अगस्त) में औसत तापमान जमाव बिंदु के आसपास रहता है। उत्तरी ध्रुव में समुद्र पर जमी बर्फ़ की परत 2 से 3 मीटर तक मोटी होती है, हालांकि ग्लोबल वार्मिंग के चलते पछले कुछ सालों में यहां बर्फ़ की परतों की औसत मोटाई में कुछ कमी आई है। कई बार तैरते हुए हिमखंडों के नीचे आप साफ़ पानी देख सकते हैं। यहां ध्रुवीय भालू, आर्कटिक लोमड़ियां और सील काफ़ी संख्या में पाई जाती हैं। सर्दियों में भालू हाइबरनेट करते हैं यानी ये सर्दियों के दौरान निष्क्रिय रहते हैं। वे सारा वत़ गुफा में छिपे बैठे रहते हैं और शिकार नहीं करते। लेकिन जैसे ही यहां गर्मियों का मौसम शुरू होता है, वे शिकार के लिए निकल पड़ते हैं। उत्तरी ध्रुव पर हिम बंटिंग, उत्तरी फुल्मर और काली-टांगों वाली किटिवेक समेत कई पक्षी भी पाए जाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार वर्तमान में उत्तरी ध्रुव और आर्कटिक महासागरीय क्षेत्रों पर किसी भी देश का अधिकार नहीं है। इसके आसपास के पांच देश रूस, कनाडा, नॉर्वे, डैनमार्क (ग्रीनलैंड) और अमरीका (अलास्का) अपनी सीमाओं के 200 नॉटिकल-मील (370 किमी.) तक के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र तक सीमित हैं। इसके आगे के क्षेत्र का प्रशासन अंतरराष्ट्रीय सीबेड प्राधिकरण के पास है।

दक्षिणी ध्रुव

दक्षिणी ध्रुव पृथ्वी का सबसे दक्षिणी छोर है। यह अमरीका से लगभग दोगुने आकार का एक बहुत विशाल पर्वतीय महाद्वीप है। इसे अंटार्कटिका के नाम से भी जाना जाता है। यह बहुत ही ठंडा स्थान है। अंटार्कटिका के अधिकतर द्वीप पर बर्फ़ की एक मोटी चादर फैली रहती है। अपने केंद्र पर तो यह डेढ़ किमी से भी मोटी बर्फ़ से ढंका हुआ है। दक्षिण ध्रुव की जलवायु उत्तरी ध्रुव के मुक़ाबले कहीं अधिक प्रचंड है।

पैंग्विंस के सिवाय भूमि पर रहने वाला कोई अन्य जानवर यहां पाया नहीं जाता है। यहां पौधे भी बहुत दुर्लभ मिलते हैं। यहां उगने वाली बहुत कम चीज़ों में शैवाल, काई, घास और फूलों के कुछ पौधे शामिल हैं। दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचना बहुत कठिन है, जबकि उत्तरी ध्रुव पर आप आसानी से पहुंच सकते हैं, क्योंकि यह समुद्र और समतल समुद्री बर्फ़ से ढंका हुआ है। यहां आने वाले जहाज़ों को भी आमतौर पर बर्फ़ीले समुद्री रास्ते से होकर जाना पड़ता है।

यहां की कोई स्थानीय जनसंख्या नहीं है, केवल यहां पर रिसर्च करने के लिए आने वाले वैज्ञानिकों की लोनियां हैं। तट पहुंचने के बाद भूमार्ग से यात्रा करने वाले खोजियों को भी ध्रुव तक पहुंचने के लिए 1,600 किलोमीटर से अधिक की यात्रा बहुत मुश्किल मौसम में करनी पड़ती है। इस इलाके में बहुत अधिक तूफ़ान आते हैं।

उन्हें तैरते हिमखंडों को पार करके बर्फ़ से ढंकी भूमि और सीधे खड़े पर्वतीय हिमनदों को तेज़ और जमा देने वाली बर्फ़ीली हवाओं के बीच पार करना होता है। गर्मियों के दौरान दिसंबर के अंत से मार्च के अंत तक कभी भी सूर्यास्त नहीं होता। इसके बावजूद गर्मियों में भी यहां का तापमान जमाव बिंदू के नीचे रहता है। सर्दियों के दौरान यहां कई सहश्वताह तक सूर्योदय नहीं होता और यहां तापमान शून्य से 25-35 डिग्री सैंटीग्रेट तक नीचे रहता है।

भावुक मन

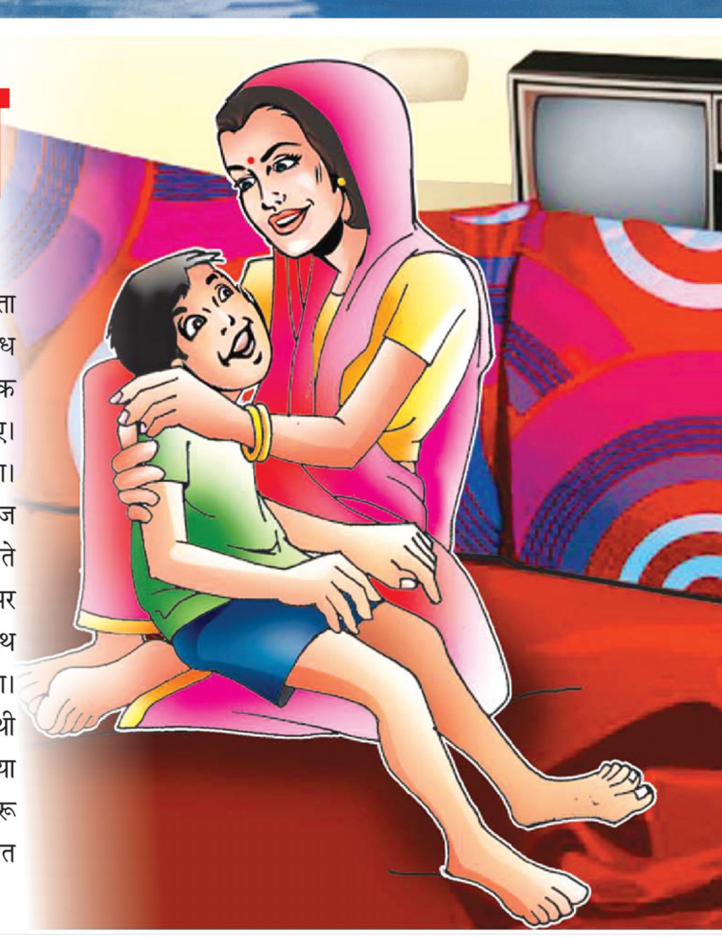

बचपन में दादा-दादी, नाना-नानी और माता-पिता द्वारा सुनाई गई कहानियां आने वाली ज़िंदगी पर भी प्रभाव डालती हैं। ये कहानियां ही हमें नैतिकता, जीवन के मूल्य, संस्कार और संस्कृति से वाकिफ कराती हैं। कुछ कहानियां ऐसी होती हैं, जो बच्चे के भावुक मन में गहरे तक पैठ कर जाती हैं और उनके जीवन का हिस्सा बन जाती हैं।मुझे आज भी याद है कि बचपन में मेरी मम्मी मेरा मन बहलाने के लिए मुझे कहानियां सुनाया करती थीं।

उनमें से कई कहानियां ऐसी थीं, जो उन्होंने अपनी नानी-दादी से सुनी थीं, यानी पीढ़ि दर पीढ़ि वे कहानियां सुनी/सुनाई जा रही हैं। उनकी सुनाई बहुत सी कहानियां मुझे आज भी याद हैं। मम्मी द्वारा सुनाई गई एक कहानी ऐसी भी थी जो मेरे दिल को छू गई। मुझे ऐसा लगता जैसे मैं ख़ुद उस कहानी में शामिल हूं। यह कहानी गणेश जी के जन्म की है। माता पार्वती ने भगवान शिवजी की अनुपस्थिति में अपने शरीर की मैल से गणेश जी की प्रतिमा बनाई और उसमें प्राण डाल दिए। माता पार्वती ने उन्हें अपना पुत्र मान लिया।

माता पार्वती ने गणेश जी को द्वार पर खड़े होने का आदेश दिया और कहा, 'पुत्र मैं अंदर स्नान करने जा रही हूं। किसी को अंदर प्रवेश मत करने देना।' गणेश जी माता की आज्ञा सुनकर द्वार के पास खड़े हो गए। गणेश जी अभी द्वार पर खड़े हुए ही थे कि भगवान शिव बाहर से लौट आए। वह जब अंदर जाने लगे, तो गणेश जी ने कहा, 'अंदर मत जाओ, मेरी माता जी स्नान कर रही हैं।' भगवान शिव ने पूछा, 'तुम्हारी माता जी कौन है?' गणेश जी ने कहा, 'पार्वती जी ही मेरी माता हैं।'गणेश जी का जवाब सुनकर भगवान शिव को बहुत क्रोध आया और वह बलपूर्वक अंदर जाने लगे, लेकिन तभी बालक गणेश उन्हें रोकते हुए उनसे युद्ध करने के लिए तैयार हो गए। क्रोधित शिवजी ने त्रिशूल से उनका सिर धड़ से अलग कर दिया। जब मम्मी यह कहानी सुनाती थीं, तो मेरा दिल अंदर तक पसीज जाता था और मेरी आखों से आंसू टप-टप करके बहने लगते थे। मैं अक्सर सोचा करता था कि मेरे साथ ऐसा क्यों होता है, पर अब समझ में आता है कि मैं शायद ख़ुद का गणेश जी के साथ संबंध स्थापित कर लेता था, जिसकी वजह से मैं रो पड़ता था। मेरे आंसू पोंछते हुए मेरी मम्मी समझातीं कि गणेश जी को हाथी के बच्चे का सिर लगा कर शिवजी ने दोबारा जीवित कर दिया और सभी देवताओं में शीर्ष स्थान दिया। कोई भी शुभ काम शुरू करने से पहले गणेश जी की पूजा होती है। मम्मी की यह बात सुनकर मुझे संतोष होता।